PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1979 (भाद्रपद 24, 1901)

No. 37]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1979 (BHADRA 24, 1901)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्पा दी काती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

जाग ॥ — खेळ 1

PART III—SECTION 1

उदय न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 प्रगस्त, 1979

सं ए 11016/1/76-प्रणा III -- इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 12-4-79 के ग्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग के स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री किणन सिंह को राष्ट्रपति द्वारा, 1-8-79 से 29-2-80 तक, अथवा श्रागामी श्रादेणों तक, जो भी पहले हो. संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में इंस्क अधिकारी का कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. कार्मिक तथा प्रणासिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11-12-75 के भ्रत्यरण में श्री किणन सिंह, जिस श्रविध के लिये वह डैस्क श्रधि-कारी का कार्य करते हैं, प्रति माह 75/- रुपये विशेष वेतन लेंगे।

> एस० बालाचन्द्रन, ग्रवर म चिव (प्रशामन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सनर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 ध्रगस्त 1979

मं० 98 भार्०सी०टी०--केन्द्रीय मतर्फता भ्रायक्त एतद द्वारा श्रायोग के स्थाई सहायक श्री एच० एल० राटौर की 16 अगस्त, 1979 में 24 अगस्त, 1979 तक या अगले आदश तक जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से प्रानभाग प्रधिकारी नियक्त करने हैं।

> ऋष्य लाल मल्होत्रा, भ्रवर मचिव कृते केन्द्रीय सनकेता श्रायक्त

प्रतिभित कागज कारखाना

होशंगावाद, विनांक 9 श्रमस्त 1979

मं० पी० एफ०/पी० डी०/6/6144--इस कार्यालय की अधिमूचना कमांक पीडी/6/2535 दिनांक 13/6/79 के तार्तम्य में श्री सी० पी० भाटिया को सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर दिनांक 7/6/79 में 2/:/79 तक वेतनमान हु० 840-40-1000

द० रो० 40-1200 में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने की श्रनुमित दी जाती है। क्योंकि श्री एम० पद्मनाभन महायक कार्य प्रबंधक ने उनकी छुट्टी उपर्युक्त तक बढ़ायी है। उनका वेतनमान ६० 800/- प्रतिमाह एफ० श्रार० 22(सी) के श्रंतर्गत निर्धारित किया है।

सं० एफ० एस० 3/6149—इस कार्यालय की भ्रष्टिसूचना कमांक 5-3/8908 दिनांक 24-4-79 के भ्रागे श्री के० एन० डोमले, भंडार ग्रिधिकारी को वेतनमान ६० 840-40-1000-द० रो० 1200 में भंडार श्रिधिकारी के पद पर दिनांक 1/6/79 से 27/6/79 तक कार्य करने की श्रनुमित दी जाती है क्योंकि श्री एम०एल०एस० गगोला भंडार ग्रिधिकारी ने उपरोक्त छुट्टी बहाई है।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

कार्यालय, निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 24 श्रगस्त 1979

सं० प्रणा० I/का० थ्रा० 258/5-6/79-80/1054— निदेणक लेखापरीक्षा इस कार्यालय के निम्नलिखित रथायी अनु-भाग- श्रिधकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रिधकारी के रूप में 3 श्रगस्त, 1979 के श्रपराह्न से श्रगले श्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

ऋ०सं० नाम

1. श्री एच० एम० गोविला

समार राय उप निदेशक, ले०प० (प्र०)

वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय, (वाणिज्य विभाग) मुख्य नियंवक, श्रायान-नियति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 श्रगस्त 1979 श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/290/54-प्रशासन (राज)/6295—सर्वश्री एम० एस० नाइकर्णी, जो पहले मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात बम्बई के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात थे, को सेवा निवृत्ति अवकाण बिताने के बाद 16 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमनि दी जाती है।

> राजिन्दर सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात **क्**ते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास प्रायुक्त (लघु उद्योगों का कार्यालय) नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० ए-19018(384)/79-प्रणा० (राज)---राष्ट्रपतिजी श्री ए० के० दुबे को दिनांक 18 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से ध्रगले अपदेश तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, सिल्चर में सहायक निदेशक, ग्रेष्ड-I (यांक्षिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28/31 जुलाई 1979

सं० ए-19018(377)/79-प्रशा०(राज०) — राष्ट्रपतिजी, श्री जी० डी० शिन्दे को दिनांक 28 मई, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/पादुका) के रूप; नियुक्त करते हैं।

मं० ए-19018(387)/79-प्रशा० (राज०)—-राष्ट्र-पतिजी, श्री रणजीत सिंह को दिनांक 27 जून, 1979 (पूर्वाह्न) मे ग्रगले श्रादेश तक, लघ् उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर ; महायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप ; नियुक्त करते हैं।

सं०ए-19018 (407) / 79-प्रणा० (राज०) — राप्ट्रपतिजी श्री श्रार० के० बन्मल को दिनांक 26 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेण तक, णाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, भिवानी में सहायक निदेणक, ग्रेड-I (यांविक) के रूप ; नियुक्त करते हैं।

> सहेन्द्र पाल गुप्त, सहायक निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानदेणालय

(प्रशासन ग्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रगस्त 1979

सं० प्र०-1/1(1141)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा श्री सी० लोबो सधीक्षक को दिनांक 4-8-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में श्री एस० के० देशाई, जो सेवा निवृत्त हो गये हैं के स्थान पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड- I^{I}) के पद पर नियमित श्राधार पर स्थानापन्न हप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण कियोर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

सं० प्र०-6/247(272)/60-II—िनरीक्षण निदेशक, उसरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के प्रधीन उप निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (इंजी) प्रौर स्थानापन्न निरीक्षण प्रधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सवा ग्रुप ए इंजीनियरी) शाखा के ग्रेड (III) श्री एन० बी० राव निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-7-79 (प्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

बी॰ डी॰ सेठ, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपदान

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 ध्रगस्त, 1979

सं० 5067बी० ए-30013/2/78-19 सी—भारतीय भू-वैज्ञानिक मर्वेक्षण के निम्नलिखित श्रस्थाई श्रधिकारियों को उसी ग्रंड में उनके सामने दर्शाई तिथि से स्थायीवत् घोषित किया जा रहा है:—

क० नाम सं०	पदनाम	स्थार्यःवत् घोषित करने की तिथि
1 2	3	4
1. श्रो के० एन० नन्द्रा	सहायक भूवैशानिक	28-8-75
 श्री टी० कामेश्वर राव 	 D	8-11-77
3. श्री शिबेश चन्द्र	"	7-2-77
. श्री ग्रपूर्व चटर्जी	1)	18-1-77
 श्री सरोज कुमार बडुग्रा 	11	1-10-77
अ) सत्येन्द्र कुमार भ्रवस्थी	"	15-7-77
 श्री ध्रुवज्योति दास गुप्त 	,,	16-12-77
 ष्ठा० दी० पी० उपाध्याय 	17	9-12 - 77
 श्री प्रकाण चन्द्र 	27	11-4-78
10. श्री सुदेश कुमार	17	4-12-77
11. श्री भ्रनिल मेहरोत्रा	11	1-4-78
12. श्री हर्ष गुप्ता	"	17-5-78
13. श्री शरदेन्दु मुखर्जी	73	7-12-77
14. श्री स्वीन्द्र नाथ घोष	,,	9-6-78
15. श्री प्रेम कुमार	**	31-1-78
1 6. कु० लक्ष्मी घोष	1)	11-11-77
17. श्री बी० जहिर	11	30-6-78
18. श्री कुमुद शर्मा	/1	11-3-78
19. श्री बी० के० होरे	,	9-1-78
20. श्री देश राज	11	9-7-78
21. श्री सुतनु सरकार	1,	4-1-78
22. श्री राकेश चन्द्र मिश्रा	1)	10-3-78
23. श्री जे० के० सरकार	सहायक भू- भौतिकविद्	16-10-76
24. श्री प्रशोक कुमार सूद	सहायक भू- वैज्ञानिक	27-1-78
25. कु० बनानी बर्धन	11	9-5-78

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 21 भ्रगस्त 1979

सं० ए० 19011/235/78-स्था० ए०—दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्म) को सेवा निवृत्ति का प्रायु प्राप्त होन पर श्री एल० सी० रणधीर, स्थायी प्रशासन प्रधिकारी तथा स्थानापन्न वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी को एतद्द्वारा 31 जुलाई, 1979 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो से उनके कार्यभार से मुक्त किया जाता है। श्रीर तदनुसार उनका नाम इम विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया जाता है।

एस० बाला गोपाल कार्यालय श्रध्यक्ष कृते नियंत्रक

भारताय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 22 श्रगस्त 1979

सं० स्था o I – 5542/पो० एफ० (वी० ई० रमण) — भारतीय मर्बेक्षण विभाग, सा० सि० से० ग्रुप 'वा' के सहायक प्रबन्धक श्री वी० ई० रमण द्वारा दिया गया त्यागपत्न 4 सितम्बर 1978 के पूर्वाह्न से सहपं स्वीकार किया जाता है।

दिनांक 24 ग्रगस्त 1979

सं० सीं० 5543/594—श्री घूम सिंह, तकनीकी सहायक, मिले० ग्रेंड को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक मानचित्र पुनस्त्वादन (ग्रुप 'र्बा') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेननमान में दिनांक 11 जुलाई 1979 (पूर्वाह्म) से तब्थं ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 ग्रगस्त, 1979

सं० ए० 19011/6/78-एस०-1-राष्ट्रपति ने श्री डी॰ एय० देसिकन को 1 नवम्बर, 1978 से श्रागामी श्रादेशों तक यरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, मद्राम में उप सहायक महानिदेशक (स्टोर) के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19011/7/78-स्टोर-1-राष्ट्रपति ने श्रां विषव विभूति को 26 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा स्टोर डीपू गोहाटी में डीपू प्रवन्धक के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन (सं० व पद्धति)

नई दिल्लों, दिनांक 18 श्रगस्त 1979

सं० ए० 12025/1 (II)/79-भण्डार-I-(स्वास्थ्य संवा महानिदेशक ने श्री प्रदीप कुमार गुहा को 1 श्रगस्त, 1979 पूर्वाह्न से यागामी श्रादेशों तक मरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास में सहायक डिपी मैनेजर के पद पर श्रस्थायी प्राधार पर नियुक्त किया है।

> पी० के० घई (स्रो० एस० डी० स्टोर)

कृषि ग्रौर सिचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग)

विषणन एवं निरोक्षण निदेणालय फरीवाबाद, दिनांग 24 स्रगस्त 1979

मं० ए० 19025/122/78-प्र, III--- मंघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के प्रभुषार श्री शियनाथ सिंह नोगर को इस निदेणालय में दिनांक 9 जनवरो, 1979 (अपराह्म) से अगल आदेशों तक स्थानापन्न रूप में विषणन अधिकारी (वर्ग) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/12/79-प्र,० ——विभागीय पदोन्नति सिमिति की संस्तुतियों के आधार पर था जे ० एस० उपाल, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में फरीदाबाद में दिनांक 18-8-79 (प्रपराह्म) से श्रगले आदेशों तक स्थानापक सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) पदोन्नत किया गया है।

र्बः ० एल० मिनहार प्रणासन निदेशक **फु**ते कृपि विपणन मलाहकार

भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र बम्बई 400085, दिनांक 19 जून 1979

सं० पीए०/64 (5)/78-श्रार-4—निदेशक, भाभा पर-माणु श्रनुसन्धान केन्द्र, श्री धरम वीर मिंग धारीवाल को 16 जून 1979 के पूर्वीह्न से अगले आदेशों तक, इसी अनुसन्धान केन्द्र के रेडियो रसायनिकी प्रभाग में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधि-कारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुवत करते हैं।

दिनांक 7 जुलाई 1979

सं० पी०ए०/73 (4)/79-भर्ती-4—समसंख्यक श्रिश्चित्त्वा दिनांक 15 जून, 1979 सिलसिले में निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुगन्धान केन्द्र, (डा०) रिवन्द्र रधुनाथ जहार्गारदार को केवल श्रस्थायी रूप से तारीख 6 जुलाई, 1979 पूर्वाह्न से तारीख 4 श्रगस्त 1979 श्रवराह्न तक श्रावास विकित्सा श्रिधि-कारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० पो० ए०/73 (16)/78-ग्रार-4---निदेशक भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र डा० (श्रीमती) चित्रा गाँउ को इस श्रनुसन्धान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में श्रस्थायी रूप से श्रावास चिकित्सा श्रिधिकारी तारीख 13 जुलाई 1979 पूर्वीह्न से श्रागे आदेण तक नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगानाथन उप स्थापना ग्रधिकारो

परमाणु ऊर्जा विभाग राजस्थान परिमाणु विद्युत परियोजना दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

सं० रापविष/04627/प्रणा/79/स्थल/403--- निम्नलिखित श्रिधिकारियों ने इस परियोजना से नरोरा परमाणु विद्युत परि-योजना डाक-नरोरा, जिला बुलन्दणहर (उ० प्र०) में स्थानान्तरित होने के परिणामस्वरूप हरएक के सम्मुख दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया:---

क्रमांक नाम	पद जिस पर	पद्र जिस पर	पद का	
	स्थायः/	स्थानापन्न	कायभार	
	स्थायोवत	रूप से कार्यरत	छोड़ने	
	है	है	की तारीख	
श्रो				
1. श्री प्रभुदयाल	स्थार्यः-	वै ज्ञा निक	15-6-79	
	– सहायक	श्रधिकारी	(भ्रपराह्न)	
	फोरमैन	इंजीनियर		
		ग्रेड/एसर्ब)		
2. श्री प्राई० पी०	स्थायीवत	11	15-6-79	
चाँदना	⊷वैज्ञानिक		(भ्रपराह्न)	
	सहायक (ए)			
3. श्रांडी० एन०	स्थार्यः.–	1,	15-6-79	
बजाज	वैज्ञानिक		(श्रपराह्न)	
सहायक (सी)				
4. প্রা কৈত দ্বত	स्थायी——	,,	15-6-79	
शमी	फोर्मैन		(भ्रपराह्न)	
5. श्री डी०एस०	स्थायी−(7.1	15-6-79	
दधवाल	फोरमैन		(श्रपराह्न)	
6. श्री एस० के०	स्थार्यःवत––	,,	15-6-79	
लाल	फोरमैन	,,	(श्रपराह्न)	
7. श्री पी० एम०	स्थायी		30-6-79	
7. श्रापार पुनर एलक नंबियार	रपाया~– फोरमैन	13		
•			(ग्रयराह्न)	
8. श्रीएन०पी०	स्थायी	7.1	30-6-79	
गुप्ता	सहायक फोरा	र न	(श्रपराह्न)	
9. श्री श्रार० सी०	स्थायीवत	1)	30-6-79	
डिक्रोलिव _ि ल	वैज्ञानिक		(भ्रपराह्न)	
	मह≀यक (मी)			

गोपाल सिह् प्रशासन अक्षिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 18 अगस्त, 1979

मं० भाषाप/स्था/प-20/5070--भारी पानी परियोजना के विजेय-कार्य-ग्राह्मकारी श्री घनण्याम छगनभाई पटेल, ग्रस्थायी उच्च-श्रोणी लिधिक, भारी पानी परियोजना (बडोदा) की, उसी परियोजना में 7 मई, 1979 से 12 जून, 1979 तक श्री एस० सी० ठाकुर सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी जो छ्ट्टी पर हैं, के स्थान पर, स्थानापत्र सहायक—कार्मिक ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

धिनाका 21 अपस्त, 1979

सं० भाषाप/म्था/1/रा-61/5113—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-श्रीधकारी, श्री बदमन् पाचू पिनैई राधाकृष्णन, स्थानापन सहायक लेखापाल, भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी परियोजना में 18 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से 16 जुलाई, 1979 (ग्रपान) तथ के लिए श्री डी० चटटोपाध्याय सहायक लेखा प्रधिकारी के मूल कार्यालय को लीट जाने के कारण श्ररथाई नीर पर नदर्थ श्राधार पर स्थानापन महायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करने हैं।

के० शकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर दिनांक 18 भ्रगस्त, 1979

सं० टी० ए० पी० एम०/1/19(3)/76-म्रार—संवर्ग प्राधिकरण द्वारा तैनात किए जाने पर, मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु कर्जा विभाग, भारी पानी परियोजना तूर्नाकोरिन स्थानापस सहायक लेखापाल श्री पी० एम० मोहस्मद वर्णार को, तारापुर परमाणु विजलीघर में, श्रस्थायी क्षमता में, दिनांक १ श्रगरत, 1979, पूर्वाह्न से, श्रगले ब्रादेशों तक, महायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

महायक लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति की निथिस एक वर्ष की श्रवधि के लिए वे परिवीक्षाधीन रहेगे।

> ए० डी० देमाई मुख्य प्रणामनिक ऋधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मन्त्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दि≈नी-3, दिनांक 21 ग्रगस्त, 1979

सं ० स्थापना (1) 06334—मौसम विज्ञान के महानिदेणक के मुख्यालय, नई दिल्ली, में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री बी० के० लाम्बा को दिनांक 11-6-1979 के श्रपराह्न से सर्थारों सेवा सं स्वेच्छा सं सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति तथा कार्मिक एवं प्रशासनिव सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 250/3/7/77 स्थापना (ए) दिनांक 26-8-77 के पैरा सं० (६ XIII) के श्रनुसार 8-6-79 से 3-8-79 तक के 57 दिन

का प्रजित प्रवकाण एवं इसके बाद 4-8-79 से 17-9-79 तक का 45 दिन के प्रधिवेतन प्रवकाण की स्वीकृति दी गई थी।

> र्जा० ग्रार० गुप्ता निदेशक **कृते** मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 प्रगस्त, 1979

सं० ए० 12025/1/76-ईएस—संघ लोक सेवा आयोग की िफारिणों पर राष्ट्रपति ने श्री टी० के० मोयता को दिनांक 9-8-1979 (पूर्वाह्न) से श्रीर श्रन्य आदेण होने तक नागर विमानन विभाग में विरष्ट यिमान निरीक्षण के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेणक का कार्यालय, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता में तैनात किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर उपनिदेशक प्रणासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

सं० ए० 32013/4/79-ई 1---राष्ट्रपप्ति नेश्री पी० श्रार० चन्द्रशेखर, उपनिदेशक श्रनुसन्धान एवं विकास, जो इस समय तदर्थ श्राधार पर निदेशक श्रनुसन्धान एवं विकास के पद पर स्था-नापन्न रूप से कार्यरत हैं, को दिनांक 6 जुलाई, 1979 से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक निदेशक, श्रनुसन्धान एवं विकास के पद पर नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है।

> सी० के० वस्स महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रगस्त 1979

सं० ए० 32013/1/79 ईसी—निवर्तन प्रायु प्राप्त कर लेने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय), नई दिल्ली के कार्यालय मे वरिष्ठ तकनीकी प्रधिकारी, श्री ए० रामनाथन ने दिनांक 31-7-79 असराह्म) को श्रमने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 32014/3/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन न श्रो केशानाथ, तकनीकी महायक, वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर को दिनांक 17-7-1979 (पूर्वाह्न) से महायक तकनीकी प्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/4/78-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक मंचार स्टेंगन, ग्वालियर के श्री एम० एल० चोपड़ा मंचार सहायक को 27-2-79 (ग्रपराह्न) से सहायक संचार ग्राधकारी के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैन।त किया है।

मं० ए० 32013/9/79-ईसी—-राष्ट्रपति ने श्री एन० एम० एम० मनी, महायक संचार ग्रिधकारी, बैमानिक संचार स्टेणन बम्बई को दिनांक 5-7-1979 (पूर्वाह्म) से छः माह के लिए श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उसी स्टेणन पर तैनात किया है।

दिनांक 22 ग्रगस्त 1979

सं० ए० 32013/10/79-ईसी—-राष्ट्र पति, ने महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में वरिष्ठ संचार श्रधिकारी श्री एन० के० पुरी को दिनांक 17-7-79 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 38012/1/79-ईसी---नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय के श्री ए० विश्वनाथन, सहायक संचार श्रीधकारी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्थरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30-6-79 (श्रपराह्न) में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मं० ए० 39012/3/79-ईसी---राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण श्रीर विमास युनिट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री नरसिम्हा राव, तकनीकी श्रिधकारी का त्याग पत्र दिनांक 20-6-79 श्रयराह्म सेस्वीकार कर लिया है।

> गिरधर गोपाल सहायक निदेणक प्रणासन

सीमा णुल्क/स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 10 श्रगस्त 1979

सं० 2/79--श्री ए० के० रगुनादन को संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार 27-6-1979 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक, श्रम्थाई रूप से सीमाणुल्क घर में सीधी भर्नी अप्रैसर (गैर-विशेषक्र) नियुक्त किया जाता है। वे दो माल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 20 भ्रगस्त 1979

सं० 3/79—-श्री बी० सी० महे को संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार 8-8-79 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेण तक, श्रस्थाई रूप से सीमा शुल्क घर में सीधी भर्ती श्रप्रैसर (चमड़ा-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वेदो माल तक परखाधीन काल में रहेगे।

> ए० सी० सलदाना सीमा शुल्क ममाहर्ता

समाहतिलय केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, मध्य प्रदेश इन्दौर, दिनांक 27 ग्रगस्त, 1979

सं ० 10/1979—-श्री व्ही ० एस ० भटनागर, निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुरुक (प्रवर श्रेणी) ने उनकी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुलक श्रेणी (ख) के पद पर पदोन्नित होने पर विनांक 21-7-79 के पूर्वाह्न में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुलक रेंजेस भोपाल का कार्यभार संपाल लिया।

शिवन किशिन धर, समाहर्ता

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 22 ध्रगस्त, 1979

°क सं		जिस तारीख से नियुक्त किये गये
1.	सर्व श्री : बी० बी० माथुर, जिला श्रफीम श्रधिकारी, कोटा-1	23-7-1979
2.	जी० थ्रार० मालव, जिला श्रफीम श्रधिकारी, प्रतापगढ़ ।	7-7-1979
3.	एम० एच० खान, विक्रय प्रबन्धक, सरकारी भ्रफीम एवं एल्कालायड कारखाना, गाजीपुर ।	14-6-1979
4.	जी० यू० भाटिया, जिला प्रफीम प्रधिकारी, नीमच-1	6-7-1979

मनमोहन वधावन नारकोटिक्स प्रायुक्त

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक श्रगस्त, 1979

सं० ए०-19012/681/77-प्रशा०-पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री पी० कुन्हाहैभद, महायक इंजीनियर, केन्द्रीय जल श्रायोग द्वारा मरकारी सेवा से दिया गया त्याग-पत्न एतद्-द्वारा 9 मार्च, 1979 की श्रपराह्म से स्वीकृत करते हैं।

> जे० के० साहा श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

विधि, न्याय, और कम्पनी कार्य मन्त्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि सोर्ड

> कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय बंगलौर, दिनांक 19 ज्लाई, 1979

तं० 2127/560/79—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि सरण कृष्ण एग्री मत्त्वर एन्ड डेयरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काद दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

पी० टी० गजवानी कम्यनियों का रजिस्ट्रार कम्पनी स्रश्चिनियम 1956 स्त्रीर डेकनोचेम सर्विमेस प्राइवेट लिमिटेड के त्रिपय में

बंगलौर, दिनांक 22 ग्रगस्त, 1979

सं० 2440/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन भामके अवमान पर डेकनोचेम सर्विसेम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष्ण कारण दिणात न किया गया नो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कमानी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्मतियों का रजिस्ट्रार प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, बंबई बंबई, दिनांक 30 जुन 1979

निर्देश सं० ए० आर०-I/407.14/76/दिस०78--यतः मुझे व्ही० एस० ग्रेपाद्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से भिधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास जरने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रिक्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 336 श्रीर 506 है तथा जो दादर बडाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उबत अन्तरण निश्चित में वास्तिक कप मे कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई निसी पाय की बाबन, उक्त पश्चितियम के भ्रधीत कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या जसने बचने में सुविधा के निए; भीर/ या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या प्रस्य प्राक्षितों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

अतः अन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुबरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- कस्तुरचंद नेमचुंद (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिनेशचन्द्र विजयकुमार (ग्रन्तरिती)
- 3. 1. द रंपीड सायकल एंड मेटर कं शां ० लिं० 2. कान्ती-लाल केणवलाल मोदी 3. वसुमितबेन बाबलचंद मोदि 4. सुप्रिम इंडस्ट्रीज लिं० 5. तिलाकचंद मा तीचंद, 6. मेटकेक प्रा० लिं० 5. दुर्गादास ग्यानचंद (8) इमॅंक ऑइल मिल 9. ग्रारविद ग्रंड के० 10. द नेशनल ग्रामफोन रेकार्ड मं० कं० लिं०

11. कान्तीलाल छोटालाल 12. जयहिन्द रबर प्राइक्स प्रा ०लि० 13. नेशनल पेंटस श्रंड व्हरनिण, 14. ज्योनी टेक्सटाइल इनग्रेव्हर्रस 15. अंबिके टेक्सटाइल, 15. एको इलेक्ट्रीक कं० 17. नागभूणन टेक्सटाइल 18. बटबार टेक्सटाइल्स, 19. मेहता टेक्सटाइल्स 20. फिलको ग्रेजन्सीज (इडिया) 21. ऋष्णा सिल्क मिल्स 22. स्वमतिक इंजिनियरींग कं० 23. लाडये टेक्सटाइल्स 24. शंकर टेक्सटाइल्स, 25. एम० एल० खन्ना, के०/ऑ० इंडियन टेक्सटाइल्स 26. होम इंडस्ट्रीज कारपोरेशन 27. बेक्स इंडस्ट्रीज 28. डिजाइन इंजिनियरीग कं० 29. हरी ईलेक्ट्रीक प्राडक्टम 30. नेग्रो इंजिनिग्ररीग धर्क्स, 31. जगनाटा टेक्सटाइल्स, 32. शलीग्राम टेक्सटाइल्स 33. बेनेय टेक्सटाइल्स, 34. बिनोद टेक्सटाइल्स 35. लाल इंडस्ट्रीज 36. किरन टेक्सटाइल्स 37 विक्रम टेक्सटाइल 38 इंडियन टेक्सटाइल्स, 39 गनेण टेक्सटाइल्स, 40 रेकुल टेक्सटाइल्स, 41 रंजु टेक्सटाइल्स, 42 दत्तावया इंडस्ट्रीज 43. राज टेक्सटाइल्स, 44 गोपाल टेक्सटाइल्स, 45. श्री साईनाथ सिल्क (वह ध्यक्ति जिसके श्रधिभोग में

सम्पत्ति हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए एतदारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उस्त संरक्ति के सर्वेत के संबंध में कोई भी आक्षेत :---

- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त क्यांकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षि-नियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्व होगा जो उस शब्दाय में दिया गा है।

ग्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा की 3854/72 बम्बई उपरित्रस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनाक 1-12-78 को रजिस्टर किया गया है।

> व्ही० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, बस्झई

तारीख: 30-6-79

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंबई

> > बम्बई, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० म्रार०/ए० पी०/302/79-80--- म्रतः मुझे, व्ही० एस० शेषाद्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मूरुय 25,000/- रुपए से ग्रंधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 41 सी० टी० एस० 157,158 है तथा जो चकला गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधि-कारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-12-1978 विलेख सं एस 1828 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के -प्रमुद्ध प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्रायकी बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्राधीन कर देते के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रन, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उनत प्रशिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---2-236GI/79

- 1. दत्तात्रय के० काले, श्रीमती उपा डी० काले (ग्रन्तरक)
- ग्रीन शैंडो को० हाउसिंग सोमायटी लि० (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्नेगे।

स्पब्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त मब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1828/78 बंधई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 4-2-78 के रजिस्ट्रार किया गया है।

> व्ही० एस० शेषात्री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 30-6-79

प्ररूप भाई० टी • एन • एस •----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, बम्बई

बंबई, दिनांक 29 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० प्र० ई० 2/2752.5/फरवरी 79—-प्रतः मझे, पी० एल० रूंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 451 सी० एस० नं० 973 है तथा जो पाखाडी विखरोप मालाड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 7-2-79

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 7-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं वृश्यमान प्रतिफल का
पम्झह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों)
भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त ग्रिवित्यम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने वें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी सम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अर्थ, उक्त मिनियम की घारा 269-म के समुसरक में, मैं तक्त मिनियम की धारा 269-घ की चपधारा (1) के सजीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री दामोदर माणीक केणी

(भ्रन्तरक)

 श्री एजूकेशनल एंड सायन्टीफिक इनिवमेंट्स प्रा० लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से
 45 दिल की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताकारी के पास निकात में किए जा सकेंगे!

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं दोगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

अनुसूचो

अनुसूची जैसा कि विलेख एस० 2446/74 उपरजिस्ट्रार म्रिधिकारी द्वारा दिनांक 7-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 29 प्रगस्त 1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस•----

प्रत्यकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बम्बई बंबई, दिनांक 29 भ्रगस्त 1979

वबइ, दिनाक 29 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० श्रार०/ए० पी० 304/79-80—-ग्रत: मुझे, पी० एल० रूंगटा,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-हपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० विलेख नं० 533/78 प्लाट नं० 27 सर्थे नं० 409 श्रंड 410 है तथा जो चेंबुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 7-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से प्राप्तक है और मन्तरक (धन्तरकों) मौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण बिखत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किनी आय गा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

थतः अस, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रीव्रितियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविश्वित व्यक्तियों, अर्थापः--

- 1. श्री गणेश वैद्य लींगम (अन्तरक)
- 2. मीरा सैन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उबत श्रिधिनयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस श्रध्याय में दिय गया हैं।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख 533/78/वंबई उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 7-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 29-8-79

मोहर 🏰

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

मायसर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I दिल्ली-1 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 श्चगस्त 1979

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी० एक्यु० एम० ग्रार०-III (12-1978/857—- ग्रत: मुझे कु० ग्रन्जनी ग्रोजा,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनियम मिनियम की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर नम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पए से स्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० 8 कैलाश कलोनी है तथा जो कैलाण कालोनी नई दिल्ली में है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 19-12-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूबयमान प्रतिफन के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूब्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निधित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माम की वाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ला) एसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्हें प्रधिनियम की धारा 269-म के अमुसरण में में, उन्हें अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री श्रोमसिंह पुत्र श्री नन्दलाल निवास स्थान एफ॰-8 कैलाश कालीनी नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. 1 श्री विषानसिंह भोगल पुत्र स्वर्गीय फमणसिंह भोगल (2) श्री एच० एस० भोगल पुत्र श्री विशानसिंह भोगल
- (3) श्री जसपाल सिंह भोगल पुन्न श्री बी० एस० भोगल निवासी कोटर टिंड वेस्ट इन्डीज (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्वों भीर पवों का, जो उक्त भिवियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 बलाक नं० एफ० कुल 552.90 वर्ग गज कैलाश कालौनी नई दिल्ली में साथ में बना हुआ मकान में बिजली, पंखें, तीन पीने के कुलर गीजर श्रौर लौन के बीच निम्न प्रकार से हैं:—

ईस्ट :--सविस लैन वैस्ट :--रोड नोर्थ :--रोड साऊष :--एफ०-7 ए

> कु० भ्रन्जनी म्रोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण भ्रर्जन रेंज-I दिल्ली-1

तारीख: 27-8-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस●---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त 1979
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यु०/1/एस० ग्रार० IUI/
12-1978/909—ग्रतः मुझे, ग्रन्जनी ग्रोजा,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43))जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ
के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/६० से ग्रिधिक है

और जिसकी संख्या कास्ती जमीन तथा जो ग्राम सोरपुर कार्यालय में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिक्षकारो के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षितियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ग्रम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एयापूर्वोक्त ग्रम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरिक (प्रन्तर्कों) गौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की घारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269म की उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री नन्दलाल कनोडिया पुत्र श्री प्रलादराय कनोडिया निवास स्थान 5 रोनलस रोड्ड कलकता (ग्रन्तरक)
- श्रीमती श्रनन्तराज एजन्सी लक्ष्मीनारायण गली पहाड़ गंज नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

धनुसूची

काश्तकारी जमीन पैमेसी 44 विगा श्रौर 18 विस्वा वमे नलकूप श्रौर कची चार दिवारी स्थिति ग्राम सौरपुर नई दिल्ली।

> क्रु० ग्रन्जनी ग्रौजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^{र्र}, विरुली।

तारीख: 29-8-1979

मोहरः

प्ररूप भाई• टी० ल• एस•--

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रगस्त 1979

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ३० से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० II-एम० /14-बी है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनमूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 31-12-1978

(1908 की 16) के अक्षीन तीरीख 31-12-1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक एन से किखत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी पाय की बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर वेने के अस्तरक के दायिस्व में कभी करते या उसस यजने में सुविधा, के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुक्षिता के लिए;

अतः अतः, उत्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनु-सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृत्।—

- शीमती सनतोस कपूर पश्नी श्री किसन लाल, डा० रोसन लाल सुपुत्न श्री मानकचन्द, श्रीमती रसमी घोपरा पत्नी जसबीर चोपरा, कुमारी रित् कपूर, निवासी, ए० 452, डिफेन्स कोलोनी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. नरायरा सरूप, पत्नी, श्रो आर० एस० वर्मा, निवासी, II-M/14B, लाजपत नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में होते भी शक्षीप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तार्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण : ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उनन प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं मर्च होगा जो, उस मध्याय में दिया गया है।

प्रनुसृची

एक मंजील घर नं० II-एम०/14-बी इसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, लाजपत नगर नई दिल्ली।

कु० अन्जनी ओजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-8-1979

प्ररूप धाई• ी• एन• एस•----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, प्रहायक आतंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज दिल्ली-11

नई दिल्ली, दिनांक 24 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/एस० आर० III/12 1978/1978-79/905/2532—अतः मुझे अंजनी आोजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/— रु० से अविक है,

भीर जिसकी सं० डब्ल्यू०-101 है तथा जो ग्रेटर कैलास-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपापद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मूज यह विश्वास करने का कारण है कि यगापूर्वोक्त सम्पत्ति का जांचत वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियो) क बांच ऐसे थन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तिविक कप से किंवन नहीं किंवा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग का बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने क अन्तरक क दासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) वृक्षी किसी अध्य जा किसी धन या प्रत्य सास्तियों

 को जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्षिनियम, 1922

 1922 एक (1) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर

 विकास, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनायं

 काना महिए था, छिनाने में सुविधा के खिए;

प्रतः सब उन्त प्राक्षात्यन को धारा 269-म क भनुसरण में, मैं, उपत प्रोक्षित्यम को ः रा 269-म की उपधारा (1) के क्कष्रीन, निम्निचित व्यक्तियों, भवति :---

- 1. श्री बक्षी लाल पासी, मुपुत्र मेला राम पासी, निवासी ग्रार-17, इंन्दरा मार्कीट सब्जी मन्डी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. डा० कन्हीया लाल जैन, सुपुत्र रन्गी लाल जैन, निवासी बी०-4, ग्रेटर कैलाण नई दिल्ली। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्मति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त तम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारी कार 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी घविष्ठ बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रधिन म के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भवें होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फी होल्ड प्लोट क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज 1ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली।

उसर: प्लोट नं० डब्ल्यू०-99

दक्षिण : डब्ल्यू०-105 पूर्व : 40' चौड़ी सड़क पच्छिम : 15' चौड़ी सडक

> कु० श्रंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 24-8-1979

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०----

आयकर **धविनियम**, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-**ष** (1) **के घवी**न सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० ग्राई/एस० ग्रार०-III 12-1978/1978-79/ 8781—म्रत: मुझे कु० ग्रन्जनी श्रौजा,

भायकर भिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खं के भ्रश्नीन सद्धम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० काणती जमीन है तथा जो ग्राम नेवसराय में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-12-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्क है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरक लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (म) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, पा धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त ग्रिप्तिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त ग्रिप्तिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री मीर्रामह पुत्र श्री भगवानिमह निजासी ग्राम नेवसराय नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स एल० वी० दुगल इन्जीनिरिंग कम्पनी प्राइबेट लिमिटेड 192 गैलफ लिंग नई दिल्ली (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्टीकरण:—इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत ग्रीध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

कास्तकार भूमि 42 ब्रीगा श्रौर पौने 7 विसवा ग्राम नेवसराय नई दिल्ली।

> कु० श्रन्जनी श्रीजा सक्षम प्राधिकारी मह्यक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 29-8-1979

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/I एस० ग्रार० III-12-1979/899--- ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी श्रोजा, म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० II एम०/14-ए० है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार म्ह्यसे कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने म मुविधा के लिये, और/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या घन कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रव्धिनियम की भारा 269 ग के भनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपघारा, (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 3—236GI/79

- 1. श्रीमित सन्तोष कपूर धर्मपत्नी श्री कृष्णसाल कपर (2) डा० रोशन लाल कपूर पुत्न श्री नानक चन्द कपूर जरीए श्री चानन जाल मुख्यार, ए०/332, डिफैन्स कालोती नई देहली (श्रन्तरक)
- 3. कुँ० रीत् कपृर. (4) श्रीमती रशमी घोपड़ा, पत्नी डा॰ जसबीर चोपड़ा ए०/332, डिफैन्स कालोनी नई दिस्ली (5) डा॰ रिजन्द्र कौर पत्नी श्री मोहन सिंह II-एम॰ 14 ए॰ नाजपत नगर नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पति के व्यर्गन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रीहरूताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्प्यक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयंहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक संजला मकान नं० H-एम० /14 ए० पैमायश 263, वर्ग गज स्थित लाजपननगर नई दिस्ली ग्रीर स्थित निम्न प्रकार से हैं:—

पूर्व : सरविस लेन पश्चिम : रोड

उसर : II-एम/13

दक्षिण : II-एम०/14-ओ०

अंजनी ओजा, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-8-1979

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०-

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 भ्रगस्त 1979

निर्देश सं० श्राई०/एस० आर-III/2-19791978-79/ 1074--श्रतः सुक्षे कु० अजनी श्रोजा,

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- विश्विक है

श्रौर जिसकी संख्या 51 है तथा जो हनुमान रोड़, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के जिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से पुर्द किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घरण प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, द्विपाने में सुविद्या के लिए;

शतः भव, उक्त भिवित्यम की बारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रिवित्यम की धारा 269-भ की उपधारा(1) अधीन निकासिक व्यक्तियों अर्थात्:---

- सन्त सेव कौर, सरदार बहादुर, सं० उज्जल सिंह
 कर्जन रोड़ नई दिल्ली (ब्रन्तरक)
- 2. 1. मैंसर्स एच० एस० ईनवेस्टमैंट प्राइवेट लिमिटेड सी--150, डिफैन्स कालोनो नई दिल्ली ।
- 2. मैसर्स बाबा प्रापरटीज (प०) लिमिटेड सी-→ 150, डिफैन्स कालोनी नई दिल्ली ।
- 3. मैंसर्स साहनी इनवैस्टर्मैट (प॰) लिमिटेड सी--150, डिफैन्स कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के निए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पन्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रीक्षितियम, के ग्रीक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक बंगला नं० 51, हनुमान रोड नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 1258 वर्ग गज है।

> कु० ग्रंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज-, विल्ली-1

तारीखा 27-8-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायत्र आयकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 श्रगस्त 1979

निर्देश मं० श्राई० ए० सो० /एनपू०/II/दिसम्बर 78/
1435—श्रतः मुझे, श्री श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से श्रीक है

श्रीर जिसकी सं० 59 डी है तथा जो डोरीवालना देह्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (सन्तरकों) भीर सन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिये छय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में बाल्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राधिनियम के भ्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टित्यम, या भ्रत कर भिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब, उपत ग्रंधिनियम की घारा 269-ग के जनुसरण में, मैं उपत ग्रंबिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नसिखित स्पिनियों, ग्रंपीत् :---

- श्री फुष्णलाल नरूला सुयुत्र दीवान नारायण नरूला निवास स्थान 11098, डेरीवालान, महीदीपुरा देहली । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री शिवनारायण मित्तल सुपुत्न लेट गंगा प्रसाद (2) श्री विजय कुमार मित्तल सुपुत्न श्री शिव नारायण निवासी 5748 बस्ती हर फूल, सदर थाना रोड दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरकेपूर्वोक्तसम्मत्तिकेअर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से
 45 दिन की अन्निध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी
 धनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितव के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसम प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं बही भर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में बिया गया है।

अनुसूची

1/3 श्रनडां वाई डिंड शेयर जमीन जिका क्षेत्रफल 1867 वर्गगज प्लाट नं० 59 ब्लाक डी० खसरा नं० 321/72/31/1 जो कि सिंगल मंजिल पर बना हुआ है। थित डोरीवालान सिंवीपुरा वार्ड नं० 14, नई दिल्ली, जिसकी बाऊनडरी निम्न है।

ईस्ट---नन्द लाल का मकान वेस्ट---मकान नं० 11099 नोरथ---गलो साऊथ--सर्विस लेन

> ग्रार० बी० एत० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 24-8-1979 मोहर : प्रकप धाई • टी • एन • एस •--

आयकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरहार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-II, दिल्ली:-1 4/14क, आसफअली, मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 24 श्चगस्त 1979

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी० /एस्यू० /1436/78-79—2656/330—-प्रतः मुझे ग्रार० बी० एस० अग्रवास, प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ब्रीर जिसकी संख्या 7/78 है तथा जो रूप नगर दिल्ली में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है मौर मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से शक्तिक है भौर अन्तरक (घन्तरकों) भौर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त मन्तरण लिखित में बारत्विक छप से कच्चित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से दूर्व किसी प्राप्त की बाबत, उक्त खिबिनियम, के अधीन कर देन के भन्तरक के वायित्व में क्यी करने या उससे बचने में मुजिक्षा के जिए; घोर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर भ्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्राधिनियम, या भ्रन-कर भ्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तिश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निक्तिसिस व्यक्तियों, मणीत्:——

- 1. श्री सुभाष चन्द्र मेहता पुत्र स्वर्गीय श्री मोतीराम मेहता (2) णान्ति वेबी पत्नि श्री मोतीराम मेहता निवासी 40 ई कमलानगर दिल्ली (अस्वरक)
- 2. श्री राम अवतार गुप्ता पुत्र मूल चन्द (2) रमेश-चन्द्र गुप्ता पुत्र थाग्डीराम गुप्ता (3) पदम चन्द्र पुत्र मूलचन्द (4) ऊषा गुप्ता परिन आर० के० गुप्ता निवासी 4/40 रूप नगर दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त समाति के प्रर्थंत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी सबिध बाद यं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारी सा से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20क में परिशाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7/28 रूपनगर दिल्ली में है जो 651 वर्ग गजपर बना है निम्न प्रकार स्थित है:---

> म्रार० बी० एल० सम्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज दिल्लो नई दिल्ली

तारी**ख** 24-8-1979 मोहर: शास्य धाई• टी० एन• एस•----

अत्यकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की धारा 269व (1) कि साधीन সুचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/II/1434/78-79/—-अतः मुझे, आर० बा० एन० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), हो धारा 269-ख के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्यावर संगत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 7/27 है तथा जो कीर्ति नगर इन्डस्ट्रीयल एरिया नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1978 को

का 16) के अधान तिराख दिसम्बर 1978 का पूर्वित संपत्ति के उदित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वितत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रनारिती (अन्तरितमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण निस्तत में बाह रिक

- (क) सन्तरण न हुई कियो छात्र की बाजन, उक्त छछि-नियम, के सर्वीय कर केने के अन्तरक के शियक में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के निए; और/ज
- (ख) ऐसी किसी भाग या किनो धन या भन्य धारितशों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रव, उनत श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उनत श्रविनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखिल स्मन्तिमों, अर्थातु:— 1. श्री हरी जन्द बासी तथा प्रेम जन्द बासी सुपुत्र स्वर्गीय कांगा राम बासी, निवसी एफ-11 कमला नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली-7 इसके प्रधारनी श्री बृज लाल के द्वारा 8/8, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० गलोब इंजीनियरिंग कं० 3/22, इन्ड्स्ट्रीयल एरिया, कीप्ति नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिर्ना)

को यह भूतना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति है मर्जन के मध्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इप मूजरा के राजपत्र में प्रकागन की तारी ख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवीहस्ताक्षरी के पान जिल्लान में किये वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर धवों का, जो उक्त भिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रकाय में दिया क्या है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लाट जिसका ं० 7/27 है ग्रीर क्षेत्रफल 1867 वर्ग गज है, कीर्ति नगर इन्डस्ट्रीयल एरिया, नजकगढ़ रोड़, नई दिल्बी में निम्न प्रकार में स्थित है:---

पूर्व-विक्षण: प्लाट नं० 26 तथा फैक्टरी

पश्चिम उत्तर: रोड़

उत्तर-पूर्व: प्लाट नं० 16 तथा फैक्टरी

दक्षिण-उत्तर: रोड

श्रार० बो० एन० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्-^{II}, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24-8-1979

प्ररूप चाई• टी• एन• एस•-----

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, विनांक 29 भ्रगस्त, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/78-79/2657-**भ्र**तः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुज्से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैंड-1 है तथा जो माडल टाउन, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 13-12-1978 को पूर्वोनस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यभाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सभ्पत्ति का उपित बाखार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों)

(क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त सिंब-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के बायित्थ में कभी करने या उससे अवने में भुविज्ञा के लिए; और/या

के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मक्रिकित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निकिक्ष में वास्तविक स्पक्षे

क चित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिषित्यम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए:

ग्रतः वय उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, कक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्ः—-

- 1. श्री इन्दर सैन व श्रीमती बिभला देवी निवासी डी-2/11 माडल टाउन, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कुसुम कुमारी सभरवाल पत्नी श्री तिलक राज सभरवाल निवासी जैड-1, माइल टाऊन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सन्दल्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रस्य स्थक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उन्त प्रधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही प्रभं होगी। को उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो फीहोल्ड प्लाट नं० 1, ब्लाक जैंड क्षेत्रफल 251.1 वर्ग गज है रिहायशी कालोनी जो माडल टाऊन के नाम से जानी जाती है ग्रौर किंग्जवे कैंम्प के नजदीक है व पहले यह गांव मलकार छात्रनी के नाम से जाना जाता था, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रप्नवाल सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29-8-1979

प्रकर भाई। टी । एन । एस -

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269**-व** (1) के **मधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-II, डिल्ली-14/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रगस्त, 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/78-79/2657

मतः मुझे, म्रार० बी० एल० म्रग्नयाल भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-६० से घधिक है ग्रौर जिसकी सं० 24 है, तथा जो दक्षिणी पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की नई है सीर मुझे यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से ऐसे वृथ्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहेश्य से उन्त भन्तरण लिखित में

बास्तवित रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत सक्त अग्नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अभ्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाना भाष्टिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

श्रतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की क्षकारा (1) अधीन, विन्यनिधित व्यक्तियों, सर्वात्ः --- श्री गुलगनराय सचदेवा पुत्र श्री मंगलदास सचदेवा निवासी।
 24-दक्षिणी पटेल नगर, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

2. द्वारकादास खन्ना व नरेन्दर कुमार खन्ना पुत्रगण श्री एम० एम० खन्ना निवासी 37/11 पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्प्रति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त क्रम्यों भीर पदों का, जो उपत मधिनियम के भ्रष्टवाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

एक मकान नं० 24 जो 500 वर्ग गज के प्लाट पर बना है दक्षिणी पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 29-8-1979

मोहरः

प्रकृष धाई • टी • एन • एस • — — — माय कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज- , दिल्ली:1 4/14क, ग्रामफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त, 1979

ग्रौर जिसकी सं० ई-4/22-ए है तथा जो माडल टाउन एरिया गांव मिलकपुर छावनी दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 7-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ष्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण जिखित में वास्तवित रूप मे कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उनत भिधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत भिधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

- 1 श्री नरिन्दर नाथ श्रग्नवाल पुत्र बैजनाथ निवासी 9—डी, रेलवे बोर्ड फ्लैंट्स, सरोजनी नगर, नई दिल्ली ये करता एक हिन्दू परिवार के निवासी 53/82, डब्ल्यू०, ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नवीन कुमार चानना पुत्र नरिन्दर कुमार चानना व नरिन्दर कुमार पुत्र तुलसी दास निवासी ई-4/22, माल टाऊन, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के नम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमस्ची

एक फी होल्ड प्लाट जिसका नं० 22-ए ब्लाक $\xi-4$ ($\xi-4/22-$ ए) क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है गांव मिलकपुर छावनी की कालोनी जो माडल टाऊन के नाम से जानी जाती है, निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर—प्लाट नं॰ \$-4/23-मी दक्षिण—प्लाट नं॰ \$-3/22 पूर्व—सङ्क पश्चिम—प्लाट नं॰ \$-3/21 व 21-बी

भ्रार० वी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रिकारी पुसहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29-8-1979

प्ररूप आई।॰ टी॰ एन॰ एस०————— र प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की सारा

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रगस्त 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/78-79/2657-श्रतः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल भायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रुपए से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 एम० सी० डी० नं० 67/4 है तथा जो मद्राम हाऊस, दिरया गंज, दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भौर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत सक्त भिवित्यम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, भैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मासिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4-236GI/79

- श्रीमती महादेवी पत्नी रामेश्वर दयाल निवासी 7 वरियागंज, नई विल्ली अब 67/4, दरियागंज, नई दिल्ती (अन्तरक)
- 2. श्री भगवान दास टण्डन पुत्र लक्ष्मी चन्द टन्डन निवासी 18/273 करमपुरा मोनी नगर, नई दिल्लो। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के, पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभा^{नि}त हैं, वही शर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, मद्रास हाऊस, एम० सी० डी० नं० 67/4, दिरियागंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:-
उत्तर--फिलोरा होटल बिल्डिंग
दक्षिण--ग्राम सड़क
पूर्व--ग्राम सड़क
पश्चिम--फ्लैट नं 3 व 8

भ्रार० बी० एल० भ्रम्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 29-8-1979

त्रकप बाई• टी• एन• एस•~

आयक्षर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, अमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/79-80/104--यतः मुझे, एम० के० धर •

मायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के मधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- द॰ से मिन्न है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भ्मि 43 कनाल 4 मरले हैं तथा जो कि गांव निजामपुरा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबब धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, ग्रंजनाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के युश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (घन्तरकों) भीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरग के निये तय पाया गया प्रतिकल, मिम्नसिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण खिखित में बास्तिकल रूप से किंबन नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बागत जनत विध-नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; और/या
- (ख) ऐबी किसी आय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिषित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्रम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविद्या के बिखे;

भ्रतः धव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उनत भ्रधिनियम, की धारा 269-म की उपबारा (1) के भ्रधीन निम्नलिबित स्यक्तियों भ्रधीत्:---

- 1. श्री तारा सिंह पुत्र तेजा सिंह, गांव निजामपुर तहसील भजनाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र जीवन सिंह, गांव काला धनुपुर तहसील तरन तारन। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शासेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, तो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्ति ों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप मूबना के राजपब में काणन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्तस्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त भागी ग्रीर पदों की, जी उसस अधिनियम के मध्याय 20-क में परिमाणित है, वही. भगें होगा, जी उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 कनाल 4 मरले हैं जो कि गांव निजामपुर तहसील ग्रजनाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं॰ 3425 दिनांक 12-12-78 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी ग्रजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर् सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, श्रमुतसर

तारीख: 25-7-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस ०---

पायक ग्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के श्रमीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निदेश सं० ग्रजनाला/79-80/105---यतः, मुझे, एम० के० धर

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुप्ए से भिक्षक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है, तथा जो कि गांव निजामपुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख विसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से बधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के भीज ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाय की बावत, उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसा किसी प्राय या किसी घन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ चन्त्ररिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपन्नारा (1) के नधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री कुलवन्त सिंह पुत्र तेजा सिंह गांव निजामपुर तहसील ग्रजनाला। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र जीवन सिंह गांव काला धनु-पुर तहसील तरन तारन (श्रम्तसर)। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि ग्राँर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, ओ भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नर्केंगे।

स्पट्टी हरण: ---- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदी का, जा उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनु स्ची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है जो कि गांव निजामपुरा तहसील श्रजनाला में स्थित है जसा कि सेल डीड नं० 3427/12-12-78 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारिटी भजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख** : 25-7-79

मोहरः

प्ररूप आई• टी• एन• एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 25 जुलाई, 1979

निदेण सं० ए० एस० भार०/79-80/106--यत:, मुझे, एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परथात् 'उक्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- वपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० एक रिहायशी मकान है तथा जो कि हुसैन पुरा, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) पौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी प्रायकी बाबत उक्त प्रधिक्तियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के शिए:

भतः, प्रवः, उन्तः पिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उन्तः पिधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अजीम निम्मनिकित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— सर्वश्री गुरजीत सिंह द्वारा 56/सो/13 हुसैनपुर श्रीमती कौशल्या द्वारा 56/सी/13 हुसैनपुरा।

श्री तरलोक सिंह पुत्र सुरैन सिंह निवासी हुसैनपुरा श्रव 17/10 कैनेडी एवेन्यू, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)

- श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र उधम सिंह निवासी मटीग्रा तहसील ग्रजनाला जिला ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रौर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी ख से 45 विन की धनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी पनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त मधि-नियम के घड्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धड्याय में दिया गया है।

प्रनुपूषी

एक रिहायशी मकान नं॰ 56/सी/13 जी कि हुसैनपुरा है श्रमृतसर में स्थित है जो कि सेल डीड नं॰ 3428/1 दिनांक 16-12-78 स्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारिटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **र**ज, श्रमृतसर

तारीख : 25-7-79

प्रकृप जाई • टी • एम • एस • -----

भागकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा 289म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० टीटी / 79-80 / 107-यतः, मुझे, एम० के० धर

धायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व्यये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 12/262 है तथा जो कि तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाध्य श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृषयमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत धिक है घीर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरितों (धन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गर्या प्रतिफत निम्नलिखा उद्देश्य से उक्त धन्दरण लिखित में वास्तिक रूप ने किया नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या जिसी घन या अभ्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए या, जिपाने बेंस्थियां के सिए;

ग्रतः ग्रंब, उबत प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:——

- श्री गुरपाल सिंह दत्तक पुत्र मेजर हरिन्द्र सिंह निवासी राजा सांसी, जिला श्रम्तसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री सरवार हरजिन्द्र सिंह पुत्र सरवार मोहन सिंह तरन तारन, जिला श्रम्तरार। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग म संपत्ति है)
- यदि भ्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में कचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्ध स्थक्ति द्वारा, बंधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षाचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों घोर पदों का, जो उकत अधिनियम, के बह्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही धर्ष होना, जो उन धक्षाय में विया नया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 12/262 जो कि तरन तारन में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 6789/6-3-79 ध्राफ रजिस्ट्रींग भ्रथारिटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० **धर** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रज, श्रमृतसर ।

तारीख: 25-7-79

भोहर :

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज, अमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1979

भ्रमृतसर, ादनाक 27 जुलाइ 1979 निदेश सं० ए० एस० भार०/79-80/108--यत:, मुझे,

एम० एल० महाजन म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है रुपये से मधिक है 25,000/-मुल्य बाजार xौर जिसकी सं० 1/3 भाग रिहायशी मकान का है तथा जो कि हवेली जमादार ग्रमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्रवि-नियम, के ग्रवीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की शिपकारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्ः

- श्रीमती सुशीला खन्ना पत्नी श्री बृज मोहन निवासी हवेली जमादार, गली बुर्ज वाली श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरभजन लाल पुंत्र श्री मूल चन्द्र निवासी बाजार बती हटां, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रौर कोई किराएवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके भ्रिक्षिभोग में संपत्ति है)
- यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडतेश्वरण :---इपमें प्रयुक्त णक्दों स्रीर पदों का, जो उकत स्रीध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है ।

अनुपूची

1/3 भाग रिहायणी मकान का नं० 2929/10 जो कि हवेली जमादार, गली खुर्ज वाली पुरानी बनावट, श्रमृतसर म् स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3900/1 दिनांक 22-1-79 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारिटी श्रमृतसर णहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारी**ख**ः 27-7-79

प्रकप बाई • टी • एत • एस - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, अमृममर

भ्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/109--यतः, मुझे, एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- क्पवे से प्रधिक है और जिसकी सं० 1/3 भाग मकान का नं० 2929/10 है तथा जो कि हवेली जमादार ,प्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वश्यह प्रतिशत से अधिक हूं और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त बन्तरण लिखित में बास्तिक वप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई विती प्रार की जावत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में क्ष्मी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अत्र, उपत प्रधितियम की त्रारा 209-ग के प्रनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) से प्रचीत निम्निलिखित व्यक्तियों, त्रथांत्:---

- श्री श्रहण खन्ना पुत्न श्री बृज मोहन निवासी मकान नं० 2929/10, हवेली जमादार गली बुर्ज वाली, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रमेश रानी पत्नी श्री हरभजन लाल बाजार बत्ती हटां निकट जंगीमल, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति हो)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके रूवोंक्त सम्पत्ति के प्रवंत के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की धारी का से 45 दिन की घवधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों भौर पदों का, जो उक्त मिन्न-नियम के भश्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, बही सर्वे होगा जो उन भश्याय में विया नया है।

धनुस्यो

रिहायशी मकान नं०ज 2929/10 का 1/3 भाग ओ कि हवेली जमादार गली बुर्ज वाली (पुरानी बनावट) ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड नं० 3900/1 दिनांक 22-1-79 भ्राफ रिजस्ट्रींग भ्रथारिटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज हैं।

एम० एन० महाजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ज**: 27-7-79

प्ररूप धाई०टी०एन०एस०---

बायकर अधिकिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/110--यतः, मुझे, एम० एल० महाजन आय कर प्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रियाहशी मकान का 1/3 भाग है तथा जो कि हवेली जमादार ,ग्रमृतसर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रतिष्ठल के लिए प्रस्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृह्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृह्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिष्ठत प्रधिक है, भीर धन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निक्नतिविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बाह्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीमित्यम के ग्रीमीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लि (; ग्रीप)या
- (ख) ऐनी किनो आप या किसो धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, बा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

श्रतः श्रम, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के ननुतरण में, में, अन्त प्रधिनियम की धारा 269-ज की व्यवस्य (1) के अधीन नि∓न शिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

- 1. श्री सुनील खन्ना पुत्र श्री बृज मोहन हवेली जमादार गली बुजं वाली, ग्रम्तसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरभजन लाल पुत्र श्री मृल चन्द बाजार वत्ती हटां, ध्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रौर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपित्ति है)
- 4. यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जन्त सम्प्रति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूवना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ. को भी अविष्ठ बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर क्यक्तियों में में किसी क्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका 45 दिन के भीतर उक्त क्यांत्रर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जासकेंगे।

श्वक्कोकरण:--इसमें प्रयुक्त फक्कों भीर पर्वी का, जो उत्ता प्रक्षितियम, के प्रक्राय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रयं होगा, जो उस प्रक्र्याय में विवा गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 2929/10 का 1/3 भाग जो कि हवेली जमादार, गली बुर्ज वाली (पुरानी बनावट) श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3903/1 दिनांक 22-1-79 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी ग्रमतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ता**रीख**ं 22-7-79

मोहरः

प्रकप भाई० टी॰ एन० एस॰——— भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1979

निवेश सं० ए० एस० म्रार०/79-80/111 -यतः मुझे एम० एल० महाजन

भायकर भिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269—ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक रिहायशी मकान है तथा जो कि किला भंगीया, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी,,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से भिषक है और भन्तरक (भन्तरकों) भोर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विकास में शहरीक रूप से क्या भन्तरण

- (ह) प्रश्नरण से तुई किसी आप की बाबत उक्त प्रश्नियम के ध्रवीन कर देने के ध्रश्नरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के क्षिए; और/या
- (सा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्निजिय व्यक्तियों, प्रचीत्:——
5—236QI/79

- श्री त्रलोचन सिंह, हरभजन सिंह श्रौर जनतार सिंह पुतान सरदार हरनाम सिंह निवासी 141-42 ग्रीन एवन्यु, ग्रमतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्वर्णा रानी पत्नी श्री मनोहर लाल निवासी 1263/8 (पुरानी इमारत) निमक मण्डी, गली जरगरां, श्रम्तसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. यि भ्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 भवधि बाद में समाप्त हौती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

एक रिहायणी मकान नं० 2216/8 जो कि किला भगींया, गली खरासियां में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3948/1 दिनांक 24-1-79 श्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रमृतस्रर

तारीख: 27-7-79 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का बारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, अमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 28 जुलाई 1979

निदेश सं० पी० टी० के०/79-80/112—यतः, मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव ढबका तहसील पठानंकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरफ (अन्तरित में अधिक है और अन्तरफ (अन्तरित में प्राप्त प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरग से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन व प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) श्रधीन श्रथीह:--

- श्री श्रजीत सिंह, वजीर सिंह पुत्रान तेजा सिंह गांव बलमा तहसील पठानकोट। (श्रन्तरक)
- 2. श्री शिव सिंह, बलवंत सिंह पुत्रान जयवन्त सिंह गांव कटारी चल तहसील पठानकोट। (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 52 कनाल 4 मरला जो कि गांव ढबका तहसील पठानकोट में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड नं० 2020/8-12-78 श्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारिटी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 28-7-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 28 जुलाई 1979

निदेण सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/113--यतः, मुझे, एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एक मकान न० 167 है तथा जो कि मजीत नगर, म्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 की

पूर्वित्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है खोर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किंकत नहीं किया गया है:——

- (क) करारण से हुई किया आय का बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देन के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वयन में सुविधा के लिए। घोर/या
- (ख) ऐसो किसोय आयया किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधितियम, या अन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अकः धन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त धिंडिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के धर्धीन विम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी जगजीत सिंह, जगजीत सिंह पुत्र सेवा सिंह 167 श्रजीत नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सतिबन्द्र कौर पत्नी दिवन्द्र सिंह, दिवन्द्र सिंह पुत्र जगजीत सिंह 167 श्रजीत नगर, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो कारके पूर्वीका सम्पत्ति के भ्राजंस के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खें हैं 45 दिन की भविष्य या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, को भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भयं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 167 जो कि अजीत नगर श्रमृतसर (जिसका क्षेत्रफल 352 वर्ग गज) में स्थित जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 4343/1 दिनांक 26–2–79 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारिटी श्रमृतसर णहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्शसर

तारी**ख** : 28-7-1979

269 व (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

श्रम्तसर, विनांक 30 जुलाई, 1979

निदेश सं० अजनाला/79-80/114---यतः, मुझे, एम०एल० महाजन,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गमा है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र बाजार मूल्य 25,000/- काए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो कि दुधरई तहसील श्रजनाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन म वास्त्रिक अपने किया नहीं किया गया है :--

- (क) सक्तरण ये हुई कियो साथ की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिल्हें भारतीय आयंकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीष्ठितियम या धन-कर अिर्घात्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त प्रवितियम की घारा 269-म के धनुसरण में, में उक्त प्रवितियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:~~

- श्री ग्रवतार सिंह पुक्ष सुरैण सिंह, साधु सिंह, गुरमीत सिंह पुत्रान ग्रवतार सिंह निवासी राई गरकलां तहसील ग्रजनाला जिला ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)।
- 2. सर्वश्री जसवंत सिंह, बलबीर सिंह, बलविन्द्र सिंह, कश्मीर सिंह पुक्षान प्यारा सिंह निवासी दुधराई तहसील ग्रजनाला जिला ग्रमृतसर: (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)
- यदि भ्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में किच रखता हो।
 (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह प्चना बारो करके पूर्वीका मध्यति के प्रचेत के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उपन सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत: --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांक्त व्यक्तियां सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्धोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है बह्वी क्षर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 174 कनाल 17 मरला है जो कि गांव दुधराई तहसील श्रजनाला में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड न० 3319 दिनांक 5-12-78 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारिटी श्रजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 30-7-1979

प्रस्य आई० डी॰ एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निदेश सं० ग्रजनाला/79-89/115:---यतः मुझे, एम० एस० महाजन,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सक्ष्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव सैंदुपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का 15 प्रतिणत से प्रधिक है प्रीर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्नरण निश्चित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) प्रश्नरण में हुई किसो बाय की बाबत, उस्त अधितियम ॐ अधीत कर देने के अस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत प्रिक्षित्यम, या घन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विका जाता चाहिए था, फ़ियाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिन्नियम को धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री छिदा सिंह पुत्र प्रशोतम सिंह गांव सैदुपुरा तहसील, ग्रजनाला।

(ग्रन्सरक)

2. श्री ज्ञान सिंह, जरनैल सिंह, गरनेज सिंह, बलदेव सिंह, हरदेव सिंह, सुखदेव सिंह पुत्रान करतार सिंह गांव सैंदुपुरा तहसील श्रजनाला, जिला श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में झौर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिभिधोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में धिंच रखता हो। (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित्त में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की मविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अत्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाशिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वहीं भयं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 55 कनाल 1 मरला है जो कि गांव सैंदुपुरा तहसील श्रजनाला जिला श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3522 दिनांक 18-12-78 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथारिटी श्रजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 30-7-79

प्रकप शाई० ही० एन० एन०----

आयकरभिविषय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रतीत पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निदेश सं० अजनाला/79-80/116:--यतः मुझे, एम० एल० महाजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- द • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो कि गांव मंज तहसील श्रजनाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का परद्व प्रतिशत से मधिक है प्रीर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई कितो धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य द्यास्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर धिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिविनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तारेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

जतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री त्रलोक सिंह, अनोख सिंह, बन्ता सिंह, बलदेव सिंह पुत्रान प्यारी पत्नी जोगिन्द्र सिंह का पुत्र बन्ता सिंह गांव मज तहसील अजनाला जिला अमृतसर

(भ्रन्तरक)

 श्री सलविन्द्रा सिंह, गुरवीर सिंह पुतान प्यारा सिंह श्रादि गांव गंज तहसील श्रजनाला जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि अपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (बह व्यक्ति, जिसके श्रक्षियोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वाका सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मम्पनि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) ध्रस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीत्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो ना, जा जनस अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिशाणित है, बही धर्म होना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 59 कनाल 1 मरला है जो कि गांव मंज तहसील ग्रजनाला जिला ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकृत छीड नं० 3649 दिनांक 25-12-78 श्राफ रिजस्ट्रींग ग्रथारटी ग्रजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30-7-79।

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

म्रर्जन रंज, म्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 श्रगस्त, 1979

निवेण सं० म्रमृतसर/79-80/117:—यतः मुझे, एम० एस० महाजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं01/2 भाग दुकान का है तथा जो कि प्रताप बाजार, श्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर गहर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

प्रॉक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घछिक है और सन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्बर्ग लिखित में बास्तयिक कप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) प्राप्तरण से हुई किसी भीय की बायत, उस्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में क्यी फरने या उसमे बचने में सुविधा के किए; सीर/बा
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या पत्य भास्तियों को; जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर भिक्षि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था मा किया जाता चाहिए था, दियाने में दुविधा के लिए

अतः सब, उन्त मिश्रनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उन्त भविनयम की धारा 269व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :--- श्री राम लाल पुत्र श्री दया णकर रणजीत गली, पहाइ गंज, दिल्ली मकान नं ० 1499 ग्रब ग्रमुतसर।

(श्रन्तरक)

 श्री मनोहर लाल श्रौर रमेण कुमार पुत्रान श्री तिलक राज प्रताप बाजार, गली नकाण, ध्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में,
 सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में भची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिंतबद्ध है)।

को यह सूचना बारी सरके पूर्वोच्च सम्यत्ति के प्रश्नेत के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :→

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताझरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

हरव्यीकरणः च-इसमें प्रमुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उकत अधि-नियम के घड्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होता, जो जस घड्याय में दिया गया है।

अमुसुची

1/2 भाग दुकान में नं० 238/2-4 श्रौर 371/2-8 श्रौर नं० 615/2 खाना सुमारी गली जो कि प्रताप बाजार, बरून गली नकाणा, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल श्रीड नं० 4522/1 दिनांक 15-3-79 श्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एन० महाजन, सक्षम आधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 2-8-1979 ।

भोहर:

प्रकृप प्रार्धक टीक एतक एस०----

आमकर प्रधितियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-ध(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर मायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 2 भ्रगस्त, 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-80/118---पतः मुझे, एम० एल०

क्षायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान में है तथा जो कि प्रतप बाजार, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विश्वत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रत्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है भीर धन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया रितिकत निम्निजिबित उद्देश्य से उनत धन्तरण किसिबत में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई कि ती बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्ब धास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: प्रव, उस्त प्रधितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उस्त प्रधितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, प्रचित्:—

- श्री श्रार० पी० कुमारियां पुल श्री दया एंकर 235 ए० सुभाष नगर मौगा तहसील मोगा जिला फरीदकोट । (श्रन्तरक)
- श्री मनोहर लाल रमेश कुमार पुतान तिलक राज श्रमृतसर प्रताप बाजार, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि उपर सं० 2 में श्रौर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में ठिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त तम्मित के मर्जन के निष् कार्यवाह्यिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बग्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीबा से
 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस भूषता के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में द्वितवस किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, स्धोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, को उक्त घिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं ग्रंथें होगा जो उस घड्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

दुकान का 1/2 भाग नं० 238/2-4, 371/2-8, 615/2 जो कि प्रताप बाजार (पुरानी बनावट) ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल श्रीड नं० 3395/1 दिनकां 14-12-78 श्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारटी ग्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रमुतसर रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख** : 2-8-79।

मोहरः

भाई॰ टी॰ एन॰ एस**॰**——

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 भ्रगस्त, 1979

निदेश सं० श्रमृतसर/79-80/119:—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं०एक रिहायणी मकान है तथा जो कि चौक पासीयां, अमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं, अमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहम से कम के बूध्यमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहम, उसके बूध्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, सिखित में बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिक्ष-नियम के भ्रम्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रत्य भास्तिओं को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त भिष्ठित्यम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निसिखित न्यक्तियों, भ्रयति :——
6--236GI/79

श्री ग्रणवनी कुमार खोसला ग्रौर कर्मजीत खोसला पुत्रान श्री सत पाल ग्रौर श्रीमती शशी बाला, चंचल रानी ग्रौर संजोग रानी पुत्रीयां श्री सत पाल।

(म्रन्तरक)

- श्री चौक पासीयां, गली रखाबी, श्रमृतसर संत बाबा सेवा सिंह जी पुल्ल गुरु गोबिन्द सिंह जी गरु का महल, श्रमृतसर।
 (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी श्रश्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडबीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत घछि-नियम, के ग्राड्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी मकान नं० 1035/11 (जिसका क्षेत्रफल 109वर्ग मीटर) जो कि चौंक पासीयां, ग्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रेड डीड नं० 3918/1 विनांक 23-1-79 श्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में वर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 6-8-79।

प्रकप ग्राई०टी०एन०एस०-------

धायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269थ (1) के ग्रधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-80/120:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अशीत सक्षम प्रधिकारों का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर भम्मति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट जो कि राधा स्वामी रोड पर स्थित है तथा जो कि राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर णहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजाय अस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बोब ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी घाय की बावत, उक्त धिक नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिश्चिमम, या धन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के किए;

भतः ग्रव, उनत भिविनियम की घारा 269-म के धनुसरक में, में, उकत अधिनियम की घारा 269-व की वपकारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री मुरली धर पुत्र श्री पहारु मल वासी माल रोड़, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुभाष मर्वाहा पुत्र माली राम मर्वाहा वासी 12 ए जोशी कालोनी, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रौर कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में किच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत मन्यस्ति के थर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 क्यित्तियों में ने किसी क्यकित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्विवद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा भवोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उनत माघ-नियम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म हाना जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3276/I दिनांक 6-12-78 श्राफ रजिस्ट्रीग श्रथारटी श्रमृतसर में दर्ज है ।

ए म० एल० महाजन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीखाः 7-8ब79।

मोहर 🕽

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० ⊷

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं अमृतसर-79-80/121:--यतः मुझे, एम० एल०

महाजन,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम) कहा गया है, की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट जो कि राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 78 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राथ या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियमं की धारा 209-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:--

1. श्री चन्द्र किशोर पुत्र मुरली धर वासी माल रोड़, ग्रम्त-

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ सुभाग मरवाहा पुत्र साली राम वासी 123 जोशी, कालोनी, भ्रम्तसर ।

(श्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार हो तो। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रजो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यर्कितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस भूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उवत भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है जो राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3331/1 दिनांक 12-12-78 म्राफ रजिस्ट्रींग म्रयारटी म्रमृतसर सिटी में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख: 7-8-1979 मोहर:

बायशर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, स**हाय**क श्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 धगस्त, 1979

निदेश सं० अमृतसर/79-80/122:——यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिने मुझम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-व॰ से मिनिक है

भीर जिसकी सं० एक भूमि का टूकड़ा जो राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर म रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमालिखात उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी वन या भ्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, शिपाने में सुविद्या के लिए;

बतः प्रव, उक्त अधितयम की बारा 269-ग के प्रमुक्तरण में, उक्त प्रिवित्यम की धारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:— श्री जुगल किशोर पुत्र मुरली धर वासी, माल रोड़, ग्रम्तसर।

(मन्तरक)

 डा० सुभाष मरवाहा पुत्र मुरली राम मरवाहा वासी 123 जोगी कालोनी, अमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 ध्रौर कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके घ्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदार में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत मंतित के अर्जन के संबंध में ःकोई भी आक्रीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्टें होगा जो उस संस्थाय में विया गया है।

यनुसूची

एक प्लाट क्षेत्रफल 200 वर्ग मीटर है जो कि राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3275/I दिनांक 6/5/78 भ्राफ रजिस्ट्रींग भ्रथारटी श्रमृतसर सिटी में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भ्रमृतसर

तारी**ख: 7-8-19**79

प्रकप माई॰ टी॰ एत॰ एत॰-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धासकर धायुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 श्रगस्त 1979

निदेण सं० भ्रमृतसर/79-80/123:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट हैं जो राधा स्वामी रोड़ पर स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वीवत संपत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वाप्य्वीक संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यभान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से प्रशिक है और अन्तरक (शन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित जहेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बाहतिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्सर्थ स हुई किसी साय को बाबत उका प्रक्रि-नियम के प्रधीम कर देने के मन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उत्तर बचने में सुविद्या के लिए। घोर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम; 1922 ﴿1922 च 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-ं श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिजनार्थ शन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के निए;

श्रतः लंब, जेक्त श्रांश्वनियम की धारा 289 व के श्रतु-सरण में, में, नक्त प्रविनियम की धारा 269 व की व्यक्तारा (1) के क्षश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवांश्व:-- श्री नवल किशोर पुत्र मुरली घर वासी माल रोड़, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ सुभाष मर्वाहा पुत्र माली राम बन्सी 123 जोशी फलोनी, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० नं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह भूवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में श्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घंधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंने।

स्वध्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो जकत ग्राचित्रियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही गर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है राधा स्वामी रोड़ पर है जैसा कि सेल डीड सं० 3284/1 दिनांक 6-12-78 माफ रजिस्ट्रींग म्रथारिटी ममुससर सिटी में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन र्रेज, श्रमृतस्र र

विनांक: 7 ग्रगस्त 1979

प्रकप बाई• टी• एन॰ एस•--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 श्रगस्त 1979

निदेश सं श्रमृतसर / 79-80 / 124:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इपए से धिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट जो कि राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर सिटी में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निधित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त शिविनयम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भीर/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों.
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

धत: धव, उक्त अधिनियम की घारा 269ना के अनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के बागीन निस्तरिकत व्यक्तियों, प्रयोत्:--

- 1. श्री क्रिज किशोर पुत्र मुरली धर वासी, माल रोड़, भ्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- डा० सुभाष मर्वाहा पुत्र माली राम मर्वाहा 123,
 जोशी कालोनी, श्रमृतसर ।
 (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किरायेदार हो तो।
 (बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।
 - 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति एक जयदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यत् सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्यस्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहरताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्नब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों घौर पर्दो का, जो उक्त ध्रिधिनियम के धच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्च होगा जो उस धच्याय में दिया गया है।

बनुसूषी

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है जो कि राधा स्वामी रोड़ पर स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3339/- दिनांक, 12-12-78 स्नाफ रजिस्ट्रींग स्रथारटी स्रमृतसर सिटी में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 7-8-1979।

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-80/125:——यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), को प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-क्ष्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कि कोट राम सरन दास श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मृश्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाणा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सना अन्तरण लिखिन में वास्तविन हम ने किया नहीं किया गया है:---

- (ह) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिस्य में जभी हरने था उपने बचने में बुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी घन या प्रत्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के निए;

श्रवः एवः, तवत **शविनियम की बारा 269-म के सन्**मरण में, पें, उकत स्विनियम की **बारा 269-म की** उपधारा (1) के अधीन निम्नविकत **व्यक्तियों, प्रयोग:**— श्री कृष्ण गोपाल, राकेश कुमार, भोला नाथ पुत्रात श्री पन्ना लाल पारसर मैसरश पन्ना लाल कृष्ण गोपाल बाजार काठीयां, श्रमृतसर।

(श्रन्तरक)

 श्री नरिन्द्र नाथ कोछर पुत्र श्री हरकृष्ण कोछर 7-णहीद नगर, राम तीर्थ रोड श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि अपर सं० 2 में ब्रौर कोई किरायेदार हो तो। (बह व्यक्ति, जिसके ब्रिभियोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायवाद में छिंच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समानि ह प्रजीत है सम्बन्ध में कोई भी भाषीप---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की घवित, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पान
 लिखित में किए जा सकेंगे।

राब्दोक्षरग:→-इनमें प्रमुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस ग्रव्याय में विवा गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है जो कि प्राबादी कोट राम सरन दास राम तीर्थ रोड़, शमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3471/1 दिनांक 20-12-78 प्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी ग्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 8-8-1979।

भोहर :

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 9 ग्रगस्त 1979

निवेश सं० श्रमतसर/79-80/126:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास शरने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/ ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कि गोपाल नगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भौर अस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में बाह्यों है कर न कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण न हुई किसो प्राय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टांन कर देने के प्रायासक के दायिस्थ में कमी करन जा उससे वचने में पुविका के निए; भौर/पा
- (ख) ऐसी किमो धाय या किसी धन वा प्रम्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरंती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः धन, उपत मर्धिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मर्धिनियम की बारा 269-व की स्पदारः (1) अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थातः— श्रीमती हरभजन कौर पत्नी नरिन्द्र सिंह 3324 सिंगलेटरी लेन लेटो टैक्सस 75023 यू० एम० श्रो०, न्यु दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी गुरचरन सिंह, वकील 11-गोपाल नगर, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में झौर कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में शिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुवना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के मन्त्रस्य में कोई मी पाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राज्य-त में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की मन्नि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १२ सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उहा अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही धर्म होगा जो उस अध्याय में निया गया है।

प्रनुसूची

एक मकान नं० 11 जो कि गोपाल नगर भ्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल बेड नं० 32461/1 दिनांक 5-12-78 भ्राफ रजिस्ट्रींग भ्रथारती श्रमृतसर णहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

दिनांक : 9-8-79

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰—— आयक्र ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रगस्त 1979

निदेश सं ० ग्रमृतसर/79-80/127:—-यतः मुझे, ए.म० एल० महाजन,

अत्यक्तर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक कोठी नं० 117 जो माल रोड़, श्रमृतसर पर स्थित है तथा (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त श्रधिनियम को धारा 269-ग के श्रनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--7-236GI/79

 श्री राम नरैन खुराना पुत्र बाल मुकन्द बासी 117, माल रोड़, श्रमृतसर ।

(श्रन्तरक)

- 2. श्री केदार नाथ पुत्र हरी राम ग्ररोरा, वासी निमक मन्डी गली कन्धारीश्रां श्रीर 117, माल रोड़, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जो कि ऊपर सं० 2 में और कोई रिश्तेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि भौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **भाषोप:-**--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्षरण:—-इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 117 जो कि माल रोड़ पर स्थित है जैसा कि सेज डीड नं० 3462/I दिनांक 19-12-78 श्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारटी श्रमृतसर सिटी में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 10-8-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 धगस्त 1979

निदेश सं० ध्रमृतसर/79-80/128:—यतः मुझे, एम० एल०

महाजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- चपये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० एक प्लाट, माल रोड़, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर, में राजस्ट्रीकरण, प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त, घ्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भ्रष्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, घव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:—— श्री कमला वती विधवा राए साहिब विशन दास माल रोड़, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री महेश चन्द पुत्र मूनी लाल, कटरा खजाना, ग्रमत-सर।

(ब्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाव में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जी अकत ग्रीविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट साथ एक मंजिल इसारत (370 वर्ग मीटर) जो माल रोड़ पर है जैसा कि सेल डीड नं० 3376/I दिनांक 13-12-1978 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथार्टी श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर ।

तारी**य** : 10-8-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर् ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ग्रवीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 10 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-79/129:--यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से म्रधिक है।

श्रीर जिसकी सं ० एक प्लाट जो माल रोड़ पर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखं विसम्बर, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उम्सा श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:--- श्रीमती कमला वती पत्नी राए साहिब बिशन दास माल रोड़, श्रमृतसर।

(भन्तरक)

 श्री श्राणवनी कुमार संपुत्र मूनी लाल, कटरा खजाना, श्रमृतसर।

(भन्तरिती)

- 3. जो िक ऊपर सं० नं० 2 पर और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके प्राधिमोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि भीर कोई व्यक्ति इस जायदार से रचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां मूरूक रता हूं।

उक्त सम्मत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूत्रा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो जक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथीं होगा जो जस ग्रध्याय में वियागया है।

अमुसूची

एक प्लाट एक मंजल इमारत (3010 वर्ग मीटर) जो माल रोड़ पर है जैसा कि सेल डीड नं० 3373/I दिनांक 13-12-78 आफ रजिस्ट्रींग ग्रथार्टी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन; सक्षम श्रधिकारी; (सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ग्रमतसर ।

तारीख: 10 अगस्त 1979

मोहर 👍

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

माबकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज, भ्रामृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-80/130:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्थय ने प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कि माल रोड़ पर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह श्रतिशत श्रीक्षक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिक्ति में वास्तिशक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्तियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने श्रें सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— श्रीमती कमला वती विश्ववा राए साहिब बिशन दास निवा सीमाल रोइ, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री बनवारी लाल पुत्र मनी लाल, 30 शकतरी मार्कट, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रौर कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जक्त समाधि के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इत सूचना ह राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ध्रष्टयाय 20—क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया हैं '

अनुसूची

एक प्लाट साथ एक मंजल इमारत माल रोड़ पर जैसा कि सेल डीड नं० 3378/I दिनांक 13-12-78 रजिस्ट्रींग श्रथाटीं श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 10-8-79

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के स्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, ग्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 10 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० भ्रमृतसर/79-80/131:——यतः मझे, एम० एन० महाजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 239-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट हे तथा जो कि माल रोड़ पर हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भीर पूर्ण रूप में गींगत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीत, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उतके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रिधक है और ग्रन्तरिक (ग्रन्तरिकों) और ग्रन्तरितों (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया मितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्स भ्रिष्टिनयम के भ्रिष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

भतः, भव, उम्त प्रवितियम की वारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रवितियम की वारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्तलिखित व्यक्तिमों, प्रवितः—

 श्रीमती कमला बती विधवा राए साहिब बिशन दास, माल रीष्ट्र, श्रमुतसर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मीना कुमारी पितन मकेश चन्द, कटरा खजाना, भ्रमतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किराएबार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. यदि कोई श्रौर व्यक्ति इस में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह भूचना **जारी करके पूर्वीक्**त सम्पक्ति के धर्जन के निर्देश प्रत्युद्धारा अर्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस तूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त ग्रिवितयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाव्युसाथ एक मंजल इमारत माल रोड़ पर जो कि सेल डीड नं॰ $3397^{[I]}$ दिनांक 14-12-78 स्नाफ रजिस्ट्रींग स्रथार्टी स्नमतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख : 10-8-79

ब्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 10 ध्रगस्त 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-80/132--यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट जो कि माल रोड पर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनस्थी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देव के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनर्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मंतः प्रव उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीत:— श्रीमती कमला वती विधवा राए साहिब विशन दास, माल रोड, ग्रमृतसर।

(भन्तरक)

 श्री महेश चन्द पुत्र मूनी लाल, कटरा खजाना, प्रेम गली, ग्रमतसर।

(भन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में भौर कोई किराएवार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- 4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें किंच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त स पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचता के राजपत्त में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट साथ एक मंजल इमारत माल रोड पर जो कि सेल डीड नं० 3407/I दिनांक 15-12-78 प्राफ रजिस्ट्रींग प्रथार्टी प्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, अमृतसर

तारीख: 10-8-79

प्रकम भाई। टी। एन। एस।----

भायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269व (1) के श्रीव सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, विनांक 10 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० ध्रमृतसर/79-80/133---यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 289-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका खित्तर बाजार मूल्य 25,000/- स॰ वे प्रधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट माल रोड पर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-क्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पल्लाइ प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और, अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया नमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरच से हुई किसी पाय की बावत, उनर्प प्रशितियम, के प्रश्रीत कर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उन्नसे बचने में बुविशा के निए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायनर धिविनयम, 1922 (1922 का 11) या छन्त धिविनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

बता सब, उन्त सविनियन की बाध 269न के बनुवरण में, में, उन्न विनियन, की बाध 269न्य की उपवास (1) के बन्नीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् !-- श्रीमती कमला वती पत्नि राए साहिब विशन दास, माल रोड, अमृतसर।

(भन्तरक)

 श्रीमती मधू वती पत्नि ग्रशोक कुमार प्रेम गली कटरा खजाना, ग्रमृतसर।

(मन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रौर कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि भीर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाड्डियो करता हुं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 48 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घचिष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (च) इस नूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विश्व के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकरी के पास निचित्र में किए जा सकेंगे।

स्थाबीकरणः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिचाणित हैं, वहीं धर्ष होया, को उस प्रध्याय में दिवा गया है।

अनुज्बी

एक प्लाट साथ में एक मंजल इमारत माल रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 3398/1 दिनांक 14-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अयोटीं अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रिश्चर्यन रेंज, अमृतसर

तारी**ष : 10-8-**1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भधीन तूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रगस्त 1979

निदेश सं० श्रमृतसर/79-80/134:---यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रवीन सम्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अभिति, जिनका उचित्र वाजार मूह्य 25,000/- ६० से भिष्ठक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कि माल रोड पर स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिश्वनियम के भ्रिभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम या घन-कर अधिनियम,1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्रीमती कमला वती पित्न राए साहिव विशन दास, माल रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती फूलां रानी पितन मनी लाल कटरा खजाना, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

उ. जैसा कि सं० 2 में ग्रौर कोई किराएदार है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

की यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्गत के शंबंध में कोई मी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ध) इस नुवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य अ्थवित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'छक्त श्वधि-नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसुचो

एक प्लाट साथ एक मंजल इमारत माल रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 3399 दिनांक 14-12-78 आफ रजिस्ट्रींग श्रथार्टी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 10 अगस्त 1979

प्रकथ प्रार्धि टी • एन • एस • --

अन्यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2694 (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातन, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 10 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० ग्रमृतसर/79-80/135—यतः, मझे, एम० एल० महाजन,

श्रीय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं एक प्लाट है तथा माल रोड पर स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य में बक्त प्रन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है —

- (क) प्रस्तरण मे हुई किसी भाय की बाबत उकत प्रश्निमम, के प्रभीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किया धन या धन यास्नियों की जिन्हें भारतीय धायकर घिषियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1) धन-कर अधिनियम, 1) धन-कर अधिनियम, 1) 95% (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवा भवः उन्त प्रधिनियम की झारा 269-ग के मनुसरण में, पन्त प्रधिनियम की झारा 269 म की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, प्रशीत :--- 8—236GI/79

 श्रीमती कमला बती पत्नि राए साहिब बिशन दास माल रोड, ग्रमुतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रशोक कुमार पुत्र मूनी लाल 30, शास्त्री मार्कीट, श्रमुतसर।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह मूचना आरो करके पूर्वाक्त सम्यक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

वक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा नकोंगे।

रपाक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-कं में परिभाषित हैं। बही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

एक प्लाट साथ में एक मंजल इमारत माल रोड पर जो सेल डीड नं० 3427/I दिनांक 16-12-78 श्राफ रिजस्ट्रींग श्रथार्टी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**ख**: 10 अगस्त 1979

प्रकप धाई∞ टी॰ एन॰ एत॰---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण)

ग्रर्जन रेंज, प्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 10 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० एएस आर/79—80/136:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25000/- व्पए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो माल रोड़ पर स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रति-कन के लिये अन्तरित की नई है और मुझे यह नित्रवास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिनत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या चित्रका, निम्नलिखित उद्देश से उत्तर अन्तरण लिखिन में वास्त्रविक स्पास क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई निसी धाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आयं वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिये वा, छिपाने मेंसुविधा के निए;

श्रतः प्रव उन्त अधिनियम की घारा 269-म के धनुसरण में; में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निक्निसिंखन व्यक्तियों, प्रवाद !-- श्रीमती कमला वती विधवा राए साहिब बिशन वास, माल रोड, श्रमुतसर।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती मीना कुमारी पितन महेश कुमार प्रेम गली कटरा, खजाना, श्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि सं० नं० 2 में ऊपर ग्रीर कोई किराएदार है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-ृहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचता चारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की घर्वा मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की घर्वा, जो भी धर्वां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताबारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे ।

रंपकीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्वो का, जो उक्त श्रीध-नियम के प्रध्याय 20-क में विश्वाचित है, बही शर्व होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है

प्रनुसूची

एक प्लाट साथ में एक मंजल इमारत माल रोड़ पर जो सेल डीड नं० 3426^{I} , दिनाक 18-12-78 म्राफ रजिस्ट्रींग म्रथार्टी स्रमृत्सर में दर्ज है।

एम० एस० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख : 10-8-1979

प्रकृष भाई • दी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-म (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमुहसर, दिगांक 10 श्रगस्त, 1979

िदेश सं०ए एस आर्√79—80/137ः—यतः मझे, एम० एल० महाजन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- क॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कि माल रोड़ पर स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के निए प्रन्तरित की कई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह वित्वत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे प्रन्तरक के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसितित उद्देश्य से बन्त प्रन्तरक लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त शक्ति-नियम के घंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या प्रस्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा; था किया जाना चाहिए या, द्विपाने में सुविधा के जिबे:

प्रतः, सन, उनतं प्रविनियमं की धारा 269-न के जनुसरण में, में, अन्त अधिनियमं की घारा 269-न की उपवारा (1) के बधीन निम्नसिबित व्यक्तियों, घर्षांकु:--- श्रीमती कमला वती विधवा राए साहिब विशन दास माज रोड़, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती ऊषा रानी पत्नि बनवारी लाल प्रेम गली, कटरा खजाना, भ्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० नं० 2 ऊपर श्रौर कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह यूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी करें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उनते स्वावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिवालित हैं, वहीं धर्च होना, जो उस धन्याय में दिया गया है।

पनुसची

एक प्लाट साथ में एक मंजल इमारत माल रोड़ पर जैसा कि सेल डीड, नं॰ 3408/I दिनांक 15-12-78 भ्राफ रजिस्ट्रींग भ्रथार्टी भ्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख: 10-8-1979

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, श्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 श्रगस्त 1979

निवेश सं० बटाला/79-80/138:- यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व्यये मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव खैरा में स्थित है (ग्रौर इससे पावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोका पनाति के उतित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान
प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह
प्रतिभात से अधिक है मौर मन्तरक (प्रन्तरकों) मौर मन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में
बाह्यकि का न किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम सहुई किसो प्राय को बाबन, उक्त प्रधिनियन के प्रसीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (का) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अध्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना वा हिए वा किया में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त समिनियम, की बारा 269-ग के समुखरण में, मैं, उक्त समिनियम, की बारा 269-म की उपबारा (1) के सभीन निकासिक व्यक्तियों अर्थात्:— श्री कुलदीप सिंह पुत्र निरन्द्र सिंह वासी कोटला सुलतान सिंह जिला अमृतसर राही नरन्जन सिंह, अजनरल अटारनी।

(भ्रन्परक)

 श्री कणमीर सिंह पुत्र बचन सिंह व सी खैरा तहसील, बटाला।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसाकि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किराएदार नहीं है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिर)।
- 4. यदि कोई श्रीर व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

जबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबड़ किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरों के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का जो उक्त प्रधितियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

नमुसुची

कृषिभूमि जिसका क्षेत्रफल 35क 17म जो कि गांव खैदा तहसील बटाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 5500 दिनांक 15-12-78 श्राफ रजिस्ट्रींजग अथाटी बटाला म दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 13-8-79

मोहरः

प्रकृष भाई॰ टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमुतसर, दिनांक 13 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० बटाला/79-80/139:---यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस ने पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/- ए० से पश्चिक है

भौर जिसकी सं० एक कृषि भूमि का दुकड़ा है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और प्रकारक (अन्तरका) और प्रकारिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त प्रनारण निश्चित में बास विका हम से कथात नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किनी ब्राय या किनो बन या ब्रस्य प्रास्तियों को, निन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अ: मथ, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- श्री भुन्दर सिंह पुत्र जवाला सिंह वासी संधवा तहसील बटाला।

(अन्तरक)

- 2. श्री चन्नन सिंह पुत्र सुन्दर मिह वासी संधवा बटाला। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैमा कि ऊपर सं० नं० 2 और कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को मह सूचना जारी करके पूर्वोका समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई मी ग्राक्षण:--

- (क) इ.स. मूचना के राजात में अकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास बिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के घड़याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबंहोगा, जो उस घड़याय में दिया क्वा है।

अनुसूची

कृषि भूमि 50 कनाल 19 म० जो गांव संधवा तहसील बटाला में है और जो कि सेल डीड नं० 5658 दिनांक 22-1-78 आफ रजिस्ट्रींग प्रधार्टी बटाला में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख": 13-8-79

प्रकृष भाई • टी • एन • ११० - -

घायकर प्राटेनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 18 श्रगस्त 1979

निदेश सं० बटाला/79-80/140:-यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

प्रायकर प्रधिनियम, 196% (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि समाध रोड़, बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धृश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके धृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्प्रह अतिशत से अधिक है, भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरभ से हुई किसी मान की नाक्त, उक्त प्रक्षिक्तियम, के सभी कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर श्रीभित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

वता, प्रव उक्त ध्रविनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यक्तियम की बारा 269 च की उपवारा (1) के विद्यान निम्नविचित क्यक्तियों, वर्षात्।--- सरदार सरदार सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी खजुरी गेट, बटाला।

(ग्रन्तरक)

 डा० हरदेव सिंह सन्धु पुत्र तारा सिंह और श्रीमती बलजीत कौर सन्धु पत्नी डा० हरदेव सिंह निवासी कच्चा कोट, नेहरु गेट, बटाला।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के ब्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाजन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविछ, को मी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

हपच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त करूरों धोर पत्तों का, जो उक्त धिधनियम, के घडमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो इस धडमाय में दिया गवा है।

धनुसूची

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 18 मरले हैं जो कि समाधि रोड़, बटाला में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 5302 दिनांक 6-12-78 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारटी बटाला में कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 18-8-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयश्वर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृक्षसर

श्रमृतसर, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० भ्रमृतसर/79~80/141:---यत:, मुझे, एम० एल० महाजन,

बायकरः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वैपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव मालोवा ला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर तहसील में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिफल अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गा है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी अाय भी बाबत स्वत अग्निनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविचा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-गं के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-मं की उपज्ञारा (1) के धनीन निम्नतिबित व्यक्तियों, भर्यात् —

 श्रीमती भान कौर विधवा सुरेण सिंह निवासी मालीवाल तहसील श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री करनैल सिंह, ग्रवतार सिंह, बलजीत सिंह कपूर पुतान श्री ज्ञान सिंह, निवासी मालीवाल तहमील, ग्रमृतसर।

(अन्तरितीः)

- जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घषिछ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घत्रिक्ष जो भी घविछ बाद में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (थ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबढ़ किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्वल्डीकर्यः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

क्रिशिभूमि जिसकाक्षेत्रफल 24 कनाल है जो कि गांव मालोवाल तहसील श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 4708 दिनांक 18-12-78 श्राफरजिस्ट्रींग ग्रथारटी श्रमृतसर तहसील के कार्यालय में वर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, श्रमृतसर ।

दिनांक: 18-8-79

प्रकृप आई॰ टी० एत० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 27-श्रगस्त 1979

निदेश सं० बी० जी० ग्रार०/डी० एल० ग्राई०/26/78-79---ग्रत: मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षी सहायक श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महम 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 25, ब्लाक बी-1, सैक्टर II, है तथा जो माडल टाउन, फरीदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देहली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायरव में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय पा किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते घिष्टिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

सर्वे श्रीमती:

- 1. (1) कृष्ण देवी डालमिया
 - (2) ललिता डालिमया
 - (3) ग्रहणा डालिमया
 - (4) भ्रभा डालमिया
 - (5) कविता डालिमया
 - (6) ऊषा डालिमया
 - (7) बेला डालिमया
 - सभी निवासी 1, तीस हजारी मार्ग, नई दिल्ली।
 - (8) पदमा डालमिया निवसी राजगंजपुर (उरीसा) । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री शाम सुन्दर मैहता पुत्र श्री भगवान दास मेहता
 - (2) श्रीमती ईरा मेहता, पत्नी श्री शाम सुन्दर दास मेहता, मार्फत श्री ग्रार० एन० मेहता, 363/12, जैकबपुरा, गुइगांव । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिभ की घविष्ठ, जो की भविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भ्रथें होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति सफेव प्लाट नं० 25, ब्लाक बी-I, सैक्टर, II, माडल टाउन, फरीदाबाद और जिसका क्षेत्रफल 1133-3 वर्गगज है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 522 तिथि 6-12-78 पर दर्ज है।

> रजिन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 27-8-79

प्रकप भाई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 296-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 श्चर्पेल 1979

निदेश सं० राज/सहा०न्ना०अर्जन/538—न्न्रतः मुझे हरी शंकर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-४० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० श्रोपन प्लाट है तथा जो माउन्ट श्राब् में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय माउन्ट श्राब में रजिस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त घन्तरण विविद्य में बास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत 'उक्त भिष्टिनयम' के भ्रमीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या प्राप्त प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुनिधा के लिए;

धवः मन, उन्त ग्रिशीनमम की धारा 269-न के जनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उप-धारा (1) के प्रश्लीन, निष्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 9-236GI/79

- श्री महावीर सिंह पुत्र श्रो प्रताप सिंह हिन्दू निवासी शाहपुरा, जिला जयपुर द्वारा उसके मुख्तारखास श्री भंवर सिंह पुत्र रूप सिंह निवासी श्रलवर वर्तमान में, राजमहल, माउन्ट श्राब् (राज०) (श्रन्तरक)
- अह्याकुमारी प्रकाशमणी प्रशासनिक, मुख्या प्रजापिता अह्याकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय (एक शैक्षणिक संस्था), मुख्यालय : पाण्डे भवन, माउन्ट श्राबू, जिला सिरोही ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध फिसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

रशब्दोक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

समुबुषो

एक खुला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 5444 वर्ग गज जो सुभाष मार्ग, माउन्ट घ्राबू, पर स्थित है घ्रौर उप पंजियक माउन्ट आबू, द्वारा ऋमांक 333/78, दिनांक 22-12-78 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में घ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-4-79

प्रकृप धाई• टी• एन• एस•----

आयकर मधिनियम; 1961.(1961 का 43) की खारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 ध्रगस्त 1979

निदेश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/570----ग्रतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० पी० 1, 1ए, बी-59 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-1978 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से . . . कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है, श्रौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ति जिन हैं हैं चास्ति कि उच्त पाया गया प्रतिफल, किम्ति जिन हैं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी खाम की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीत कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माप या किसी वन मा मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिश्रिनियम, या भन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, धव, उक्त श्रिष्ठिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, बें, उक्त श्रिधिनियम की बारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स श्रार० एस० मेटल्स इण्डस्ट्रीज (रिजस्टर्ड पार्टनर शिप फर्म), जयपुर

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स ग्रार० एस० मैटल्स प्राईवेट लिमिटेड, मंगल भवन, स्टेशन, रोड, जयपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्विमां करता है।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

हपक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शक्तें भीर पदों का, जो उक्त पश्चित्तयम के ग्रध्याय 20-क में परिनाधित है, बही भर्म होगा जो उन अत्याय में विया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति जो प्लाट नं० एस० पी० 1, एस० पी० 1 ए, एवं बी-59, पर स्थित है श्रीर उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2929 दिनांक 30-12-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जयपुर

तारीख: 6-8-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/573— म्रतः मुझे एम० भार० म्रग्रवाल,

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- स्पए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रिजस्ट्रीक करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिखत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घोर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के अधीन कर देने के सम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269=ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री काशी राम पुत्र श्री कालूराम कुम्हार निवासी 3-ई, छोटी, श्री गंगानगर, ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री मा मराज नाई निवासी 3-ई, छोटी, श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्नन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेढ बीघा कृषि भूमि जो चक 3ई-छोटी, जिला श्री गंगा-नगर में स्थित है श्रीर उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक 3140, दिनांक 5-12-1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० म्रार० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 10 श्रगस्त 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

धायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 घगस्त 1979

निर्देश सं० राज*०|*सहा० म्रा० म्रर्जन|79-80|575—-म्रतः मुझे, एम० म्रार० म्रग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम. 1908 (1908 का 16) के श्रीचन 14-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण के लिये लिति में बास्तबिक रूप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घाँछ-नियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धम्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टितयम, या धन-कर घिष्टितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रन्त, उन्त प्रश्निमियम, की धारा 269-ग के मनु-सर्च में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्यात् :— श्री काशीराम पुत्र श्री कालूराम कुम्हार, निवासी 3 ई,-छोटी, श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री लीलाधर पुत्न श्री मामराज नाई., निवासी 3 ई छोटी, श्री गंगानगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधिया तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास स्विखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

धनुसूची

डेढ़ बीघा कृषि भूमि जो चक 3 ई छोटी, श्री गंगानगर में स्थित है ग्रीर उप पंजियक श्री गंगानगर, द्वारा क्रमांक 3137 दिनांक 14-12-78 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० भ्रार० भ्रप्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीखः 9-8-1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 म्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/ 572——म्रतः मुझे, एम० म्रार० भ्रग्रवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-- एएए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रिजस्ट्रीकणर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम्परित प्राथम प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक कप से क्षित नहीं किया गरा है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षितयम के अधीप कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उन्ह मिसिनयम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री काशोराम पुत्र कालूराम निवासी 3 ई छोटी, श्रो गंगानगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री लीलाधर पुत्र श्री मामराज नाई निवासी 3 ई, छोटी, श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह यूवना जारी करके पूत्रों का सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपतः में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण :— इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूवी

1 बीघा 17 बिस्वा, जो 3 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है श्रौर उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋमांक 3154 विनांक 6-12-1978 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-8-1979

प्ररूप भाई० टी • एन • एस • ----

मायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 श्रगस्त 1979

निर्वेण सं० राज/सहा० भ्रा० भ्रजन/571—श्रतः मुझे एम० भ्रार० श्रग्रवाल,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रिवितयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ३० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-12-78 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक ल्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबन उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए; प्रौर/या
- (च) ऐनी किनी माय या किसी वा या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः शब, उन्त प्रधिनियम की भारा 269न के धन्सरण में, में. उन्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:~~

- श्री काशी राम पुत्र श्री कालूराम कुम्हार, निवासी 3 ई छोटी, तह, श्री गंगानगर। (ग्रन्तरक)
- श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री मामराज नाई निवासी 3 ई, छोटी, श्री गंगानगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की घविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करें 30 दिन की घविष्ठ, को भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पहों का, जो उसत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही पर्ष होगा, जो उन प्रध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

एक बीधा 18 बिस्वा कृषि भूमि जो चक 3 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है ग्रीर उप पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 3148 दिनांक, 5-12-1978 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० ग्रार० भ्रप्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपूर

तारीख: 9-8-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 ध्रगस्त, 1979

निर्देश सं० राज/सहा० श्रा० श्रर्जन/574——श्रतः मुझे, एम० श्रार० श्रग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 14-12-78 के उचित बाजार मूल्य से कम के को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए मन्तरित की दुश्यमान प्रतिफल विश्वास करने का कारण मीर मुझे यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनियम, या घनकर घिष्टिनियम, या घनकर घिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे घम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपुषारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यातः—— श्री काशीराम पुत्र श्री कालूराम कुम्हार, निवासी 3 ई छोटी तह० श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरक)

श्री मामराज पुत्र श्री घेरूराम नाई,
 चक 3 ई छोटी, जिला श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचता के राजात्र में प्रकाशत को तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीक्तरग: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

1 बीघा 18 बिस्वा, कृषि भूमि जो चक 3 ई छोटी, श्री गंगानगर में स्थित है श्रीर उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक 3151 दिनांक 14-12-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 9-8-1979

प्ररूप धाईं टी • एन • एस • — — धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनपूक 9 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/सहा० श्रा० श्रर्जन/ 79-80/577—श्रतः, मुझे, एम० श्रार० अग्रवाल

आयकर श्रिष्ठितियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीत सञ्जय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रित, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ष्पए से प्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण कृप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19-12-78 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत मधिक है ग्रीर मन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के भीव ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखन में वास्तविक स्थान कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रिप्तियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किया बाय या किसो धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, धा धन-कर भ्रधिनियम, धा धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त श्रिधितियम की घारा 269-च की चपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—-

- श्री किशानलाल पुत्र श्री जगमाल निवासी 6 ई छोटी, श्री गंगानगर। (,न्तरक)
- 2. श्री जमना देवी पत्नी श्री राधाराम निवासी श्रीगंगानगर। (भ्रन्तरिती)

को यह मुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 बीघा कृषि भूमि जो चक 6 ई छोटी तह० श्री गंगानगर में स्थित है श्रीर उप, पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रमांक 3299 दिनांक 19-12-78 पर पंजिबद्ध विकथपत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० स्नार० स्नग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-8-79

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/सहा०म्रा० भ्रर्जन/79-80/576--श्रतः मुझे एम० श्रार० श्रग्रवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित (श्रीर इससे उपाबद श्रनमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-12-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृयग्यान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) प्रश्तरण से हुई सिसी प्राय की बाबत, उक्त प्रक्रि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी जिसी घाय या किसी धन या घाय घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंधनियम, या धन-कर भिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, उनत भवितियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उनत भवितियम, की भारा 269-व की उपभारा (1) के भवीन निम्नलिकित व्यक्तियों, भवौत्:——
10—236GI/79

 श्री नाथू राम पुत्र श्री जंगलाराम निवासी 6 ई छोटी, श्रीगंगानगर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जमना देवी पुत्र श्री राघाराम निवासी चक नं० 6 ई छोटी, श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति के झर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंबे।

स्पब्हीकरण:--दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस अध्याय में विका क्या है।

घनुसूची

1 बीवा कृषि भूमि जो चक 6 ईछोटी, श्रीगंगानगर में स्थित है श्रीर उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा ऋमांक 3296 दिनांक 19-12-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० ग्रार० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 9-8-79 मोहर: प्रस्प आई० टी० एत० एस०----

भायकर ग्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 ग्रगस्त, 1979

निर्देश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/556—स्त्रतः मुझे एम० ग्राग्० ग्रग्रवाल

भागकर स्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके प्रश्वात् 'उन्त स्रिवित्यम' कडा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित्र वाजार भूल्य 25,000/- दे स्रिक्षक है

और जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो केकड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय केकड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख 1-12-78 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र शांतरण मृत्य में उम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नभ्यति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल से. ऐते दृश्यमान अतिफत का पन्यत् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया यनिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रान्तरण रे हुई कियी धाप की बाबत, उक्त श्रीधितिबम के श्राचीन कर देने के श्रान्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के मिए; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्त धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए गा; छिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रतः श्रव, उसत श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रकत ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत्:——

- 1. (1) श्रीमती मोहन कंवर पत्नि स्व० फतेह सिंह,
 - (2) ग्राशा एवं
 - (3) निर्मेला पुलियां श्री फतेह चन्द सिंह मेहता, निवासी बड़गांव वर्तमान म केकड़ी जिला श्रजमेर ।

(धन्तरक)

2. श्री हरी शंकर पुत्र सुग्रा सिंह, लाल

(2) श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र श्री हरी शंकर जाति ब्राह्मण निवासी बड़गांव वर्तमान में केकड़ी जिला श्रजभेर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य अथिकन, द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जनत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

3 बीघा 15 बिस्वा, शहरी भूमि और 1 बीघा 3 बिस्वा कृषि भूमि जो जो छगनपुरा, जिनया गैट के बाहर, केकड़ी में स्थित है और उप पंजियक, केकड़ी द्वारा 1126/78 नं० पर दिनांक 1-12-78 की पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० म्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपू**र**

तारीख: 17-8-79

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--------

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) भी खारा 269-व(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/579——म्रतः, मुझे, एम० म्रार० भ्रम्रवाल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सभन शासिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पन्नित, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पमें से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हिण्डोन सिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूनी में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हिण्डोन में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-1-79 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए अस्तरित को गई है पोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्व असके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्व असके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्व असके दृष्यमान प्रतिफल के विषय प्रतिकात से अधिक है भीर यह कि प्रत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तम मान प्रवास मन्तरण निवास में वास्तरिक कप से किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई िन्सी प्राय को बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/मा
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्न आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित काक्तियों अर्थातः :--

- श्री राम जी लाल पुत्र श्री नारायण लाल माली,
 हिण्डोन सिटी, जिला सवाई माधोपुर। (ग्रन्तरक)
 सर्वश्री:
 - (1) जगमोहन एवं गया लाल पुत्रान, श्री बतूराम सोनी हिण्डोन
 - (2) मंगती राम पुत्र श्री मूल चन्द,
 - (3) श्री छोटेलाल पुत्र श्री भूरजी

- (4) श्रीमर्ता मोहर बाई पत्नी श्रो बलवन्त सिह,
- (5) राजा राम सिंह पुत्र श्री हरम्यान सिंह
- (6) भीम पिह पुत्र श्री हरस्यान सिंह
- (7) राम मूरती पुत्र श्री मनोहरलाल गुप्ता,
- (8) नन्द लाल पुत्र प्रभुलाल
- (9) श्री राधे श्याम पुत्र श्री कल्याण दास गुप्ता,
- (10) श्रोमप्रकाश पृत्र श्री राम स्वरूप गुप्ता,
- (11) सुरेश चन्द्र पुत्र श्री गनेशी लाल भ्रार्य,
- (12) रमेण चन्द्र पुत्र श्री महादेव प्रसाद ग्रग्नवाल,
- (13) गिरिराज लाल पुत्र श्री चमन लाल अग्रवाल
- (14) डा० भाषा पुत्र श्री सुरेश चन्द्रा श्रम्भवाल
- (15) ग्यानी दलजीत सिंह पुत्र श्री नानामल पंजाबी,
- (16) श्री गुजर मल पुत्र श्री भैरू,
- (17) रमेश चन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल,
- (18) श्रीमती स्वागती पत्नी श्रो रामेश्वर प्रसाद ग्रग्रवाल
- (19) देवी सिंह पुत्र श्री रामजी लाल श्रग्रवाल,
- (20) श्रीमती गलकर्ना देवी परिवर्शी हीरा लाल,
- (21) रूप सिंह पुत्र श्री देवी सिहगूजर,
- (22) दीन दयाल एवं भुरेण चन्द वैश्य।

(ग्रन्तरिती)

का पह मूनका तथा करके पूर्वीक्ष प्रशति के सर्वत के लिए। कार्यवादियां करता हूं।

उन्त सम्मति क प्रजी के सम्बन्ध में कोई भी खाझेप--

- (क) इस भूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन का भवीचे या तत्मक्वायों व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविका द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रगरडीसर्ज:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पर्दी का, जो उक्त आधेतियम के ग्रज्याय 20-क में पोरेपाणित हैं वहीं प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बीघा 9 बिस्वा, जो हिण्डोन सिटी में स्थित है ग्रौर उप पंजियक, हिण्डोना द्वारा अम सख्या 60 दिनांक 29-1-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> एम० आर० अग्रवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेज, जयपुर

तारीख: 17-8-79

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---बायकर मिस्तियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269-म (1) ने बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/सहा० भ्रा० भ्रजेन/ — भ्रतः मुझे एम० भ्रार० भ्रग्रवाल

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम भ्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

मूख्य 25,000/- रंपए से मधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो हिण्डोन सिटी में स्थित
है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनस्ची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हिण्डोन में रिजस्ट्रीकरण
श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-12-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य,
सक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी छन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उन्त भिवित्यम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 9-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री रामजी लाल, पुत्र श्री नारायण लाल माली, हिण्डोन सिटी, जिला सवाई माघोपुर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. सर्वश्री :
 - (1) जगमोहन एवं गया लाल, पुत्नान श्री बतू राम सोनी, हिण्डोन
 - (2) मंगती राम पुत्र श्री मूल चन्द
 - (3) श्री छोटे लाल पुत्र श्री भूरजी,

- (4) श्रीमती मोहर बाई, पत्नि श्री बलवन्त सिंह,
- (5) राजा राम सिंह पुत्र श्री हरग्यान सिंह,
- (6) भीम सिंह पुत्र श्री हरग्यान सिंह
- (7) राम मूरती पुत्र श्री मनोहर लाल गुप्ता,
- (8) नन्द लाल पुत्र श्री प्रभू लाल,
- (9) श्री राधे श्याम पुत्र श्री कल्याण प्रसाद गुप्ता,
- (10) श्रोम प्रकाश पुत्र श्री राम स्वरूप गुप्ता,
- (11) सुरेश चन्द्र पुत्र श्री गनेशी लाल ग्रार्य,
- (12) रमेश चन्द्र पुत्र श्री महादेव प्रसाद श्रग्रवाल,
- (13) गिरिराज लाल पुत्र श्री चमन लाल ध्रग्रवाल,
- (14) डा० ग्राशा पुत्र श्री सुरेश चन्द्रा श्रग्रवाल,
- (15) ग्यानी दलजीत सिंह पुत्र श्री नानामल पंजाबी,
- (16) श्री गूजर मल पुत्र श्री भैंह,
- (17) रमेश चन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण श्रग्रवाल,
- (18) श्रीमती स्वागती पत्नि श्री रामेण्वर प्रसाद श्रग्रवाल,
- (19) देवी सिंह पुत्र श्री रामजी लाल भ्रग्रवाल,
- (20) श्रीमति गुलकन्ती देवी पत्नि श्री हीरालाल,
- (21) रूप सिंह पुत्र श्री देवी सिंह गूजर,
- (22) दीन दयाल एवं सुरेश चन्द वैश्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयें होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

वनुसूची

2 बीघा 11 बिस्वा कृषि भूमि जो हिण्डोन सिटी में स्थित है ग्रौर उप पंजियक हिण्डोन द्वारा क्रमांक 907, दिनांक 8-12-78 पर पंजिबद्ध विकथ पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरिणत है।

> एम० श्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 17-8-79

प्रकृष आई० टी • एन • एस •---

गायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के घ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, विनांक 17 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० राज/महा० श्रा० श्रर्जन/582——श्रतः मुझे एम० आर० अथवाल,

आयकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हिण्डोन सिटी में स्थित है (और इसमे उपावत अनुसूची में और जो पूर्ण कृप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिण्डोन में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-1-79 को पूर्वोक्त संगत्ति के उदिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करन ता कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के जन्द्रह प्रतिगत से मिषक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए क्याप्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत मन्तरण, सिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से तुई किसी आव की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम, या धन-कप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा गया या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सर्विधा के निए;

अतः धन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- सूरज मल पुत्र श्री नारायण लाल माली निवासी हिण्डोन मिटी जिला मवाई माधोपुर। (ग्रन्तरक)
- मैंसर्स वस्त्र व्यवसाय संघ हिण्डोन सिटी जिला सवाई माधोपुर

द्वारा श्री बृज मोहन लाल प्रेसिडेन्ट एवं श्री रामस्वरुप गुप्ता संक्रेटरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुक्ताजारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत संपत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिकाखित है वहीं अर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 बीघा 13 बिस्वा कृषि भूमि जो हिण्डोन सिटी में स्थित है श्रौर उप पंजियक हिण्डोन द्वारा ऋमांक 22 दिनांक 15-1-79 पर पंजिबद्ध विऋय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-8-1979

प्रकृप बाई • टी • एन • इस • -----

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रष्ठीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

निर्देश संख्या राज/सहा० स्रा० स्रर्जन/581--यतः मुझे एम० श्रार० अग्रवाल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मुख्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हिण्डोन मिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रीसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिण्डोन में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 190 8 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उंचित बाजार मृत्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा मधिक है मौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिता (प्रन्तरितियों) क बीव ऐस प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखिन उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अग्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उनत प्रधिनियम के भधीन कर दैने के भग्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्योजनार्थ धन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269न्छ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् :---

- श्री सूरजमल पुत्र श्री नारायण लाल माली निवासी हिण्डोन सिटी जिला सवाई माधोपुर। (ग्रन्तरक)
- मैंसर्स वस्त्र व्यवसाय संघ हिण्डोन सिटी जिला सवाई माधो पुर द्वारा श्री बृज मोहन लाल प्रेसिडेन्ट एवं श्री राम स्वरूप गुप्ता सेक्नेटरी।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के मर्बन के संबंध में कोई भी पार्श्वेप :---

- (म) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोनर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिनवह किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोड्स्ना शी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त स्रिक्ष-नियम के सम्याय 20-क में परिनाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस स्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 बीघा 14 बिस्या कृषि भूमि जो हिण्डोन सिटी में स्थित है श्रौर उप पंजियक हिण्डोन द्वारा कम संख्या 20 दिनांक 11-1-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० ग्रार० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 17-8-79 मोहर : प्रारूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ(1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/महा० म्ना० म्नर्जन/580—म्ब्रतः मुझे एम० भार० भग्नवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हिण्डोन सिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण एप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हिण्डोन में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविश्तत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत जनत भविनियन के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निक्तिशित व्यक्तियों, अर्थात् :~

- श्री सूरज मल पुत्र श्री नारायण लाल मार्ला, निवासी हिण्डोन भिटी जिला मवाई माधोपुर । (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स वस्त्र व्यवसाय संघ, द्वारा श्री बूज मोहन लाल, प्रेसीडेन्ट एवं श्री राम स्वरूप गुप्ता सेकेटरी, हिण्डोन मिटी, जिला सवाई माधोपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किशो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थवदीक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

2 बीघा 1 बिस्वा कृषि भूमि जो हिण्डोन मिटी में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, हिण्डोन द्वारा ऋमांक 21, दिनांक 15-1-1979 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में ग्रीर विस्तृत कुल में विवरणित है।

> एम० ग्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 17-8-79 मोहर: प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा े69-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० थ्रा० ग्रर्जन/ — प्रतः मुझे एम० ग्रार० थ्रग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-27 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का जित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किनी पाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज य ग्रन्तरिती खारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः ग्रन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री श्रजित कुमार जैन, पुत्र पूनम चन्द नाहटा, घो वालों का रास्ता, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 छा० भ्रानन्द कुमार शुक्ला, पुत्र देवी कान्त, मोती डूंगरी रोड, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मति में हिन-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सम्हेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्धों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा जो उस प्रध्याय में विशा मया है।

अनुस्ची

प्लाट नं० ई-27, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित माकन सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 2677, दिनांक 7-12-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-8-79

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

धायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज॰/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/ — यतः मुझे, एम० भार० भ्रग्रवाल,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्पये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-27, है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन तारीख 7-12-78 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास झरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्हह प्रतिशत से श्रीक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अग्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: भव, उक्त मिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त मिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन निष्निविद्यं व्यक्तियों, प्रकृति :— 1—236GI/79

 कुमारी लक्ष्मी देवी पुत्री लाला श्री तिलोक चन्द निवासी घी वालों का रास्ता, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 डा० म्रानन्द कुमार शुक्ला पुत्र स्व० श्री देवी कान्त जी, मोती इंगरी, रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो मी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो जनत अधिनयम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही प्रथं होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-27, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का फर्स्ट फ्लोर का पश्चिमी भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 2677, विनांक 7-12-78 पर पंजियद्व विऋय पत्र म श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० भ्रग्नवान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-8-1979

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/ — श्रतः मुझे, एम० ग्रार० श्रग्रवाल,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से भिष्ठक है

श्रीर जिसकी प्लाट नं० ई-27 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है शौर मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहों किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप की बावन उकत ग्रिविनयम के ग्रिथीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या अवसे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी बिनि आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त, मिधिनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-घ की उप**धा**रा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों अर्थात ;→ श्री राजकुमार जैन, पुत्र पूनम चन्द जैन, घी वालों का रास्ता, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ म्रानन्व पाल सिंह पुत्र ठाकुर रक्षपाल सिंह, निवासी जे-134, म्रादर्श नगर, जयपुर। (म्रन्तरिती)

को यह भुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्च होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसू घी

प्लाट नं० ई-27, लाजपत मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 2679, दिनांक 7-12-1978 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> ्म० म्रार० अग्रवाल मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 20-8-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1979

निदश सं० राज०/सहा० म्रा० ग्रर्जन/ ——श्रतः मुझे, एम० म्रार० म्रग्रवाल

भायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-27 है, जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन 7 दिसम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठ-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नि श्री पूनम चन्द नाहटा, घी वालों का रास्ता, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ म्रानन्द पाल सिंह पुत्र श्री श्री रक्षपाल सिंह प्लाट नं॰ जे-134, श्रादर्भ नगर, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-27, लाजपत मार्ग, सी स्कीम जयपुर, पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रमांक 2678 दिनांक 7-12-78 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० म्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 20 ग्रगस्त 1979

मोहरः

प्ररूप आई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ध्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० ग्रर्जन/ —श्रतः मुझे, एम० श्रार० ग्रग्नेसल,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 का भाग है तथा जो जयपुर म स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रनिर्तिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहुरा स उत्तर अन्तरण जिखित में वास्तिवक इप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उका प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वर या प्रत्य आस्तियों की, जिस्हें सारतीय माय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रसारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रत: भ्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात !---

- श्री नरपत सिंह पुत्र श्री जोरावर सिंह,
 प्लाट नं० डी० 228, तुलसी मार्ग, बनी पार्क,
 जयपुर ।
- श्री सुनिल कुमार केडिया (नाबालिग),
 द्वारा पिता एवं स्वाभाविक संरक्षक श्री श्रोमप्रकाण केडिया
 गणेक्ष कालोनी, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

 मैसर्स बाटलीबाय एण्ड कम्पनी, संसार चन्द रोड, जयपुर ।

(वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तू सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, कं भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीन्त्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रह्माय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिशा गया है।

वन्सूची

प्लाट नं० 4, संसार चन्द रोड, बीचून, का बाग, जयपुर पर निर्मित सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2777, दिनांक 13-12-78 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० श्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जग रेंज, जयपूर

तारीख: 20-8-1979

प्रकृष ग्राई • टी • एन • एस •----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर विनांक, 9 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ 585—-ग्रतः, मुझे, एम० भ्रार० ग्रग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० - है तथा जो बारां में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बारां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-12-78

1908 (1908 को 16) के अधान दिनाक 8-12-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत
से अधिक है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर पन्तिगती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में
वास्तविक कर से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्वरण से हुई कियो पाय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 21) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना का छिए ॥

बतः वन, उनत प्रधिनियम, की बारा 269 में के प्रमृत् संदर्भ में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269 में उपबारा (1) के बधीन निम्नविधित स्विन्तियों, अर्थात् !--

- (1) श्री बिठल दास पुक्त श्री मान लाल सोमानी, बारान ।
 - (2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री बिठलदास सोमानी, बारां जिला, कोटा ।

(भ्रन्तरक)

भ्रोमप्रकाश गुप्ता, बारां, जिला कोटा।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उपत सम्पत्ति के भवीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं असे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकाने, एवं 1673 वर्ग फुट खुली जमीन जो होस्पिटल रोड, बारां में स्थित है ग्रौर उप पंजियक, बारां द्वारा कमांक 436, दिनांक 8-12-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० भ्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-8-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • —

मायनर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सङ्ख्यक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 भ्रगस्त 1979

निर्देश स० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/584—-ग्रतः, मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त मिषिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० — है तथा जो बारां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बारां में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8-12-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक खन से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से तृई किसी भाय की वाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर्यमा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्राव, उपत प्रक्षिणियम, की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उपत प्रक्षितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवृत्ति :---

- (1) श्री बिठल दास पुत्र श्री मीना लाल सोमानो । बारां,
 - (2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री विठल दास सोमानी बारां।

(श्रन्तरक)

 श्री रोहित पुत्र श्री श्रोम प्रकाण गुप्ता, बारां जिला कोटा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस पूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधिया सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पब्हीकरण : -- इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पदों का, जो आयकर भिष्ठियम के भ्रष्टयाथ 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

वनुसूची

दो गोदाम $42' \times 32'$ के बरामदा 260 वर्ग फुट का एवं जमीन जो होस्पिटल रोड बारां में स्थित है श्रोर उप पंजियक, बारां द्वारा क्रमांक 437 दिनांक 8-12-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० भ्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-8-1979

प्रस्प धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

्जियपुर, दिनांक 9 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/ 583—–श्रन: मुझे, एम० श्रार० श्रग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० -- है तथा जो बारां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बारां में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 8-12-78

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका मन्तरण लिखित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य मास्तियों को, जिन्हें मारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः रा, उन्त अधिनियन को घारा 269ना के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269ना की जपधारा (1) के संधीन मिम्नसिखित स्थितियों, प्रथितः --

- 1. (1) श्री बिठलदास पुत्र श्री मन्ना लाल सोमानी,
 - (2) श्रीमित पुष्पा देवी पत्नि श्री बिठल दास सोमानी, बारां, जिला कोटा।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गान्ति देवी पर्तिन श्री श्रोमप्रकाण, बारां, जिला कोटा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कःयंत्राहिया करता हूं।

उन्न सम्माल के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजाज में अकाशन की गारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पठहीकरण: --इसमें प्रयुक्त श्रम्बों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीश्वनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुची

एक गोदाम 21'×16' की एवं एक बरामदा 21'×6'.3" जिसके साथ 3736 वर्ग फूट खुली जमीन हैं भौर होस्पिटल रोड, बारां में स्थित हैं तथा उप पंजियक बारां द्वारा क्रमांक 438 दिनांक 8-12-78 पर पंजिबद्ध विक्रप्र पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

एम० श्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, जयपुर

तारीख 9-8-1979 मो**हर** : प्रकप माई०टी•एन•एस•----

भायभर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 268-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण)

म्राजीन रोंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 भ्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज/सहा० ग्रा० धर्जन/587—श्रतः मुझे एम० ग्रार० ग्रग्नवाल श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-छ के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ॰ से श्रीष्ठक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो हिण्डोन सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हिण्डोन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 12 दिस० 1978

को पूर्वोक्द सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधिक में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अक्षितियक के ध्रक्षीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कोर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवादः →- श्री जयलाल सुपुत्र श्री मोती लाल वैश्य, हिण्डोन , जिला सवाई माधोपूर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बनवारी लाल, श्री गोपाल, श्री मुकेश एवं श्री सुनिल कुमार नाबालिंग पुत्रान श्री केदारलाल द्वारा श्री श्री केदारलाल निवासी धीलाता, तह० नाडोती, जिला, सवाई माधोपुर।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तक्ष्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टीसरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्दो का, जो जनत भिवित्यम के शब्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस सब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राधा दक्षिणी भाग, दो मंजिला दुकान का जो लाल बहादुर गास्त्री बाजार, हिण्डोन सिटी में जिला सवाईमाधोपुर में स्थित है श्रौर उप पंजियक, हिण्डोन द्वारा क्रमांक 911, दिनांक 12-12-1978 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तुत रूप से विवरणित है।

एम० ग्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, जयपूर

तारीख: 20 ग्रगस्त, 1979

प्रकप भाई। टी। एत। एस।---

धायकर मिश्रिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त, 1979

निर्देश सं० राज/सहा० ग्रा० श्रर्जन/585—-श्रतः मुझे एम० श्रार० श्रग्रवाल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान, है तथा जो हिण्डोन सिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हिण्डोन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिये भग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया ग्रां प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त बिक रूप से काकत नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठ-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

भतः भन, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मै, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :----236GI/79

 श्री जयलाल पुत्र श्री मोती लाल वैश्य, हिण्डोन, जिला सवाई माधोपूर।

(भ्रन्तरक)

 केदार लाल पुत्र श्री जोहरी लाल वैष्य, ग्राम दौलाता, तह० नाडोती, जिला सवाई माधोपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन। के राजपत्र म प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाल बहादुर शास्त्री बाजार, हिण्डोन सिटी जिला सवाई माधोपुर में स्थित जुड़वां दुकानों का ख्राधा उत्तरी भाग जो उप पंजियक हिण्डोन द्वारा क्रमांक 910 दिनांक 12-12-78 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न म श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम० ग्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 20-8-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/ 565——ग्रतः मुझे एम० श्रार० श्रग्रवाल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी-99 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 18-12-78

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ये यश्चित है ग्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता काहिए था, छिराने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- श्रीमती चन्द्रकला देवी परित स्व० श्री प्रहलादराय जी एवं सुरेश कुमार मोर पुत्र स्व० श्री प्रहलाद राय जी निवासी 17 बाल मुकुन्द मेकस रोड कलकता-7 (ग्रन्तरक)
- श्री जमनादास बिन्दल पुत स्व० श्री बछराज जी बिन्दल छी-99, बनी पार्क, जयपुर।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिजित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हीकरण: -- -इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षित्यम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 99 पर स्थित सम्पत्ति, तुलसी मार्ग, बनी पार्क, जयपुर, जो उन पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2799, दिनांक 18-12-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० श्रार० स्रप्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

ता विष 20-7-1979 मोहर: प्रकाश भाई। टी। एत। एत।----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के मिनि सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपूर, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/ 569——प्रतः मुझे एम० भ्रार० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुक्ब 25,000/- ख से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृब्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है धोर मुझे बहु विक्वास करने का कारण है कि पंचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके बृब्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृब्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) धोर अन्तरिकी, अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जहेंच्य से सकत अन्तरक लिखत में बास्तविक कप से कथित कहों किया गयाहै:—

- (क) प्रश्वरन से हुई किसी आय की वासत उक्त प्रधिक्तियम, के प्रधीन कर वेने के प्रश्वरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/ना
- (ब) ऐसी किसी पाय या किसी घन या प्रथम धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर मिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहियेथा, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उवन पश्चिनियम की घारा 26 9-म के बनुसरण में मैं, उक्त ग्रीविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री सहदेव शर्मा पुत्र श्री जनकराज,
 फतेह टीबा, ग्रेव यार्ड, म्यूजियम रोड, जयपुर।
 (ग्रन्तरक)
- श्री गोविन्द सरण गुप्ता (नाबालिग) द्वारा पिता श्री लक्ष्मण दास खंडेलवाल, म्यूजियम रोड, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी शरके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्त सम्पत्ति ने प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

भ्रनुसची

प्लाट नं० 4, ग्रेंब यार्ड, म्यूजियम रोड, अयपुर पर स्थित फर्स्ट फ्लोर का एक फ्लेट जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2873, दिनांक 30-12-78 द्वारा पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवर्राणत है।

> एम० ग्रार० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 20-7-1979 मोहर:

प्रकृष भार्व • टी • एन • एस ० ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन मुक्ता

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/566---श्रतः मुझे एम० ग्रार० ग्रग्नवाल

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन दिनांक 30-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिये बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण खिखित में वास्तिक इप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण ते हुई किसी प्राप का बाबत उक्त अधि। सियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उन्त धिवितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में; में, उन्त सिवित्यम की धारा 269-ध की उपवादा (1) के सधीन निकलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् —

- श्री सहदेव शर्मा पुत्र श्री जनकराज,
 फतेह टीबा, ग्रेव यार्ड, म्यूजियम रोड, जयपुर।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्नेहलता पत्नि श्री राम शरण गुप्ता, निवासी ग्रेव यार्ड, म्यूजियम रोड, जयपुर।

रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, को भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उन बहुमाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 ग्रेंब यार्ड, म्यूजियम रोड, जयपुर के फर्स्ट फ्लोर पर एक फ्लेट जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2874, दिनांक 30-12-78 द्वारा पंजिबदा विक्रय पत्न में विवरणित है।

> एम० भ्रार० भ्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-7-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायंक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ 567— ग्रतः मुझे एम० ग्रार० ग्रग्रवाल

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/--रुपए से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत तारीख 30-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या.
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—— श्री सहदेव मर्मा पुत्र जनकराज, फ्तेह टीबा, ग्रेव यार्ड, म्यूजियम रोड, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

श्री गंगा णरण गुप्ता, (नाबालिंग)
 द्वारा पिता श्री लक्ष्मण दास खंडेलवाल,
 म्यूजियम रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्ष्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध ; कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, ग्रेव यार्ड, म्युजियम रोड. जयपुर पर स्थित फर्स्ट फ्लोर पर एक फ्लेट जो ॢउप पंजियक, जयपुर द्वारा कमांक 2872, दिनांक 30-12-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवर्राणत है।

> एम० श्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-7-1979

प्रकृप भाई० टी॰ एन॰ एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 थ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा ० श्रर्जन/ 568—श्रतः मुझे एम० श्रार० श्रग्रधाल

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-12-1978 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल में लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरितीं (धन्तरितियों) के बीथ ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथत धन्तरण लिखित में

- (क) धन्तरण से हुई किया अाथ की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देगे के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी हिसी अत्य या किया घा या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष पम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्त ग्रिश्चनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उक्त प्रविनियम को धार, 269-ग को उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:-- श्री सहदेव णर्मा पुत्र श्री जनक राज फरोह टीबा, ग्रेव यार्ड, म्युजियम रोड, जयपुर ।

(श्रन्तरक)

 श्रीलक्ष्मण दास खंडेलवाल पुत्र श्री राम स्वरूप, ग्रेव पार्ड, म्यूजियम, रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक सम्पत्ति के धर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूथना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि नाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ठाकित द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों खौर पथों का, जो उक्त भिध-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही भये होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

बमुसूची

प्लाट नं० 4, म्यूजियम रोड, ग्रेव यार्ड, जयपुर में स्थित ग्राउन्ड फ्लोर का एक फ्लट जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रमांक 2875, दिनांक 30-12-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम० श्रार० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-7-79

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-वा (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 प्रगस्त 1979

निर्देश सं० राज॰/सहा० ग्रा॰ श्रर्जन/588—-ग्रतः मुझे एम० श्रार० श्रग्रवाल

षायकर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० डी-81 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्या ता तहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय को वाबत, उक्त भिक्षित्यम के भिक्षित, कर देते के भ्रम्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी भाष या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के मुविधा के लिए;

द्यतः धव, उक्त धिवित्यमं की घारा 269-मं के धन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के धिधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री भंवरलाल पृत्न सुरजबक्स, कृष्ण मुरारी पृत्न सुरजबक्स, श्रीम प्रकाश पुत्न भंवरलाल व विनोद कुमार पुत्न भंवरलाल खंडेलवाल हिन्दू निवासी 4747/23, दिखागंज, नई दिल्ली-2

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स प्रिन्टवैल, जयपुर जरिए इसके भागीदार श्री शिव शंकर गोयनका, डी-281, टोडरमल मार्ग, बनीपार्क, जयपुर ।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दो का, जो उक्त श्रवि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्य होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी गौड जो प्लाट नं० डी-81, रोड नं० सी, विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर में स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2717 दिनांक, 12-12-1978 को पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० श्रार**० अश्रवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 29 श्रगस्त,1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस •----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर बायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश नं० ए० पी० नं० 612-यतः मुझे सुखदेव चन्द ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से ग्रिविक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो सिविल स्टेणन, भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के किए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:— 1. श्री मनोहर लाल मुख्तयारे श्राम श्रीमती शीला श्रादि वासी फिरोजपुर छ। कनी।

(भ्रन्तरक)

 श्री तेजा सिंह पुत्र सरपत मिंह, सिविल स्टेशन,

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अविक्त इसमें रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी क्य से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य म्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही प्रयंहोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूधी

जमीन जोकि विलेख नं० 4941/25/1/79 जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी भटिङा में लिखा गया है ।

> सुख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिन्डा

तारीख: 1-9-79

प्रह्म प्राइं डी॰ एत० एतः----

आयकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269य(1) के भन्नोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, विनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पो० सं० 613-(यतः मुझे सुख देव चन्द भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके प्रश्नान् 'उक्न प्रश्निनयम' कहा गया है), को प्रारा 259-ख के अधीर सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति किसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में पांधक है और जिसका सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण इस से विश्वत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थी जनवरी, 1979

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास काल हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, पामके कृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रक पितिणत के अधिक है और प्रन्तरित (प्रन्तरितों) भीर प्रन्तरिती (प्रनिरितियों) के बाब ऐसे अनारण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्नलिखित सद्ध्य मे उन्त प्रन्तरण कि बिन में गामण्यिक इन से कथित नहीं कि करण है कर से कथित नहीं

- (७) सन्तरम में हुए शिक्षा आया की बाबत. उक्त आण-नियम े या न तार की ता अन्तरक के अधिक्य के इन्हें का से या नमने बचने में स्विधा के लिए; कैंग्ना
- (व) ऐसी किसी पान या किसी धन न स्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीन प्राथकर अधिनियम, 1922 (1912 का 11) या उनत प्रधितियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो हारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना भाहिए या छिएने में सुन्धा के लिए;

अतः मह तका अधिनियन की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रवित्तिम भी 'गुण 209-घ की उपसारः (।) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---13 --236GI/79 श्री सरोज कुमार पुत्र श्री लरतू राम ग्रादि वासी फिरोजपुर छावनी !

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रविन्दर कौर पुत्नी राम सिंह वासी फिरोजपुर छावनी ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से िक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयंहोगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है !

अनुसूची

जमीन जोकि विलेख नं० 4942/25/1/79 को जोकि रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 1-9-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th August 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In continuation of this office Notification of even number dated 12th April 1979, the President is pleased to appoint Shri Kishan Singh, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to perform the duties of Desk Officer for a further period from 1-8-79 to 29-2-1980 or until further orders, whichever is carlier, in the office of Union Public Service Commission.

2. Shri Kishan Singh shall draw Special pay @ Rs. 75/per month for the period he performs the dutics of Desk Officer in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

S. BALACHANDRAN Under Secy. Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd August 1979

No. 98 RCT 18.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour a permanent Assistant of this Commission in an officiating, capacity with effect from 16th August 1979 to 24th August, 1979 or until further orders or whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 22nd August 1979

No. PF/PD/6/6144.—Further to this office notification No. PD/6/2535 dated 13-6-79 Shri C. P. Bhatia, Asstt. Works Manager is permitted to officiate on an ad-hoc basis in the post of Assistant Works Manager from 7-6-1979 to 2-7-1979 in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 during the extended period of leave of Shri M. Padmanabhan, Asstt. Works Manager from 7-6-1979 to 2-7-1979. His pay as Assistant Works Manager will continue to be Rs. 880 P. M. under F. R. 22(C).

No. F. S-3/6149.—Further to this office notification No S/3/908 dated 24-4-1979 Shri K. N. Domble, Stores Officer is allowed to continue to officiate as Stores Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 for a further period of 27 days from 1-6-1979 to 27-6-1979 vice Shri M.L.S. Gangola, Stores Officer has extended the leave.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 24th August 1979

No. Admn.1/O.O.258/5-6/79-80/1054.—The Director of Audit, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer, with effect from the afternoon of 3rd August. 1979, until further orders.

S. No. Name

1. Shrì H. S. Govila

Sd./- ILLEGIBLE Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 21st August, 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ORGANISATION

(Establishment)

No. 6/290/54-Admn.(G)6295.—Shri M. S. Nadkarni formerly Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay, is permitted to retire voluntarily from Govt. service with effect from the forenoon of the 16th July 1979 after availing of the leave preparatory to retirement.

RAJINDER SINGH

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 25th July 1979

No. A-19018(384)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Dubey as Assistant Director (Gr.I) (Mechanical) at Branch Small Industries Service Institute, Silchar, with effect from the forenoon of 18th June, 1979, until further orders.

The 31st July 1979

No. A-19018(377)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. D. Shinde, as Assistant Director (Grade I) (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 28th May, 1979, until further orders.

No. A-19018(387)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Ranjit Singh as Assistant Director (Grade 1) (Mechanical) at Small Industries Service Justitute, Jaipur with effect from the forenoon of 27th June, 1979, until further orders.

No. A-19018(407)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bansal as Assistant Director (Grade I) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Bhiwani with effect from the forenoon of 26th June, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th August 1979

No. A-1/1(1141).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri C. Lobo, Superintendent to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr.II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, with effect from the forenoon of 4-8-79 vice Shri S. K. Desai retired.

2. Shri Lobo will be on probation for a period of 2 years from 4-8-79.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi the 20th August 1979

No. A6/247(272)/60-II.—Shri N. B. Rao permanent Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and officiating inspecting Officer (Engg.) (Grade III) of Indian Inspection Service, Group A, Engg. Branch) in the office of DDI, Kanpur under the Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi under this Dte. General retired on 31-7-79(AN) on attaining the age of superannuation (i.e. 58 years).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 18th August 1979

No. 5067B/A-30013/2/78-19C—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared quasi-Permanent in the grade and with effect from the dates shown against each of them:

Sl. Name No.	Designation	Date from which declared Quasi- Permanent	
(1) (2)	(3)	(4)	
1. Shri K. N. Nanda	Asstt. Geologist	28-8-75	
2. Shri T. Kameswara Rao	Do.	8-11-1977	
3. Shri Shibesh Chandra	Do.	7-2-1977	
4. Shri Apurba Chatterjee .	Do.	18-1-1977	
5. Shri Saroj Kr. Barua	Do.	1-10-1977	
6. Shri Satyendra Kr. Awasthi	Do.	15-7-1977	
7. Shri Dhrubajyoti Das Gupta	Do.	16-12-1977	
8. Dr. T. P. Upadhyaya.	Do.	9-12-1977	
Shri Prakash Chandra	Dø.	11-4-1978	
10. Shri Sudesh Kumar	Do.	4-12-1977	
11. Shri Anil Mehrotra	Do.	1-4-1978	
12. Shri Harsh Gupta	Do.	17-5-1978	
13. Shri Sharadindu Mukherjee	Do.	7-12-1977	
14. Shri Rabindra Nath Ghosh	Do،	9-6-1978	
15. Shri Prem Kumar	Do.	31-1-1978	
16. Km. Lakshmi Ghosh	Do.	11-11-1977	
17. Shri B. Zaheer	Do.	30-6-1978	
18. Shri Kumud Sharma	Do.	11-3-1978	
19. Shri B. K. Hore	Do.	9-1-1978	
20. Shri Des Raj	Dø.	9-7-1978	
21. Shri Sutanu Sarkar	Do.	4-1-1978	
22. Shri Rakesh Ch. Misra	Do.	10-3-78	
23. Shri J. K. Sircar	Asstt. Geophysicist	16-10-1976	
24. Shri Ashok Kr. Sood	Asstt. Geologist	27-1-1978	
25. Km. Banani Bardhan .	Do.	9-5-1978	

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st August 1979

No. A-19011(235)78-Estt.A.—On his attaining the age of superannuation on 31st July, 1979 (afternoon), Dr. L. C. Randhir, Pmt. Administrative Officer and Offig. Senior Administrative Officer. is relieved of his duties in the

Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st July, 1979 and accordingly struck off the strength of the effective estalishment of this department.

S. BALAGOPAL Head of Office for Controller

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE,

Dehradun, the 22nd August 1979

No. E1-5542/PF(V.E. Raman).—The resignation tendered y Shri V. E. Raman, Assistant Manager in the Survey of India, G.C.S. Group 'B' Service, is hereby accepted with effect from the forenoon of the 4th Sept. 1978.

The 24th August 1979

No. C-5543/594.—Shri Dhum Singh, Technical Assistant, Selection Grade is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200 with effect from 11th July 1979 (FN)

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India Appointing Authority

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORES I SECTION)

New Delhi, the 21st August 1979

No. A.19011/6/78-S1.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Desikan in the post of Deputy Assistant Director General (Stores), Govt. Medical Stores Depot, Madras, with effect from 1-11-78 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.19011/7/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri Vishwa Vibhuti in the post of Depot Manager, Govt. Medical Store Depot, Gauhati, with effect from the forenoon of 26th July 1979, on a temporary basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Admn.(O&M)

New Delhi, the 18th August 1979

No. A.12025/1(ii)/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Pradip Kumar Guha in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Stores Depot, Madras, with effect from the forenoon of 1st August, 1979, on a temporary basis and until further orders.

P. K. GHAI Officer on Special Duty (Stores).

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 24th August 1979

No. A.19025/122/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Shivnath Singh Tomar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate with effect from the 9th January, 1979 (A.N.) until further orders.

No. A.19025/12/79-A.III.—On the recommendation of the D.P.C. Shri J. S. Uppal, Senior Inspector has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this

Directorate at Faridabad, with effect from 18-8-79 (A.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay, the 19th June 1979

No. PA/64(5)/78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Dharam Vir Singh Dhoriwal as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Radiochemistry Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 16, 1979 until further orders.

The 5th July 1979

No. PA/73(4)/79-R-IV.—In continuation of Notification of even number dated June 15, 1979, the Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Ravindra Raghanath Jahagirdar as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of July 6, 1979 to August 4, 1979 A.N.

The 18th July 1979

No. PA/73(16)78-R-IV.—The Director, BARC, appoints Dr. (Smt) Chitra Gaur, as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 13, 1979 until further orders.

S. RANGANATHAN, Dy. Establishment Officer(R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 20th August 1979

No. RAPP/04627/Admn/79/S/403—Consequent on their transfers to Narora Atomic Power Project, P.O. Narora, Distt. Bulandshahr (U.P.), the following Officers of this Project relinquished charge of their posts on the dates indicated against each —

S. Nume No.		Pmt. QP post held	Officiating post	Date of relinquish- ment of charge of post
(1) (2)		(3)	(4)	(5)
1. Shri Prabhu Day	al .	. Pmt. A/ Foreman	Scientific Officer/ Engineer grade SB	15-6-1979 (AN)
2. Shri I. P. Chand	na .	Quasi-Pmt	Do.	15-6-1979 (AN)
3. Shri D. N. Bajaj	-	Pmt SA 'C'	Do.	15-6-2979 (AN)
4. Shri K. L. Sharn	na .	Pmt Foreman	Do.	15-6-1979 (AN)
5. Shri D. S. Dhdw	al.	. Pmt Foreman	Do.	15-6-1979 (AN)
6. Shri S. K. Lal		. Quasi-pmt Foreman	До.	15-6-1979 (AN)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
7. Shri I	. M. L. Nambiar	Pmt Foreman	Do.	30-6-1979 (AN)
8. Shri I	P. Gupta	Pmt A/ Foreman	Do.	30-6-1979 (AN)
9. Shri l	R. C. Dindoliwal	Quasi-pmt SA 'C'	Do.	30-6-1979 (AN)

GOPAL SINGH,

Administrative Officer (E)

BILAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 18th Augu (1979

Ref No. HWPs. Estt./P-20/5070.—Office. on Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ghanshyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project w.e.f. May 7, 1979 to June 12, 1779 vice Shri S. C. Thakur, APO, granted Jeave.

The 21st August 1979

Ref. No. HWPs/Estt/1/R-61/5113.—Officer-on-Special Tuty, Heavy Water Projects, appoints Shri Cadammattu Pachupillai Radhaktishnan, an officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same project, in a temporary capacity, on ad hoc basis, from May 18, 1979 (FN) to July 16, 1979 (AN) vice Shri D. Chattopadhyay, Assistant Accounts Officer, repatriated to his parent office.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401504), the 18th August 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri P. M. Mohamed Basheer an officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project, Tuticoria, as Assistant Accountant in Officer in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 9, 1979, until further orders.

He will be on probation for one year from the date of his appointment as Assistant Accounts Officer.

A. D. DESAU Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 21st August 1979

No. E(1)06334.—Sri B. K. Lamba, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarter Office of the Director General of Meteorology, New Delhi was permitted to retire voluntarily from Govt, service with effect from 11-6-1979 afternoon and granted carned leave for 57 days from 8-6-79 to 3-8-79 followed by Half Pay Leave for 45 days from 4-8-79 to 17-9-79 in pursuance of para No. 3 (xiii) of the Department of Personnel & Administrative Reforms O. M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-77.

G. R. GUPTA
Director
For Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th August 1979

No. A.12025/1/76-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri T. K. Moitra as Senior Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from 9-8-1979 (F.N.) and until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta.

S. L. KHANDPUR Deputy Director of Administration

New Delhi, the 17th August, 1979

1.0. A.32013/4/79E.I.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Chandrasehkar, Deputy Director, Research & Development and at present officiating as Director, Research & Development on ad-hoc basis, to the post of Director, Research & Development, Civil Aviation Department, on regular basis, with effect from the 6th July, 1979, until further orders.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

New Delhi, the 22nd August 1979

No. A.32013/1/79-EC.—Shri A. Ramanathan Senior Technical Officer in the office of Director General of Civil Aviation (HQ), New Delhi relinquished charge of his office on the 31-7-79(AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Kesho Nath, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Nagpur to the grade of Asst. Technical Officer on nd-hoc basis with effect from 17-7-79 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Bombay.

No. A.32014-4 78 EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. L. Chopra, Communication Assistant, Aeronautical Communication, Station, Gwalior to the grade of Assit. Communication Officer on regular basis with effect from 27-2-79(AN) and to post him at the same station.

No. A.32013/9/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. S. S. Money, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 5-7-79 (FN) for a period of six months or till regular appointments to the grade are made, which ever is earlier and to post him at the same station.

No. A.32013/10/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Puri, Senior Communication Officer in the Office of the Director General of Civil Aviation to the grade of Assistant Director of Communication on regular basis with effect from 17-7-79 (FN) and to post him in the same office.

No. A.38012/1/79-EC.—Shri A. Viswanathan, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.39012/3/79-E.C.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri Narasimba Rao, Technical Officer in the office of the Director, Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi with effect from 20-6-79(AN).

GIRDHAR GOPAL Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-1, the 10th August 1979

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 2/79.—Shri A. K. Raghunathan, a Union Public Science Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 27-6-79 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 18th August 1979

No. 3/79.- Shri B. C. Mahay an Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Leather Expert) in this Custom House with effect from 3-8-79 FN in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years

A. C. SALDANHA Collector of customs

Indore, the 27th August 1979

No. 10/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise Group 'B' Shri V. S. Bhatnagar, Inspector of Central Excise (S.G.), has assumed charge as Superintendent Central Excise Ranges Bhopal in the foremon of 21-7-79.

S. K. DHAR Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 22nd August 1979

No. 3—The following officers are hereby appointed to officiate as District Opium Officer/Supdt. (Executive), Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each:—

S. No.	Name and designation	1	ì	Date from which appointed
(1)	(2)			(3)
	. Mathur. rict Opium Officer,			23-7-1979
Dist	t. Malaw, riot Opium Officer, abgarh.	•		7-7-1979
Sale: Gov Und	i. Khan, s Manager, t. Opium & Alkaloid Wo leriaking, zipur.	rks,		14-6-1979
Dist	J. Bhatia rict Opium Officer, much I.	. ,		6-7-1979

M. L. WADHAWAN, Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 20th August 1979

No. A-19012/681/77-Adm.V.—Chairman, Water Commission hereby accepts the resignation from Government Service tendered by Shri P. Kunhahamed, Assistant Engineer, Central Water Commission with effect from the afternoon of 9th March, 1979.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sharan Krupa Agriculture & Dairy Farming Private Ltd.

Bangalore-56009, the 19th July 1979

No. 2127/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sharan Krupa Agriculture & Dairy Farming has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Technochem Services Private Ltd.

Bangalore, the 22nd August 1979

No. 2440/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Technochem Services Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1979

Ref. No. ARIII/AP303/79-80.—Whereas, I, V. S. SHES-HADRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ARIII/AP 303/79-80.—Whereas, I. V. S. SHOSHADRI No. Plot No. 41; CTS No. 157, 158 situated at Chakala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-78 document No. S.1828/78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dattatraya K. Kale Smt. Usha D. Kale, (Transferor)
- (2) Educational & Scientific Equipments Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 1828/78 and registered on 4-12-78 with the Sub Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bombay

Date: 30-6-79

FORM ITNS-----

(1) Damodor Manik Keny,

THE ALL THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 29 August 1979

Ref. No. ARII/2752-5/Feb-79.—Whereas, I, P. 1. ROONGTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 451; C.S. No. 973 situated at Pakhadi Vikhron-malad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 7-2-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Educationel & Scientific Equipments Pyt, Ltd.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedole as mentioned in the Registered Deed No. S. 2446,74 and registered on 7-2-79 with the Suh Registrar Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II Bombay

Date: 29-8-1979

FORM ITNS- ---

(1) Sri Ganesh Vaidya Lingam

(2) Smt. Mira Sen

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT-COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 29th August 1979

Ref. No. ARIII/AP 304/79-80.—Whereas, I, P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 27 Survey No. 409 & 410 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 7-2-1979 document No. S. 533/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14--236GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 533/78/Bom and registered on 7-2-79 with the Sub Registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III Bombay

Date: 29-8-79

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th August 1979

Ref. No. I A.C. Acq. I/S.R. III/12-1978/1978-79/857.—Whereas, I. MISS ANIANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F-8 Kailash Colony, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Sahai Sood s/o Shri Nand Lal Sood, R/o F-8 Kailash Conlony, New Delhi.
- (2) (1) Mr. Bishan Singh Bhogal S/o Late Shri Phuman Singh Bhogal.
 - (2) Mr. II. S. Bhogal S/o Shri Bishan Singh Bhogal,
 - (3) Shri Jaspal Singh Bhogal S/o Shri B. S. Bhogal R/o Port of Spain Trindad, West Indies.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 8 Block No. 'F' measuring 552.90 Sq. yards in the residential colony known as Kailash Colony, New Delhi together with the entire buildings and structures built there-on and also electrical and other fittings and fixture including eight ceiling fans and three hot water geyers, lawns, paths and passages bounded as under:

East: Service lane, West: Road. North: Road. South: F-7-A.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Dolhi/New Delhi

Date: 27-8-1979

_ Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Nand Lal Kanoria S/o Shri Prahladraj Kanoria R/o 5 Ronaldshay Road, Calcu.ta.

(Transferor)

(2) M/s. Anant Raj Agencies: Laxmi Narain Street, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001 New Delhi, the 29th August 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. 1/S.R.1II/12-1979/909.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural lands, situated at village Shourpur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on 26-12-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 44 Bighas and 18 biswa with tube well and boundry wall situated at village Shourpur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delbi

Date: 29-8-79

FORM LTNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ΛLI ROAD NEW DELHI

New Delhi-110001, the 30th August 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/12-1978/898.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

II-M/14-B situated at Lajpatnagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Santosh Kapur wife of Shri Krishan Lal Dr. Roshan lal son of Manakchand Mrs. Rashmi Chopra wife of Jasbir Chopra, Miss Ritu Kapur: All Residents of Λ-452 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Sarup wife of R.S. Verma, Resident of : II-M/14-B, Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storyed house bearing No. II-M/J4-B, measuring 100 Sq. yards, situated at Lajpatnagar, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi,

Date: 30-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 24th August 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/12-1978/1978-79/905/ 2532.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
W-101 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

at New Delhi on 26-12-1978 for an apparent consideration which

1908) in the office of the Registering Officer

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chunni lal Passi son of Shri Mela Ram Passi Resident of ', R-17 Indra Market, Sabzi Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Kanhaiya I al Jain son of Shri Rangi lal Jain, Resident of: B-4 Greater Kailash-Enclave-II, New Delhi-1948.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. W-101 measuring 1,000 Sq. yards situated in the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under:

North: Plot No. W-99.

South: W-105.

East: 40 ft. wide road.

West: 15 ft. wide service lane.

MJSS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 24-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 29th August 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/12-1978/1978-79/878.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural lands situated at village Nebsarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Mir Singh son of Shri Bhagwan Singh Resident of: Village Nebsarai, New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. Elbee Duggal Engineering Company (P) Limited, 192 Golf Link, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 42 bighas and 6.\(\frac{3}{4}\) biswas out of the khasra numbers as more fully specified in the instrument of transfer registered with the Sub-Registrar, New Delhi in the month of Dec., 78.

MISS ANJANI OZA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 30th August 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R. III/12-1979-79/899.—Whereas, Ifi MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

II-M/14-A situated at Lajpatnagar, New Delhi

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 23-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) (1) Mrs Santosh Kapur wife of Mr. Krishan Lal Kapur,

(2) Dr. Roshan Lal Kapur son of Shri Manak Chand Kapur, through her attorney Mr. Chanan lal Swani Residents of : A-332 Defence Colony, New Delhi.

(3) Miss Ritu Kapur

(4) Mrs. Rashmi Chopra, wife of Jasbir Chopra, Resident of -332 Defency colony, New Delhi. (Transferor)

 Dr. Baljinder Kaur wife of Shri Mohan Singh Resident of: 1I-M/14-A Lajpatnagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house No. II-M/14-A measuring 263 Sq. yards situated at Lajpatnagar, New Delhi, and bounded as under:

East: Service Lane, West: Road, North: II-M/13 South. II-M/14-B.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquistion Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 30-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD

> > New Delhi, the 27th August 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/2-1979/1978-79/1074.—Wheeras, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51 Hanuman Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Sant Sev Knur wife of S. Bhadur S. Ujjal Singh 12 Curzon Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) (1) M/s. H. S. Investment Private Ltd., C-150 Defence Colony, New Delhi,
 - (2) M/s. Baba Properties (P) Ltd., C-150 Defence Colony, New Delhi.
 - (3) M/s. Sawhney Investments (P) Ltd. C-150 Defence Colony, New Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immuovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A bunglow No. 51 measuring 1258 Sq. yards situated at Hanuman Road, New Delhi, more fully described in the instrument of transfer registered in the month of February, 1979 before the Sub-Registrar, New Delhi.

MISS ANJANI OZA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 27-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II 4/11A, ASAF ALL ROAD

New Delhi-110001, the 24th August 1979

No. 1AC Acq-11 Dec-78/1435/2656, --- Whereas, 1, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

59/D, situated at Doriwalan Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 18.12.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--15-236GI/79

Shri Krishan Lal Narula S/o Dewan Narain Narula R/o 11098, Doriwalan, Shidipura Delhi. (Transferor)

(2) Shri Shov Narain Mittal S/o Lala Ganga Prashad 2 Sh. Vijay Kumar Mittal S'o Shiv Narain R/05748 Basti Harphool Singh, Sadar Dhana Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share out of land measuring 1867 sq. yads. bearing plot No. 59 Block D Khasra No. 321/72/31/1 alongwith single storeyed building constructed on the said situated at Doriwalar Shidipura Ward No. XIV, New Delhi and bounded as under :-

East: Property of Nand Lal Aneja

West: Property No. 11099 North: Street.

South: Service Lane.

R. B. L. AGGRAWAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 24.8.1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 24th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/1436/78-79/2656.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/28, situated at Roop Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6.12.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri (1) Subhash Chander Mehta S/o Late Sh. Moti Ram Mehta (2) Shanti Devi W/o Moti Ram Mehta R/o 50-E, Kamla Nagar Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ram Avtar Gupta S/o Mool Chand (2) Ramesh Kumar Gupta S/o Thandi Ram Gupta (3) Padam Chand S/o Mool Chand (4) Usha Gupta W/o R. K. Gupta R/o 4/40, Roop Nagar Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7/28, Roop Nagar Delhi with the land measuring 651 sq. yds, and bounded as under:—

North: Property No. 7/29

South Road, Fast Road. West Road.

R. B. L. AGGRAWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Dolhi/New Delhi,

Date: 24.8.1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SJONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 24th August 1979

Ref. No. IAC/Acq. II/1434/78-79/2656.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

7/27 situated at Kirti Nagar, Industrial Area, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:-

(1) Shri Hari Chand Bassi & Shri Prem Chand Bassi, S/o late Shri Kanshi Ram Bassi, r/o F-11, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi-7, through his G.A. Sh. Brij Lal S/o late Sh. Ganpat Rai, 8/8, Punjab Bagh, New Delhi-26.

(Transferor)

(2) M/s. Globe Engineering Co. 3/22, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold plot of land measuring 1867 sq. yds. bearing No. 7/27, in Kirti Nagar Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi and bounded as under :—

East-South: Plot No. 26 and Factory thereon

West-North: Road. North-East: Plot No. 16 and Factory thereon.

South-North . Road.

R. B. L. AGGRAWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 24.8.1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Inder Sain & Smt. Bimla Devi R/o D-2/11.Model Town Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/78-79/2657,—Whereas, I, R. B. 1. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Z-1, situated at Model Town Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. Kusum Kumari Sabbarwal W/o Sh. Jilak Raj Sabharwal R/o Z-1, Model Town Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building constructed on a free hold plot of land No. 1, in Block 'Z', measuring 251.1 sq. yds. situated in the residential colony known as Model Town, near Kingsway Camp Delhi, formerly known as Village Malikpur Chhaoni, Delhi and bounded as under :--

East: Building constructed on plot No. 'Z-2'. West: Road. North: Building constructed on plot No. Z-12.

South: Road.

R. B. L. AGGRAWAL Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/78-79/2657.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

24 situated at South Patel Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:--

- (1) Shri Gulshan Rai Sachdeva S/o Sh. Mangal Sachdeva R/o 24-South Patel Nagar, New Delhi. (Transferors)
- (2) Shri Dwarka Dass Khanna and Narinder Kumar Khanna sons of Shri M. M. Khanna, R/o 37/11. East Patel Nagar New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property No. 24 built on plot of land measuring 500 sq yds. situated in South Patel Nagar, New Delhi.

> R. B. L. AGGRAWAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Dec.78.—Whereas 1, R. B. L. Aggra-wal.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. E-4/22-A situated at Model Town area of Village Malikpur Chhaoni Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narinder Nath Aggrawal S/o Baij Nath R/o 9-D, Railway Board Flats, Sarojini Nagar, New Delhi as Karta of J. H.F. (HUF) R/o 53/82, W.E.A. Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Navcen Kumar Chanana S/o Narinder Kumar Chanana and Sh. Narinder Kumar S/o Tulsi Dass R/o E-4/22, Model Town Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of free-hold plot of land bearing Plot No. 22-A, in Block E-4 (E-4/22-A), measuring 450 sq. yds, situated in the colony known as Model Town, area of village Malikpur Chhaoni Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. E-4/23-C South: Plot No. E-3/22

East: Road

West: Plot No. E-3/21 & 21-B.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 29-8-1979

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II 4/14A, Asaf Ali Rond, New Delhi-110001

> > New Delhi, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/78-79.--Whereas I, R. B. L. AGGRAWAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6 situated at of Building known as Madras House, M.C.D. No. 67/4, Darya Ganj Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on December 1978,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Mahadevi W/o Sh. Rameshwar Dayal 7-Darya Ganj New Delhi at present R/o 67/4, Daryaganj New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass Tandon S/o Sh. Laxmi Chand Tando n.18/273, Karampura Moti Nagar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, of building known as Madras House, M.C.D. No. 67/4, Daryaganj New Delhi bounded as under:

North: Flora Hotel Building
South: Public Road
East: Public Road
East: Public Road
Wast: Flora No. 2 & 8

West: Flat No. 3 & 8.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Delhi/New Delhi.

Date: 29-8-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 25th July 1979

Ref. No.ASR/79-80/104.—Whereas I, M. K. Dar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 43K 4 M. situated at village Nizampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid excecds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) Shri S. Tara Singh s/o Teja Singh villag. Nijampura tehsil Ajnala

(Transferer)

(2) Shri S. Joginder Singh 3/0 Jiwan Singh Village Kala Ghanupur Teh. Taran Taran, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- *(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 kanals 4 marlas situated in village Nijampura tehsil Ajuala as mentioned in the sale deed No. 3425 dated 12-12-78 of the registering authority, Ajuala.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 25-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar the 25th July 1979

Ref. No. Ajnala/79-80/105.—Whereas, I M. K. Dhar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 24 K in vill. Nijampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Ajnala on 19 December, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

16-236GI/79

 Shri Kulwant Singh s/o Teja Singh village Nijampura Tehsil Ajnala.

(Transferor

(2) Shri Joginder Singh s/o Jiwan Singh village Kala Ghanupur Teh. Taran Taran (Amritsar)

(Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- *(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals situated in village Nizampura tehsil Ajnala, mentioned in the sale deed No. 3427 dated 12-12-78 of the registering authority, Ajnala,

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date: 25-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th July 1979

Ref. No. ASR/79-80/106.—Whereas I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One residential house situated at Husain Pura ASR. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Amritsar City on 19 December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitatin, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tarlok Singh s/o Surain Singh r/o Husain Pura now 17/10 Keneddy Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh s/o Udham Singh r/o Mattia tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 56C/13 situated in Husainpura, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3428/I dated 16-12-78 of the registering authority Amritsar.

Sh. Gurjit Singh c/o 56/C/13, Husainpura. Shmt. Kaushlya c/o 56/C/13, Husainpura.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date: 25-7-79

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 25th July 1979

Ref. No. TT/79-80/107.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One kothi No. 12/262 situated at Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of at SR Taran Taran on 19 March, 1979

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Gurpal Singh adopted s/o Maj. Harinder Singh r/o Raja Sansi. Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Harjinder Singh s/o S. Mohan Singh, Taran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- *(4) Any other person(s) interested in the property

 (Person whom the undersigned knows to be interested
 in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 12/262 situated in Taran Taran as mentioned in the sale deed No. 6789 dated 6-3-79 of the registering authority, Taran Taran,

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amitsur

Date: 25-7-79

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1979

Rcf. No. ASR/79-80/108.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of residential house situated at Haveli Jamadar, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritspr, on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushila Khanna w/o S. Brij Mohan r/o Haveli Jamadar Gali Burj wali, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Lal s/o Sh. Mool Chand r/o Bazar Batti Hattan Amritsar, (Transferee)

- *(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- *(4) Any other pcrson(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of residential house No. 2929/10 situated at Haveli Jamadar, Gali Burj Wali, old construction Amritsar, as mentioned in the regd. sale deed No. 2902/1 dated 22-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range

Date: 27-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1979

Ref. No. ASR/79-80/109.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/3rd share of house No. 2929/10 situated at Haveli Jamadar, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on 19 January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Arun Khanna s/o Sh. Brij Mohan r/o House No. 2929/10, Haveli Jamadar, Geli Burj wali, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Romesh Rani w/o Sh. Harbhajan Lal r/o Bazar Batti Hattan near Jangimal, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of residential house No. 2929/10 situated at Haveli Jamadar, Gali Burj wali, Old construction Amritsar, as mentioned in the regd. sale deed No. 3900/1 dated 22-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Annitsar

Date: 27-7-79

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1979

Ref. No. ASR/79-80/110.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of residential house, at the state of the sta

situated at Haveli Jamadar, Amritsar (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Sh. Sunil Khanna s/o Sh. Brij Mohan, r/o Haveli Jamadar Gali Burj wali, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Lal s/o Sh. Mool Chand r/o Bazar Batti Hattan, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the Property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of residential house No. 2929/10, situated at Haveli famadar, Gali Muri Wali, old construction, Amritsar, as mentioned in the regd. sale deed No. 3903/1 dated 22-1-1979 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsur

Date: 27-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Λ CQUISITION RANGE, Λ MRITS Λ R

Amritsar, the 27th July 1979

Ref. No. ASR/79-80/111.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One residential house,

situated at Kila Bhangian, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Tarlochan Singh, Harbhajan Singh & Jawtar Singh, ss/o S. Harnam Singh, r/o 141-42 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Manohar Lal r/o House No. 1263/8 (purani imarat), Nimak Mandi, Gali Jargaran, Amritsar.

(Transferors)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 2216/8, situated at Kiln Bhangian Gali Kharasian as mentioned in the sale deed No. 3948/I dated 24-1-79 of the registering authority of Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritstr

Date: 27-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th July 1979

Ref. No. PTK/79-80/112.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land, situated at village Dhabka, Teh. Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trainfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shrl Ajit Singh, Wajir Singh, ss/o Teja Singh, Vil. Balma, Tehsil, Pathankot.

(Transferors)

(2) S/Shri Shiv Singh, Balwant Singh, ss/o Jaywant Singh, Village Katari Chak, Tehsil Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 52 kanals 4 marlas, situated at village Dhabka Tehsil, Pathankot as mentioned in deed No. 2020/dated 8-12-78 of the registering authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-7-1979

 Smt. Joginder Kaur w/o Jagjit Singh, Jagjit Singh s/o Sewa Singh, 167, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th July 1979

Ref. No. ASR/79-80/113.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One House No. 167, situated at Ajit Nagar Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar City, on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Satwinder Kaur w/o Davinder Singh, Davinder Singh, s/o Jagjit Singh, 167, Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 167, situated in Ajit Nagar, Amritsar (area 352 sq. yds) as mentioned in the sale ned no. 4343/1 dated 26-2-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-7-1979

Seal:

7-236GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1979

Ref. No. Ajnala/79-80/114.—Whereas I, M. L. MAHA-JAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land, situated at Village, Dudhrai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. AJNALA in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marmarket value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Avtar Singh s/o Surain Singh, Sadhu Singh Gurmit Singh, ss/o Avtar Singh, r/o Rai Sharkalan, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

(Trunsferor)

PART III--SEC. 1

(2) S/Shri Jaswant Singh, Balbir Singh, Dalwinder Singh Kashmir Singh, ss/o Piara Singh r/o Dudhrai, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 174 kanals 17 marlas, situated in village Dudhrai Tehsil Ajnalo as mentioned in the sale deed No. 3319 dated 5-12-1978 of the registering authority Ajnala.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-7-1979

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1979

Ref. No. Ajnala/79-80/115.—Whereas I, M. L. MAHA-JAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land, situated Vill. Saidupura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ajnala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Shinda Singh s/o Parshotam Singh, Village Saidupura, Tehsil Ajnala. Distt. Amritsar.

(Transferor)

 S/Shri Gian Singh, Jarnail Singh, Gurnej Singh, Baldev Singh Hardev Singh, Sukhdev Singh, ss/o Kartar Singh, Village Saidupura, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 55 Kanals 1 marla, situated in village Saidupura, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3522 dated 18-12-1979 of the registering authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1979

Ref. No. Ajnula/79-80/116.—Whereus I, M. L. MAHA-JAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land, situated at Vill. Manj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Amritsar city in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Tarlok Singh, Anokh Singh, Banta, Singh, Baldev Singh, ss/o Piari, w/o Joginder Singh, s/o Banta Singh, Village Manj, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferors)

(2) S/S Salvinder Singh, Gurbir Singh, ss/o Piara Singh etc, village Manj, Tehsil Ajnala, Distt, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 59 kanals 1 marlas, situated in village Manj, Tehsil Ajnala, as mentioned in the regd. deed No. 3649 dated 23-12-78 of the registering authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1979

Ref. No. ASR/79-80/117.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/2 share in shop,

situated at Partap Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Amritsor City on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. Ram Lal s/o Sh. Dayla Shankar, R/o Ranjit Gali, Paharh Ganj, Delhi House No. 1499, Now Amritsar.
 (Transferor)
- Sh. Manohar Lal & Ramesh Kumar, ss/o Sh. Tilak Raj, Partap Bazar, Gali Nakasha, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 238/2-4,371/2-8, 615/2 situated at Partap Bazar, Sarwan Gali Takash, Amritsar as mentioned in the registered deed 4522/1 dated 15-3-1979 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1979

Ref. No. ASR/79-80/118.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in shops,

situated at Partap Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on December, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties less not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I heeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. R. P. Kumaria s/o Sh. Daya Shenkar r/o 235A Subash Nagar Moga, Tehsil Moga, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Sh. Manohar Lal & Romesh Kumar, ss/o Sh. Tilak Raj, r/o Amritsar Partap Bazar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 238/2-4, 371/2-8, 615/2, situated at Partap Bazar, (old construction) Amritar as mentioned in the sale deed No. 3395/I dated 14-12-78 of the registering authority, Amritar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsav

Date: 2-8-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/119.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at One residential house in Chowk Passian, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashwani Kumar Khosla and Karamjit Khosla ss/o Shri Sat Pal and Smt, Sashi Bala, Chanchel Rani and Sanjog Rani, ds/o Sh. Sat Pal, r/o Chowk Passian, Gali Rababi, Amritsar.

(Transferor)

 Sant Baba Scwa Singh Ji s/o Guru Gobind Singhji, r/o Guru Ka Mahal, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 1035/11 (area 109 sq. mtrs) situated in chowk, Passian, Amritsar as mentioned in Regd. deed No. 3918/I, dated 23-1-79 of the registering authority Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Amritser.

Date: 6-8-1979

FORM I.T.N.S.— --

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/120.—Whereas J, M. L. MAHAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at One plot at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar city in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Murli Dhar s/o Sh. Paharu Mal, r/o Mal Road Near Ram Ashram School, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Subash Marwah s./o Sh. Mali Ram Marwah, r/o 123 Joshi Colony Amiitsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenent(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 200 sq. yds. situated on Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3276/1 dated 6-12-78 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 7-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/121.-Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR ASR city in December, 1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

18-236GI/79

object of :-

 Sh. Chander Kishore s/o Sh. Murli Dhar, r/o Mall Road near Ram Ashram School, Amritaar.

(Transferor)

 Dr. Subash Marwah s/o Sh. Mali Ram r/o 123, Joshi Colony, Amritsar.

(Transferc'c)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 200 sq. yds, situated on Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 3331/I dated 12-12-1978 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 7-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/122.—Whereas, I,

M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot situated at Radha Swami Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR ASR city on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons namely:—

 Sh. Jugal Kishore s/o Murlidhar r/o Mall Road, near Ram Ashram School, Amritsar.

(Transferor)

 Dr. Subash Marwah s/o Sh. Mali Ram Marwah, r/o 123 Joshi colony, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) In occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 200 sq. yds situated on Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 3275/1 dated 6-12-78 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Amritsar.

Date: 7-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

ΛMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1979

Ref. ;No. ASR/79-80/123.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. One plot of land at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR ASR city, December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Nawal Kisore s/o Murli Dhar r/o Mall Road, near Ram Ashram School, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Dr. Subash Marwah s/o Sh. Mali Ram r/o 123 Joshi Colony, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) In occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 200 sq. vds situated on Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3284/I dated 6-12-78 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 7-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/124,—Whereas, I, M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land at Radha Swami Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar city, December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- 1. Sh. Brij Kishore s/o Sh. Murli Dhar r/o Mull Road near Ram Ashram School, Amritsar.
 - (Transferor)
- Dr. Subhash Marwah s/o Sh. Mali Ram Marwah, 123 Joshi Colony, Amritsar.
 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) In occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property [Persons(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 200 sq. yds. situated on Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3339/ I dated 12-12-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 7-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1979

Ref. No. ASC/79-80/125.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot situated at Kot Ram Saran Dass Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar city at December, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to thhe following presents, namely:—

- S/shri Kishan Gopal, Rakesh Kumar, Bhola Nath ss/o Sh. Panna Lal partners of M/s. Panna Lal Kishan Gopal, Bazar Kathian, Amritsar.
- Sh. Narinder Nath Kochar s/o Sh. Harkishan Kochar, r/o 7 Shaheed Nagar, Ram Tirath Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) In occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property lPersons(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 100 sq. mtrs. situated in Abadi Kot Ram Saran Dass, Ram Tirath Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3471/I dt. 20-12-78 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 9th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/126.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorpe-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One house situated in Gopal Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

ASR city in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Harbhajan Kaur w/o Narinder Singh, r/o 3324
 Singltary Lan Plato Taxis, 75023 UMA New Delhi. (Transferor)
- Smt. Surinder Kaur w/o Gurcharan Singh, Advocate r/o 11, Gopal Nagar Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) In occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property [Persons(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms nd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 11 situated in Gopal Nagar Amritsar as mentioned in sule deed No. 3246/f dated 5-12-78 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-8-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/127.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

One kothi No. 117 situated at Mall Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar city on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Narain Khurana s/o Lala Bal Mukand r/o 117, Mall Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Kidar Nath s/o Lala Hari Ram Arora, Nimak Mandi, Gali Kandharian and 117-Mall Road,

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]

Amritsar.

(4) Any other person(s) interested in the property
[Person(s) whom the undersigned knows to
be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 117 situted at Mall Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3462/I dated 19-12-1978 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-8-79

(1) Shmt. Kamla Wati wd/o Rao Sahib Bishan Dass, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/128.—Whereas I,

M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot of land with single storey structure Mall Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer ASR, ASR city on 19 December, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Mahesh Chand s/o Sh. Muni Lal, Katra Khanjana Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq. mtrs) situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3376/I dated 13-12-78 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Amritsar.

Date: 10-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/129.--Wherens I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot of land with single storey structure Mall Road, Amritan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR ASR, city 19 December, 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19—236G1/79

(1) Smt. Kamla Wati wd/o Ri Sahib Bishan Dass, Mall Road, Amritsar (Transferor)

- Sh. Ashwani Kumar s/o Muni Lal, Katra Khajana, Prem Gali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pensors, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq. mtrs.) situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3377/I on dated 13-12-78 of the registering authority, Amritsar, city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/130.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land with single storey structure Mall Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer SR, ASR city in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kamla wati wd/o Rai Sahib Bishan Dass, r/o Mall Road, Amritsar.
 (Transferor)
- Sh. Banwari Lal s/o Sh. Muni Lal, 30, Shastri Market Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq. mtrs) situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3377/I dated 13-12-78 of the Registering Authority, Amritsar, city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/131.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land with single storey structure Mall, Road Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar city on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, inp ursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla wati wd/o Rai Sahib Bishan Dass, r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

 Smt. Meena Kumari w/o Mukesh Chand, r/o Katra Khajana Prem Gali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) In occupation of the Property)
- (4) Any other person(s) interested in the property (Person(s) who the undersigend knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq. mtrs) situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the regd. sale deed No. 3397/I dated 14-12-78 of the registering authority Amritsar, city.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 10th August-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/132.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land with single storey structure Mall, Road Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, ASR city on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Kamla wati wd/o Rai Sahib Bishan Dass, r/o The Mull Amritsar.

(Transferor)

 Sh Mahesh Chand w/o Sh. Muni Lal r/o Katra Khajana, Prem Gali, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overealf and tenant(s) if any
- (4) Any other person(s) interested in the property

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq. mtrs) situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the regd, sale deed No. 3401/I dated 15-12-78 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-8-79

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-79/133.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land with one single storey building situated at Mal Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR, Amritsar city on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla wati Wd/o Sh. Rai Sahib Bishan Dass, R/o The Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Wati W/o Sh. Ashok Kumar, R/o Katra Khajana Prem Gali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq mts.) situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3398/I dated 14-12-78 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/134.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land with one storcy building situated at the Mall Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR, Amritsar City on December ,1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla wati Wd/o Sh. Rai Sahib Bishan Dass, R/o The Mall Road, Amritsar,

(Transferor)

(2) Smt. Phoolan Rani Wd/o Sh. Muni Lal R/o Katra Khajana, Prem Gali, Amritsar. (Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property,

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq mts.) situated at the Mall, Road, Amritsar as mentioned in registered sale deed No. 3399/I dated 14-12-78 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/135.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land with single storey building situated at the Mall Road. Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR, Amritsor City on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamla wati, Wd/o Sh. Rai Sahib Bishan Duss, r/o The Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Muni Lal, R/o 30-Shashtri Market, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq mts.) situated at the Moll Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3427/I dated 16-12-78 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-8-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/136.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land with single storey building situated at the Mall Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR, Amritsar City on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla wati Wd/o Sh. Rai Sahib Bishan Dass, r/o The Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

 Smt. Meena Kumari W/o Sh. Mahesh Chand r/o Katra Khajana Amritsar, Prem Gali, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single proper storey building (area 370 sq. mts.) situated at the Mull Road, Amritsur as mentioned in the registered sale deed No. 3426/I dated 16-12-78 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-8-1979

FORM ITNS----

(1) Smt. Kamla Wati wd/o Rai Sahib Bishan Dass, r/o the Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Rani w/o Sh. Banwari Lal, Katra Khajana Prem' Gali Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Rcf. No. ASR/79-80/137.—Whereas, I, M. 1. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land with single storcy building situated at the Mall Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar city in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storey building (area 370 sq. mtrs.) situated at the Mall Road, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 3408/I dated 15-12-78 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. ΜΛΗΑJΑΝ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-8-1979.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-236GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th August 1979

Ref. No. BTL/79-80/138.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl land situated at village Khera Tehsil Batala. (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kuldip Singh s/o Narinder Singh Village Kotla Sultan Singh Distt, Amritsar through Narinjan Singh general attorney.

 (Transferor)
- (2) Shri Kashmir Singh s/o Bachan Singh, Village Khehra tchsil Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 17 marlas situated at village Khera, Tehsil Batala as mentioned in registered sale deed No. 5500/- dated 15-12-78 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-8-1979

FORM ITNS __

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th August 1979

Ref. No. BAT/79-80/139.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated in village Sadwan Tehsil Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Batala in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sunder Singh s/o Jawala Singh r/o Sadwan Tehsil, Batala.

(Transferor)

- (2) Shri Chanan Singh s/o Sunder Singh r/o Sadwan, Tehsil Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 50 kanals 19 marlas situated in village Sadwan Tehsil Batala, as mentioned in registered sale deed No. 5668, dated 22-12-78 of the registering authority, BATALA.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th August 1979

Ref. No. BTL/79-80/140.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Samadh Road, Batala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala in December 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sardar Singh s/o Gopal Singh r/o Khajwri gate, Batala.
 - (Transferor)
- (2) Dr. Hardev Singh Sandhu s/o Tara Singh & Shmt. Baljit Kaur Sandhu w/o Dr. Hardev Singh r/o Kacha Kot Nehru Gate, Batala.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 [Person(s) in occupation of the property]
- 4. Any other person(s) intersted in the property

 [Person(s) whom the undersigned knows
 to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 18 marlas situated on Samadhi Road, Batala as mentioned in the registered sale deed No. 5302 dated 6-12-78 of the Registering Authority, Batala.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 18-8-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th August 1979

Ref. No. AMS/79-80/141.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land situated at vill. Malowal Teh. Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar tehsil in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shmt. Bhan Kaur wd/o Surain Singh r/o Malowal Tehsil, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Kurnail Singh, Avtar Singh, Baljit Singh Kapur ss/o Shri Gian Singh r/o Malowal, Tehsil Amritsar.

(Transferees)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals situated in village Malowal Tehsil Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4708 dated 18-12-1978 of the Registering Authority, Amritsar tehsil.

M. L. MAHAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 18-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th August 1979

Ref. No. BGR/DLI/26/78-79.-Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 25, Block B-I, Sector-II, situated at Model Town, Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efficiently property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Smt.
 - 1. Krishna Devi Dalmia.
 - 2. Lalita Dalmio.
 - 3. Aruna Dalmia.
 - 4. Abha Dalmia.
 - Kavita Dalmia.
 - Usha Dalmia, Bela Dalmia.
 - R/o 1-Tees Hazari Marg, New Delhi.

8. Smt. Padma Dalmia of Rajganjpur (Orissa). (Transferors)

- (2) 1. Shri Sham Sunder Mehta S/o Bhagwan Mehta. Dass
 - 2. Smt. Era Mehta W/o Sham Sunder Mehta c/o R. N. Mehta 363/12, Jacob Pura, Gurgaon.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being a vacant plot No. 25 Block B-1, Sector 11, Model Town, Faridabad measuring 1133.3 sq. yds, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 522, dated 6-12-1978 with the Registering Authority at Delhi.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority, Inspecting Asstt. Comissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 27-8-1979.

Segl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/538.—Whereas, I, HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ad bearing

No. Open plot situated at Mount Abu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mount Abu on 22-12-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahavir Singh s/o Shri Pratap Singh, Hindu, R/o Shahpura, Distt. Jaipur, through his special Power of Attorncy Holder, Shri Bhanwar Singh s/o Roop Singh R/o Alwar now residing at Raj Mahal, Mount Abu.

(Transferor)

(2) Brahma Kumari, Prakash Mani, Administrative Head, Prajapita, Brahma Kumaris, Ishwariya Vishwa Vidhyalaya, an Educational Institution, H. Qrs. at Pandav Bhawan, Mount Abu, Distt. Sirohi (Raj.).
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 5444 Sq. Yds. situated on Subhash Marg at Mount Abu Distt. Sirohi (Raj.) and much more fully described in the sale deed regd. by S.R. Mount Abu vide his registration No. 333/78 dated 22-12-78,

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Jaipur.

Date: 17-4-1979

EVIDAC FYNG

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 6th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/570.—Whereas, I M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

SP-1, SP-1A & B-59 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s R. S. Mctals Industries (Registered Partnership firm), Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s R. S. Metals (Private) Limited, Mangal Bhawan Station Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on plot No. SP-1, SP-1A & B-59 Industrial Estate, 22 Godown Jaipur morefully described inconveyance deed regd. by S.R. Jaipur vide No. 2929, dated 30-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 6-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 573.—Whereas, I M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 5-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—236GII79

 Shri Kashiram s/o Sh. Kaluram Kumhar R/o 3-E Chhotl Teh., Srigenganagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahavir Pd. s/o Mamraj Nai R/o 3-E Chhoti Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 11 bigha situated at 3-E Chhoti Distt. Sriganganagar and much more fully described in sale deed registered by S.R. SGNR vide registration No. 3140 dated 5-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979.

(1) Shri Kashiram s/o Sh. Kaluram Kumuar R/o 3-E Chhoti Teh. Sriganganagar. (Transferor)

(2) Shri Liladhar s/o Sh. Mamraj Nai R/o E-E Chhoti,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)79-80/575.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 14-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned .-

Sriganganagar,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 bighas of agri. land situated at 3-E Chhoti Sriganganagar and much more fully Described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 3137, dated 14-12-1978.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kashiram s/o Kaluram R/o Chhoti, 3-E Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Liladhar s/o Mamraj R/o 3-E Chhoti, Sriganganagar. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq./572.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 6-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha 17 biswas situated at 3-E Chhoti, Sriganganagar and much more fully described in sale deed registered by S. R. Sriganganagar vide registration No. 3154 dated 6-12-1978.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 571.-Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Sriganganagar on 5-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Kashiram s/o Shri Kaluram Kumhar R/o 3-E Chhoti, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahavir Pd. s/o Shri Mamraj Nai R/o 3-E Chhoti, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring I bigha & 18 biswas situated at 3-E Chhoti Teh. Sriganganagar and much more fully described in sale deed registered by S.R. SGNR. vide registration No. 3148 dated 5-12-1978.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquistion Range, Jaipur.

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 574.—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srigangeongar on 14-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Kashiram s/o Shri Kaluram Kumhar R/o 3-E Chhoti Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Mamraj s/o Shri Gheruram Nai R/o Chak 3-E Chhoti, Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha 18 Biswas situated at 3-E Chhoti Sriganganagar and much more fully described in sale deed registered by S.R. SGNR. vide registration No. 3151 dated 14-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Jaipur.

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/79-80/577.—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 19-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishanlal s/o Shri Jagmal R/o 6-E Chhoti Distt. Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shrimati Jamnadevi w/o Shri Radharam R/o Sriganganagar.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha located in chak 6-E Chhoti, Teh. Sriganganagar and much more fully described in sale deed registered by S.R. SGNR vide registration No. 3299, dated 19-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)79-80/576.—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. Agri. land situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srigangangar, on 18-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesteid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nathuram s/o Shri Jagmalram R/o 6-E Chhoti Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shrimati Jamana Devi w/o Shri Radharam R/o Chak No. 6-E Chhoti, Sriganganagar.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha located in chak 6-E Chhoti Teh. Sriganganagar and much more fully described in sale deed registered by S.R. SGNR vide registration No. 3296, dated 18-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE

Jaipur, the 17th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)556.—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Kekri,

(and more fully described in the schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kekri on 1-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Kanwar w/o Late Shri Fateh Singh, (2) /Anna and (3) Nirmala daughters of Shri Fateh Singh Mehta, R/o Bargaon at present Kekri Distt. Aimer.

(Transferor)

(2) Shri Hari Shanker 8/0 shri Sualal (2) Shri Durga Pd. s/o Shri Hari Shanker caste Brahmin R/o Bargaon at present Kekri Distt. Ajmer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Urban land measuring 3 bighas and 15 biswas and agricultural land measuring 1 Bigha and 3 biswas situated outside Chhaganpur Junin gate. Kekri and much more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Kekri, vide registration No. 1126/78, dated 1-12-1978.

M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 17th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/579.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25.000/bearing

No. Agri. land situated at Hindaun City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindaun City on 29-1-79,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-22--236GI/79

(1) Shri Ramjilal s/o Shri Narainlal Mali Hindaun City, Distt. Sawaimadhopur. (Transfero1)

ANNEXURE-A

Name of the transferees

- 1. Jagmohan and Gayalal Sons of Shri Batu Ram Soni, Hindaun.
- Shri Mangti Ram s/o Shri Moolchand.
 Shri Choteylal s/o Shri Bhurji.
 Smt. Mohar Bai w/o Shri Balwant Singh.

- 5. Raja Ram Singh s/o Shri Hargyan Singh. 6. Shri Bhim Singh s/o Shri Hargyan Singh. 7. Ram Murti s/o Shri Manoharlal Gupta.
- 8. Shri Radhey Shyam s/o Shri Kalyan Pd. Gupta. 9. Shri Nandlal s/o Shri Piebhulal.
- 10. Shri Om Prakash s/o Shri Ram Swarup Gupta, 11. Shri Suresh Chandra s/o Shri Ganeshilal Arya,
- 12. Shri Ramesh Chandra s/o Shri Mahadevo Aggarwal.
- 13. Girrajtal s/o Shri Chamanlal Agarwal.

- 14. Dr. Asha w/o Shri Sureshchandra Agarwal.
 15. Gyani Daljit Singh s/o Shri Nannamal Punjabi.
 16. Shri Gujarmal s'o Shri Behnaru.
 17. Shri Ramesh Chandra s/o Shri Laxminara Shri Laxminarain Acarwal.

- 18. Smt. Swagati w/o Shri Rameshwar Pd. Agarwal. 19. Shri Devi Singh s/o Shri Ramiilal Agarwal. 20. Smt. Gulkanti Devi w/o Shri Hiralal. 21. Shri Roop Singh s/o Shri Devi Singh Gujar. 22. Shri Deendayal and Suresh Chand Vaish.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha and 8 biswas situated in Hindaun City and more fully described in the instrument of transfer registered with the Sub-Registrar, Hindaun on 29-1-1979 at registration No. 60.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 17th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq:) 578.—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Hindaun City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Hindaun City on 8-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following pernamely:-

(1) Shri Ramjilal s/o Shri Narajnlal Mali, Hindaun City, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferor)

(2) 1. Jagmohan and Gayalal, Sons of Shri Batu Ram Soni,

Shri Mangti Ram s/o Shri Moolchand,
 Shri Choteylal s/o Shri Bhurji,

4. Smt. Mohar Bai w/o Shri Balwant Singh, 5. Raja Ram Singh s/o Shri Hargyan Singh, 6. Shri Bhim Singh 5/0 Shri Hargyan Singh.
7. Ram Murti 5/0 Shri Manoharlal Gupta.
8. Shri Radhey Shyam 5/0 Shri Kalyan Pd, Gupta,

9. Shri Nandlal s/o Shri Prabhulal,
10. Shri Om Prakash s/o Shri Ram Swarup Gupta,
11. Shri Suresh Chandra s/o Shri Ganeshilal Arya,
12. Shri Ramesh Chandra s/o Shri Mahadevo Aggarwal.

13. Girrajlal s/o Shri Chamanlal Agorwal.

Dr. Asha w/o Shri Sureshchandra Agarwal.
 Gyani Daljit Singh s/o Shri Nannamal Punjabi.

16. Shri Gujarmal s/o Shri Behnaru.17. Shri Remesh Chandra s/o Shri Laxminarain Agar-Agarwal.

18. Smt. Swagati w/o Shri Rameshwar Pd. Agarwal,

Shri Devi Singh s/o Shri Ramjilal Agarwal.
 Smri Devi Singh s/o Shri Hiralal.
 Shri Roop Singh s/o Shri Devi Singh Gujar.
 Shri Deendayal and Suresh Chand Vaish.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 bighas and 11 biswas situated in Hindaun City and more fully described in the instrument of transfer registered with the Sub-Registrar. Hindaun on 8-12-1978 at Registration No. 907.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 17th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 582.—Whereas, I. M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/cmd bearing

No. Agri. land situated at Hindaun City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Hindaun City on 15-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surajmal s/o Shri Narainlal Mali, R/o Hindaun City, Distt. Sawaimadhopur.

 (Transferor)
- (2) M/S Vastra Vyavsaya Sangh through Shri Brij Mohanlal President and Shri Ram Swaroop Gupta, Secretary Hindaun City, Distt. Sawaimadhopur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha 13 biswas situated in Hindaun City and more fully described in the sale dccd registered by Sub-Registrar, Hindaun vide registration No. 22

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 17-8-1979.

(1) Shri Surajmal s/o Shri Narainlal Mali R/o Hindaun City Distt. Sawaimadhopur.

(2) M/S Vastra Vyavsaya Sangh through Brij Monan-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/581.--Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Hindaun City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindaun City on 11-1-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent ronsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

lal President and Ram Swaroop Gupta Hindaun City Distt, Sawaimadhopur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha 14 biswas situated in Hindaun City and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Hindaun vide registration No. 20 dated 11-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-8-1979.

(1) Shri Surajmal 8/0 Shri Narainlal Mali, R/0 Hindaun City, Distt. Sawaimadhopur.

(2) M/s Vastra Vyavsaya Sangh, through Shri Brij Mohanlal President and Shri Ram Swaroop Gupta Secretary Hindaun City, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferor)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.), 580.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri land situated at Hindaun City,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindaun City on 15-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 bighas 1 biswas situated in Hindaun City and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Hindaun vide registration No. 21 dated 15-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-8-1979.

(1) Shrimati Laxmi Devi D/o Lala Trilok Chand R/o Gheewalon ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

Shri Devi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.).—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E-27 situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 7-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(2) Dr. Anand Kumar Shukla s/o Late Kantiji, Moti Dungri Road, Jaipur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. E-27 Lajpat Marg C-Scheme, Jajpur (Western portion of first floor) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jajpur vide registration No. 2677, dated 7-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1979.

FORM ITNS----

(1) Shri Ajit Kumar Jain s/o Poonam Chand Nahata Ghee Walon ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Anand Kumar Shukla s/o Deví Kunt Moti Doongri Road, Jaipur.

(Transferee)

whichever

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Rai/AC (Acq.).—Whereas, I M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 2

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. E-27 situated at Jaipur,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 7-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

oeriod expires later;

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated on Plot No. E 27 Lajput Marg C-Scheme Jaipur and much more fully described in sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2677 day d 7-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipun

Date: 20-8-1979.

(1) Dr. Rej Kumar Jain s/o Poonam Chand Jain Gheewelon ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Anandpal Singh \$/0 Thakur Rakshpal Singh R/0 J-134, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.).—Whereas, I M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E-27 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jaipur on 7-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated on plot No. E-27 Lajpat Marg, C-Scheme, Jaipur more fully described in conveyance deed regd. by S. R. Jaipur vide No. 2679 dated 7-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-8-1979.

Gheewalon Ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anand Pal Singh s/o Rokshpal Singh R/o Plot No. J-134, Adarsh Nagar, Jaipur.

(1) Shrimati Laxmidevi w/o Poonam Chand Nahata,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.).—Whereas, I M. R. Aggarwal, AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. E-27 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jaipur on 7-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-236G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated on Plot No. E-27 Lajpat Marg C-Scheme, Jaipur more fully described in conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2678, dated 7-12-1978.

M. R. AGGARWAL Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narpat Singh s/o Shri Jorawar Sin No. D-228, Tulsi Marg Bani' Park, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Kedia (Minor) through father & natural guardian Shri Om Prakash Kedia, and Ganesh Colony, Jaipur.

(Transferee)

Jorawar Singh Plot

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Rej/AC (Acq.).—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Part of P. No. 4 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 13-12-1978.

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objeticons, if any, to the aquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the hian immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated on Plot No. 4 Sansar Chand Road Bichun ka Bag, Sansar Chand Road, Jaipur and much more fully described in conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2777, dated 13-12-1978.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1979,

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bithaldas s/o Shri Manalal Somani, Baran and Smt. Pushpa Devi w/o Shri Bithaldas Somani, Baran Distt. Kota.

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

No. Raj/AC/Acq./585:—Whereas, I, M. R. AGGARWAL being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Baran.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 8-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Om Prakash Gupta Baran, Distt. Kota,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops and open land measuring 1673 sq. ft. situated on hospital road Baran and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Baran vide registration No. 436 dated 8-12-1978.

M. R. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 9-8-1979

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 584. Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-"nd bearing No.

No. situated at Baran,

and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 8-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bithaldas s/o Shri Manalal Somani, Baran and Smt. Pushpa Devi w/o Shri Bithaldas Somani, Baran Distt. Kota.

(Transferor)

(2) Shri Rohit s/o Shri Om Prakash Gupta Baran Distt. Kota. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two godowns of 42'x32', Varanda measuring 260 sq. it. and land measuring 2608 sq. ft. situated on hospital road Baran and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Baran vide registration No. 437, dated 8-12-1978.

> M. R. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INTEREST OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/583.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Baran,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Baran on 8-12-1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) Shri Bithaldas s/o Shri Manalal Somani, Baran and Smt. Pushpa Devi w/o Shri Bithaldas Somani Baran Distt. Kota.

(Transferor)

 Shrimati Shanti Devi w/o Shri Om Prakash Baran Distt., Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One godown measuring 21'x16' and a varanda measuring 21'x6'3" including open land measuring 2736 sq. ft. and a well situated on hospital road Baran and much more fully described in the sale deed registered by S.R. Baran vide registration No. 438, dated 8th December 1978.

M. R. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 9-8-1979

(1) Shri Jailal s/o Shri Motilal Vaish, Hindaun Distt. Sawaimadhopur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Raj/ Λ C (Acq.)/587.—Whereas, I, M. R, AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Hindaun,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindaun on 12-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) I. Shri Madan Mohan s/o Shri Kedarlal.

Shri Banwarilal.
 Shri Gopal.

Shri Gopal.
 Shri Mukesh,

through Shri Kumar Minor sons of Shri Kedarlal through Shri Kedarlal, R/o Dholata, Teh. Nadoti, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ (southern portion) of a double storeyed shop situated in Lat Bahadur Shastri Bazar, Hindaun City, Distt, Sawai-madhopur and more fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Hindaun vide registration No. 911, dated 12-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/585.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Hindaun,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hindaun on 12-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jailal s/o Shri Motifal Vaish Hindaun, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferor)

(2) Shri Kedarlal s/o Shri Johrilal Vaish, Vill. Dholata, Teh. Nadoti, Distt. Sawaimadhopur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 (northern portion) of a double storeyed twin shops situated in Lal Bahadur Shastri Bazar, Hindaun City, Distt, Sawaimadhopur and more fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar Hindaun vide registration No. 910 dated 12-12-1978.

M. R. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 20th July 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/565.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. D-99, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-12-1978,

for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Chandrakala Devi w/o Late Prahladraiji and Suresh Kumar Mor s/o Late Prahladraiji R/o 17 Bal Mukund Makes Road, Calcutta-7. (Transferor)
- (2) Shri Jamanadass Bindal s/o Late Shri Bachh Bajji Bindal, D-99 Bani Park, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at plot No. D-99, Tulsi Marg Bant Park, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2799, dated 18th December 1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaiput

Date: 20-7-1979

Fateh Tiba

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 569.—Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 4, dated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Shri Govind Saran Gupta (Minor) through father Laxmandas Khandelwal, Meseum Road, Jaipur.

(1) Shri Shahdev Sharma s/o Janakraj,

Grave yard, Meseum Road, Jaipur,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat on first floor of house situated at plot No. 4 Grave yard, Meseum Road, Jaipur more fully described in conveyance deed registered vide No. 2873, dated 30-12-1978 by S.R. Jaipur,

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-7-1979

(1) Shri Sahdev Sharma 5/0 Janakraj Fateh Tiba, Grave yard, Meseum Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Snchlata w/o Shri Ram Sharan Gupta R/o Grave Yard, Meseum Road, Jaipur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 566.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of P. No. 4, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--21-226GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat at first floor of house at Plot No. 4 Grave Yard, Mescum Road, Jaipur and more fully described in conveyance deed regd. by S.R. Jaipur vide No. 2874, dated 30-12-1978.

> M. R. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range-II, Jaipur.

Date: 20-7-1979

(Transferee)

FORM ITNS-

(1) Shri Sahdev Sharma s/o Janakraj Fatch Tiba Grave Yard, Meseum Road, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Ganga Saran Gupta (Minor) through Father Shri Laxamandas Khadelwal Meseum Road, Jaipur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.) 567.—Whereas, J, M. R. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of P. No. 4, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house at plot No. 4 one flat on first floor and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2872, dated 30-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-7-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)568.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (bereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 4 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Rct, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sahadev Sharma s/o Janakraj Fateh Tiba Grave Yard, Meseum Road, Jaipur,

(Transferor)

(2) Shri Laxmandass Khandelwal s/o Ram Swarup Grave Yard, Mescum Rood, Jalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat at ground floor of house at plot No. 4 Meseum Road, Jaipur more fully described in conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2875, dated 30-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1979

Ref. No. Rej/AC (Acq.)/588.--Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Plot No. D-81 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jainur on 12-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shei Murugesan

(1) Shri Bhanwar Lal and Krishan Murari ss/o Suraj bux, Om Prakash and Vinod Kumar ss/o Bhanwarlal, R/o 4747/23 Dariaganj, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) M/s. Printwell, Jaipur D-281 Todarmal Marg, Bani park, Jaipur through its partners Shri Shiv Shanker Goenka, D-281 Todarmal Marg, Bani park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed upon plot No. D-81, Road No. C, Vishw-karma Industrial Area, Jaipur and much more fully described in sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2717, dated 12-12-1978.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 20-8-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1979

Ref. No. AP.612/79-80.—Wherens, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Civil Station, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lai Mukhtiar Am Smt. Sheela etc. r/o Ferozepur Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Teja Singh s/o Sarwan Singh, Civil Station, Bhatinda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lend situated at Bhatinda as mentioned in the deed No. 4941 of Jan 1979 of the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1979

Ref. No. 613.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saroj Kumar s/o Lakhu Ram r/o Ferozepur Cantt.

 (Transferor)
- (2) Smt. Ravinder Kaur d/o Shri Ram Singh r/o Letozepur Cantt.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Bhatinda as mentioned in the deed $N_{\rm O}$ 4942, of Jan 79 of the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1979

Ref. No. AR-I/(4071/14)- Dec. 78.—Whereas I, V. S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 336 & 506 of Dadar, Naigaum Division

siturated at Wadala

with the object of :-

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-12-1978 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ce.; of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kasturchand Nemchand

(Transferor)

(2) Shri Dineshchandra Vijaykumar.

(Transferce)

- (3) 1. The Rapid Cycle & Motor Co. Pvt. Ltd.
 - 2. Kantilal Keshavlal Modv.
 - 3. Vasumatiben Babalchand Moti.
 - 4. Supreme Industries Ltd.
 - 5 Tilokchand Motichand.

- 6. Metachem Private Ltd.
- Durgadas Gyanchand.
- 8. Imac Oil Mill. Arvirld & Co.
- 10. The National Gramaphone Record Mfg. Co. Ltd.
- Kantilal Chhotalal.
- 12. Jayhind Rubber Products Private Ltd. 13. National Paints and Varnish.
- 14. Jyoti Textile Engravers.
- 15. Ambico Textiles.
- 16. Aco Electric Co.
- Nagbhushan Textiles.
- 18. Batwar Textiles.
 19. Mehta Textiles.
- 20. Philco Agencies (India).
- 21. Krishna Silk Mills.
- 22. Swastik Engineering Co.
- 23. Lodkey Textiles.24. Shanker Textiles.
- S. L. Khanna.
- 26. Home Industries Corporation.
- 27. Bex Industries.
- 28. Design Engineering Co.
- 29. Harry Flectric Products.
- 30. Neo Figincering Works.
- Jagnata Textiles
- 32. Shaligram Textiles.
- Boney Textiles.
 Vinod Textiles.
- 35. Lal Industries.
- 36. Kiran Textiles.37. Vikram Textiles.
- 38. Indian Textiles.
- 39. Ganesh Textiles.40. Rahul Textiles.41. Ranju Textiles.
- 42. Dattaraya Industries.
- 43. Raj Textiles.
- 44. Gopal Textiles.
- 45. Shri Sainath Silk Mills.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3854/72/Bom. and Registered on 1-12-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 17-7-79